मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.6	26.1
जमशेदपुर	34.8	25.0
डालटनगंज	33.0	25.6

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 12 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 155 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हजारीबाग एसडीओ के ठिकानों पर एसीबी की रेड, दफ्तर व आवास भी खंगाला

▪ देर शाम एसडीओ शैलेश कुमार को साथ ले गई एसीबी की टीम

शैलेश कुमार का हजारीबाग में ऑफिस. यहां भी हुई छापेमारी.

रांची बड़गाईं अंचल के जमीन घोटाले से जुड़ा है मामला

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

सदर एसडीओ शैलेश कुमार के कई ठिकानों और गिरिडीह वाले आवास में छापेमारी हुई है. एसीबी की टीम ने बुधवार की सुबह अधिकारी के आवास पर छापा मारा और देर शाम तक जांच-पड़ताल जारी थी.इतना ही नहीं हजारीबाग में भी उनके दफ्तर और सरकारी आवास को एसीबी ने खंगाला. दिन भर पड़ताल के बाद देर शाम एसीबी की टीम एसडीओ शैलेश कुमार को अपने साथ लेकर चली गई है.

बता दें कि बड़गाई जमीन घोटाले को लेकर यह छापेमारी की गई है. शैलेश कुमार के गिरिडीह में शास्त्री नगर स्थित आवास पर भी एसीबी की टीम छापेमारी की. हजारीबाग समाहरणालय स्थित उनके दफ्तर और सरकारी आवास में भी छापे की गई. जानकारी के अनुसार, रांची के बड़गाई जमीन घोटाले को लेकर छापेमारी की गई. मामले में पहले ईडी ने कार्रवाई की थी. बाद में इसे एसीबी को सौंप दिया गया था. एसीबी इस मामले को लेकर पिछले कई दिनों से गहन जांच कर रही है. इसी क्रम में शैलेश कुमार के दफ्तर और आवास में छापेमारी की गई है.शैलेश कुमार के पिता उदय शंकर प्रसाद चार साल पहले सेवानिवृत हुए हैं. वह गिरिडीह सदर अंचल कार्यालय में अंचल निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे. गिरिडीह में एसीबी की टीम उदय शंकर प्रसाद के घर के अलावा उनके दूसरे पुत्र रिंकू सिन्हा की दुकान में भी जांच कर रही है. रिंकू सिन्हा की मार्बल की दुकान है. इसके अलावा उदय शंकर प्रसाद के दो अन्य पुत्र भी सरकारी सेवा में हैं. फिलहाल एसीबी की टीम कागजों की पड़ताल में जुटी है.

एसडीओ शैलेश सिन्हा के आवास पर एसीबी की छापेमारी के दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी.

एसीबी की दबिश की पुष्टि एसीबी एसपी हजारीबाग ने की है. एसडीओ कार्यालय और आवास पर इस दौरान बुधवार को किसी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं मिला और न ही किसी को बाहर जाने दिया गया. जानकारी के मुताबिक अपने आवास में शैलेश कुमार मौजूद थे. राज्य के चर्चित बड़गाई जमीन मामले को लेकर झारखंड पुलिस की एंटी करप्शन ब्यूरो की यह सबसे बढ़ी कार्रवाई बताई जा रही है. जमीन घोटाले को लेकर एसीबी की टीम राजधानी रांची, चाईबासा और हजारीबाग में छापेमारी कर रही है. आठ माह पूर्व इस मामले में रांची के बरियातू थाने में दर्ज एफआईआर हुई थी. इस पूरे कार्रवाई में 60 से अधिक पदाधिकारी शामिल है. एसीबी द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि शैलेश कुमार के अलावा सीओ मनोज कुमार के यहां भी रेड की गई. इनके खिलाफ साक्ष्य मिला है और अधिक साक्ष्य के लिए जांच की जा रही है. इस बाबत रांची सदर थाना में एक जून को प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

एसीबी की रिपोर्ट : पूर्व मंत्री लुईस मरांडी ने शपथ पत्र में जो पैन नंबर दिया वह सही नहीं

एजेंसी ने हाईकोर्ट में दाखिल किया अपना जवाब

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

पूर्व की रघुवर सरकार के पांच पूर्व मंत्रियों की आय से अधिक सम्पत्ति मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है.

लुईस मरांडी

इस मामले में एसीबी ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है.

एसीबी ने अपने जवाब में कई अहम खुलासे किए हैं. एसीबी ने हाईकोर्ट में दिए अपने जवाब में कहा है कि रघुवर दास कैबिनेट की मंत्री लुईस मरांडी ने अपने शपथ पत्र में जो पैन नंबर (एएलएलपीएम****एम) दिया है, वह सही नहीं है. राज्य सरकार की जांच एजेंसी एसीबी ने गोपनीय तरीके से सत्यापन कर यह जानकारी हाईकोर्ट में दी है. इसके साथ ही पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी, नीरा यादव, नीलकंठ सिंह मुंडा, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह के विरुद्ध अलग-अलग पीई दर्ज करने की अनुमति मांगे जाने से संबंधित पत्र भी हाईकोर्ट में दिया गया है.

दरअसल वर्ष 2020 में सोशल एक्टिविस्ट पंकज कुमार यादव ने जनहित याचिका दायर कर पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी, नीरा यादव, नीलकंठ सिंह मुंडा, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह के खिलाफ आय से अधिक सम्पति होने का आरोप लगाते हुए एसीबी से जांच की मांग की थी. जुलाई 2023 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कैबिनेट से पांचों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ एसीबी जांच की स्वीकृति दी थी. जांच के क्रम में एसीबी ने पूर्व मंत्रियों के खिलाफ हुई शिकायत को सत्य पाया था. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में इस जनहित याचिका की सुनवाई कर रही है.

जनहित याचिका में जो दस्तावेज कोर्ट में सौंपे गए हैं उसके मुताबिक पांचों पूर्व मंत्रियों की संपत्ति का विवरण इस प्रकार है...

पूर्व मंत्री	2014 में संपत्ति	2019 में संपत्ति	वृद्धि	वृद्धि%
नीलकंठ सिंह मुंडा	1.46 करोड़	4.35 करोड़	2.98 करोड़	198
अमर बाउरी	7.33 लाख	89.41 लाख	82.07 लाख	1118
लुइस मरांडी	2.55 करोड़	9 .06 करोड़	6 .81 करोड़	303
नीरा यादव	80.59 लाख	3.56 करोड़	2.85 करोड़	353
रणधीर कुमार सिंह	78.92 लाख	5.06 करोड़	4.27 करोड़	541

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,700
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

लाहौर से दिल्ली तक कांपी धरती

नयी दिल्ली। पाकिस्तान में बुधवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए. रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.8 मापी गई. इसका केंद्र जमीन से 33 किमी गहराई में था. भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर समेत कई जगहों पर भी महसूस किए गए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पाकिस्तान में बुधवार दोपहर 12.58 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आने के बाद दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में भी इसके झटके महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र पंजाब के अमृतसर से 415 किमी दूर पश्चिम में था.

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत फिर बढ़ाई गई

नयी दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने बुधवार को सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी. वहीं, एक्साइज पॉलिसी केस में आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक को जमानत दे दी है. केजरीवाल तिहाड़ जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए. कोर्ट ने केजरीवाल की हिरासत 25 सितंबर तक बढ़ा दी.

पटना ब्लास्ट के दोषियों की सजा उम्रकैद में बदली

पटना। पटना हाईकोर्ट ने बुधवार को गांधी मैदान बम ब्लास्ट मामले में चार दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है. चारों दोषियों को अब फांसी नहीं होगी. दरअसल, 27 अक्टूबर 2013 को पटना में तत्कालीन पीएम पद उम्मीदवार नरेंद्र मोदी की एक रैली में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे. मामले में चार आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी. हाई कोर्ट ने चारों आरोपियों की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है. **पेज 11 भी देखें**

कार्यक्रम : सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम मोदी पर कसा तंज, कहा

मणिपुर जल रहा, मुखिया एक बार भी वहां नहीं गए

रवि भारती। रांची

➲ **सीएम ने कहा : पंजाब, हरियाणा में ये नहीं जा सकते, किसान इनके विरोध में हैं**

➲ **जम्मू-कश्मीर के चुनाव में भी इन्हें मुंह की खानी पड़ेगी**

➲ **अब ले-देकर इनकी नजर झारखंड पर ही है**

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार सहित पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि मणिपुर एक साल से जल रहा है. बहन बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है. पर केंद्र सरकार के मुखिया एक बार भी वहां नहीं गए. इन लोगों का किसी से कोई लेना देना नहीं है. आज ये पंजाब और हरियाणा भी नहीं जा सकते. वहां किसान इनके विरोध में हैं. जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भी इन्हें मुंह की खानी पड़ेगी. अब इनकी नजर ले-देकर झारखंड पर है. सीएम बुधवार को महगामा में आपकी योजना आपकी सरकार कार्यक्रम में बोल रहे थे.

गांव से चलने वाली सरकार है : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि रांची मुख्यालय से नहीं बल्कि गांव से चलने वाली सरकार है. हमने आपके लिए काम किया है, इसलिए वोट मांगने का पूरा अधिकार रखते हैं. विपक्ष के लोग बोलते हैं कि वोट खरीदने के लिए मंईयां योजना चलाई गई है. मईयां योजना हमने शुरू की है. आने वाले पांच सालों में हर घर में एक-एक लाख रुपए पहुंचाने का काम करेंगे.

किसी से उधार लेने की नहीं होगी जरूरत : सीएम ने कहा कि आपलोगों को अब किसी से उधार लेने की जरूरत नहीं होगी. गांव मजबूत होगा तो राज्य भी मजबूत होगा. झारखंड की जड़ गांव में है. भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि व्यापारियों द्वारा जंगल लूटने की तैयारी हो रही है. वन अधिकार कानून बदल दिया गया है. पेड़ काटने का ठेका-पट्टा दिल्ली से निर्धारित हो रहा है. हमने बिरसा ग्राम हरित योजना शुरू की है. किसानों के दो लाख तक का ऋण माफी की योजना शुरू की है.

-शेष पेज 7 पर

महगामा में लाभुक बच्चियों से मिलते सीएम हेमंत सोरेन. साथ में कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी मौजूद हैं.

कोरोना के समय भी सबको संभाला

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही कोरोना की सबसे बड़ी चुनौती थी. इस समय भी राज्य में अफरा-तफरी का माहौल नहीं बनने दिया. मजदूरों को हवाई जहाज, ट्रेन और बस से सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाया. इसके बाद जब हम काम करने लगे, तो तरह-तरह के षडयंत्र रचे जाने लगे. दो साल तक चूहा-बिल्ली की तरह दौड़ भाग चलती रही. किसानों और मजदूरों के हित में काम करने लगे, तो मुझे जेल में डाल दिया गया. जेल गए तो सरकार गिराने की तैयारी में लग गए. लेकिन आपलोगों के आशीर्वाद से हम आपके सामने हैं. वे लोग षडयंत्र में सफल नहीं हो पाए.

एक दिन शादी नहीं चली और देने पड़े 50 लाख

एजेंसी। नयी दिल्ली

▪ दहेज उत्पीड़न कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के मामलों से निपटनेवाला सेक्शन 498ए सबसे ज्यादा दुरूपयोग किए जानेवाला कानून है. सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ये बात कही. जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस प्रशांत मिश्र और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एक वैवाहिक मामले में विवाद की सुनवाई करते हुए यह बात कही. जस्टिस गवई ने गुजारा भत्ते पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसे मामलों मेंआजादी पाना ही सबसेअच्छी चीज है. अपनी इस टिप्पणी को विस्तार देते हुए जस्टिस गवई ने एक केस को भी याद किया.

उन्होंने कहा कि एक मामला ऐसा भी आया था, जब पति एक दिन भी पत्नी के साथ नहीं रहा. लेकिन जब वे अलग हुए तो 50 लाख रुपए की रकम उसे पत्नी को देनी पड़ी. जस्टिस गवई ने कहा, मैंने नागपुर में एक केस देखा था. उसमें युवक अमेरिका में बस गया. उसकी शादी एक दिन भी नहीं चली, लेकिन पत्नी को केस चलने पर 50 लाख रुपए की रकम देनी पड़ गई. मैं तो खुल कर कहता रहा हूं कि घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के कानून का सबसे ज्यादा गलत इस्तेमाल होता है. मेरी बात से शायद आप लोग सहमत होंगे.

सेक्शन 498ए को लेकर लंबे समय से चर्चा रही है. इस कानून के आलोचकों का कहना रहा है कि अक्सर महिला के परिवार वाले इस कानून का बेजा इस्तेमाल करते हैं.

कुड़मी सेना के करम महोत्सव में शामिल हो सकते हैं पीएम

जमशेदपुर में तैयारियों का जायजा लेते पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा.

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कुड़मी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने जानकारी दी कि 15 सितंबर को बिष्टुपुर गोपाल मैदान में होनेवाले राष्ट्रीय करम महोत्सव की तैयारी जोरों पर है. महोत्सव का उद्घाटन करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और राज्यपाल संतोष गंगवार को आमंत्रित किया गया है. पीएमओ तथा राजभवन ने जरूरी दस्तावेज मांगे थे, उन्हें भेज दिया गया है. उन्होंने कहा कि अन्य अतिथियों में पूर्व सीएम चंपाई सोरेन, बिहार के मंत्री श्रवण कुमार, बंगाल के मंत्री श्रीकांत महतो, सांसद विद्युत वरण, सुदेश महतो, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, सांसद ममता महंता आदि शामिल होंगे.

झारखंड को बड़ी सौगात देंगे पीएम : अर्जुन मुंडा : इस बीच, पीएम के आगमन में चार दिन बचे हैं. इसे देखते हुए प्रशासनिक तैयारियों के साथ-साथ भाजपा की भी तैयारियां तेज हो गई हैं. बुधवार को पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने गोपाल मैदान का निरीक्षण किया. इस दौरान की अधिकारी भी मौजूद रहे. अधिकारियों से चर्चा के बाद मुंडा ने कहा कि पीएम का दौरा कई मायनों में ऐतिहासिक होगा. टाटा को वंदे भारत की सौगात के साथ-साथ पीएम मोदी झारखंड को बड़ी सौगात देंगे. पार्टी की ओर से तैयारियां हो रही हैं.

तैयारी

- पीएमओ व राजभवन ने संस्था के जरूरी दस्तावेज मंगवाए
- **15 को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में होनी है सभा**
- मोदी की जनसभा व रोड शो की तैयारियां जोरों पर

जोनल आईजी ने तैयारियों का लिया जायजा : पीएम मोदी के दौरे को लेकर जोनल आईजी अखिलेश झा, डीआईजी मनोज रतन चौथे समेत अन्य पुलिस अफसरों ने टाटानगर स्टेशन का दौरा किया. सुरक्षा के दृष्टिकोण से कार्यक्रम स्थल, प्लेटफार्म परिसर समेत अन्य स्थानों का निरीक्षण किया. दोनों ने आरपीएफ के साथ बैठक कर पूरी जानकारी ली.

ट्रेंडिंग न्यूज

उम्मीद

सुनीता की रक्षा कर रहे गणेश

नयी दिल्ली। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंतरिक्ष में हैं. दोनों यूं तो जून में हफ्तेभर के लिए गए थे, लेकिन अब अगले साल फरवरी में ही वापसी हो पाएगी. सुनीता भगवान गणेश को अपना लकी चार्म मानती हैं और अंतरिक्ष में भी उन्हें साथ रखे हैं. एक इंटरव्यू में कहा, मैंने हमेशा भगवान गणेश को अपने साथ रखा और इसलिए उन्हें मेरे साथ अंतरिक्ष में भी आना पड़ा. यहां वो ही मेरी रक्षा कर रहे हैं.

अलविदा

अभिनेत्री मलाइका के पिता ने की खुदकुशी

मुंबई। मलाइका अरोड़ा के पिता का निधन हो गया है. अभिनेत्री के पिता ने आत्महत्या की है. दुख की इस खड़ी में मलाइका के एक्स हसबैंड अरबाज खान मलाइका के मायके पहुंचे. मलाइका के पिता ने छत से कूद कर आत्महत्या की. मुंबई पुलिस ने बयान में कहा कि अनिल अरोड़ा ने बांद्रा स्थित अपने घर की तीसरी मंजिल से कूदकर जान दी. घटना बुधवार सुबह की बताई गई. वहीं, इस खबर के बाद मलाइका अरोड़ा पुणे से मुंबई के लिए पहुंच गईं. खबर मिलते ही सलमान का पूरा परिवार मलाइका के घर पहुंच गया. और सांत्वना दी.

फरमान

अजान से पहले बंद हो लाउडस्पीकर

ढाका। बांग्लादेश में भड़की हिंसा के बाद वहां हिंदुओं की स्थिति काफी दयनीय हो चुकी है. खबर आई है कि बांग्लादेश सरकार ने नया फरमान जारी किया है. इसमें कहा गया है कि दुर्गापूजा पंडालों में होनेवाली पूजा के वक्त वाद्ययंत्र और लाउडस्पीकर अजान और नमाज के वक्त बंद किए जाएं. इस फरमान का अब विरोध हो रहा है. अजान से पांच मिनट पहले म्यूजिक सिस्टम को बंद करना अनिवार्य होगा. इसका पालन न करने पर सजा दी जाएगी.

अमेरिका यात्रा : थम नहीं विरोध, अब भारत विरोधी अमेरिकी सांसद से मिलने पर राहुल गांधी को घेरा

इल्हान उमर हैं पाकिस्तान समर्थक, भाजपा हुई हमलावर

एजेंसी। नयी दिल्ली

राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा विवादों में घिरती नजर आ रही है. उन्होंने भारत विरोधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से भी मुलाकात की है. इल्हान ने कुछ समय पहले पीओके की यात्रा की थी. साथ ही उन्होंने कश्मीर पर भारत के नियंत्रण की भी आलोचना की थी.

ऐसा माना जाता है कि इल्हान की पीओके यात्रा पाकिस्तान प्रायोजित थी. इतना ही नहीं, इल्हान पर आरोप है कि उन्होंने झूठी खबर फैलाई कि20 करोड़ मुसलमान नरसंहार के कगार पर हैं. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान विश्वविद्यालयों में छात्रों-शिक्षकों के अलावा भारतीय प्रवासियों से भी बातचीत की. इस दौरान वो अमेरिकी सांसदों से भी मिले. रेबर्न हाउस ऑफिस बिल्डिंग में हुई बैठक की मेजबानी ब्रैडली जेम्स शेरमेन ने की और इसमें अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य जोनाथन जैक्सन, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, बारबरा ली, श्री थानेदार, जीसस जी. चुय गार्सिया, इल्हान उमर, हैंक जॉनसन और जान शाकोवस्की शामिल थे. राहुल गांधी ने अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू और सांसद प्रमिला जयपाल से भी मुलाकात की.

कौन हैं इल्हान उमर?

- इल्हान उमर एक अमेरिकी सासंद और डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता हैं.
- **वह एक अफ्रीकी शरणार्थी हैं, जो कि चुनाव जीतकर अमेरिका की संसद में पहुंची हैं.**
- वह हमेशा ही कश्मीर और खालिस्तान को अलग देश बनाए जाने वाली मांग का समर्थन करती रही हैं.
- **उनका नाम अमेरिका की संसद में पहुंचने वाली उन दो मुस्लिम महिलाओं में शामिल हैं, जिनका रुख इजरायल विरोधी है.**
- इल्हान साल 2022 में पीओके के दौरे पर भी गई थीं.
- **अमेरिका की एक रिपोर्ट के मुताबिक इल्हान के इस दौरे के लिए फंडिंग पाकिस्तान ने की थी.**
- इल्हान का रुख भारत विरोधी है.
- **इल्हान ने सीनेट में पीएम मोदी के भाषण का भी** बहिष्कार किया था.

राहुल को बताया गोर्बाचेव

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है. उनकी तुलना सोवियत संघ के आखिरी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव से कर दी. निशिकांत ने कहा, जिस तरह गोर्बाचेव ने सोवियत संघ को खंड- खंड कर दिया, वैसे ही राहुल देश को तोड़ना चाहते हैं. यही वजह है कि वो देश विरोधी ताकतों से मिल रहे हैं. इलहान उमर वही हैं, जिन्होंने पाकिस्तान के खर्चे पर खालिस्तान बनाने के लिए पीओके का दौरा किया था. निशिकांत ने एक्स पर एक फोटो शेयर की. इसमें लिखा लाल घेरे में यह महिला इलहान उमर है, खालिस्तान तथा कश्मीर को अलग देश बनाने का समर्थन करती है. राहुल इसी एजेंडे के लिए समर्थन जुटा रहे हैं.

कोलंबस ने नहीं हमारे पूर्वजों ने की थी अमेरिका की खोज

एजेंसी। भोपाल

▪ एमपी के शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के बयान पर छिड़ी नई बहस

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार में शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने एक दावा करते हुए कहा है कि अमेरिका की खोज कोलंबस ने नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों ने की थी. उन्होंने एक कार्यक्रम में यह बयान दिया. इसके बाद नई बहस छिड़ गई है.

यही नहीं मंत्री ने सूर्य के स्थिरता के सिद्धांत को भी प्राचीन भारतीय शास्त्रों से जुड़ा बताया, जिसमें ऋग्वेद का जिक्र करते हुए कहा कि यह सिद्धांत 8000 साल पहले हमारे पूर्वजों ने खोजा था. उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि यह इतिहास में यह गलत पढ़ाया गया कि कोलंबस ने अमेरिका की खोज की. असल में भारतीय महानाविक वसुलुन ने आठवीं शताब्दी में अमेरिका की खोज की और वहां सैन डियागो में कई मंदिरों का निर्माण किया. ये तथ्य अभी भी वहां के संग्रहालयों और लाइब्रेरियों में सुरक्षित हैं. भारतीय छात्रों को सही इतिहास सिखाना चाहिए कि अमेरिका की खोज हमारे पूर्वजों ने की थी. शिक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिमी वैज्ञानिक निकोलस कॉपरनिकस द्वारा दिए गए सूर्य के स्थिरता के सिद्धांत का पता भारत में हजारों साल पहले था. परमार ने कहा कि ऋग्वेद में आठ हजार साल पहले यह लिखा गया कि चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर घूमता है.

खान विभाग ने तैयार किया आंकड़ा: रॉयल्टी मामले में जामताड़ा, खूंटी, सिमडेगा और गढ़वा पीछे

सूबे की 4,504 छोटी-बड़ी खदानों से 47,528 करोड़ रॉयल्टी आने के आसार

- सबसे अधिक धनबाद और पश्चिमी सिंहभूम से रॉयल्टी आने का अनुमान

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य की छोटी-बड़ी खदानों से 47,528.49 करोड़ रॉयल्टी आने की संभावना जताई गई है. इसमें पत्थर, बॉक्साइट, कोयला, एल्यूमीनियम, कोयला, ग्रेफाइट, मैगनीज, आयरन ओर सहित कई अन्य खनिजों की छोटी-बड़ी 4504 खदानें शामिल हैं. सबसे अधिक धनबाद और पश्चिमी सिंहभूम से रॉयल्टी का अनुमान लगाया गया है. वहीं रॉयल्टी के मामले में जामताड़ा, खूंटी, सिमडेगा और गढ़वा से काफी कम राजस्व आने की संभावना जताई गई है.

जिला	चलान की संख्या	रॉयल्टी (करोड़ में)	छोटी-बड़ी खदानों की सं.
साहिबगंज	4951833	824.57	456
गोड्डा	606196	1958.23	79
पाकुड़	5234977	1892.57	403
दुमका	1667843	218.41	300
जामताड़ा	420181	29.28	97
देवघर	1372866	609.13	166
धनबाद	62920222	10947.88	280
गिरिडीह	762782	167.81	248
बोकारो	3478823	3430.84	195
रामगढ़	2810632	4013.23	232
हजारीबाग	4474808	2521.07	137
कोडरमा	427845	49.98	206
पूर्वी सिंहभूम	773876	350.57	207
प. सिंहभूम	1942162	12809.15	197
सरायकेला	614277	79.89	163
खूंटी	335042	48.64	89
रांची	1353158	663.36	338
सिमडेगा	292609	23.52	71
गुमला	1685414	315.05	130
लोहरदगा	673226	144.40	120
लातेहार	2660553	1278.68	39
चतरा	6998214	4383.95	91
पलामू	3479949	627.02	203
गढ़वा	519160	41.26	57

पश्चिमी सिंहभूम से 12,809 करोड़ रॉयल्टी की संभावना : पश्चिमी सिंहभूम से 12.809.15 करोड़ रॉयल्टी आने की संभावना है. खान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम में खनिजों की ढुलाई के लिए 19 लाख 42 हजार 162 चालान निर्गत किए गए. वहां 197 छोटी-बड़ी खदानें हैं. वहीं धनबाद में खनिजों की ढुलाई के लिए 6,29,20,222 चलान निर्गत किए गए. धनबाद से 10947.88 करोड़ रुपए रॉयल्टी की संभावना जताई गई है. वहां छोटी-बड़ी खदानों की संख्या 280 बतायी गयी है.

पाकुड़, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग और चतरा से भी बंफर रॉयल्टी

राज्य के पाकुड़, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग और चतरा से भी बंफर रॉयल्टी मिलने का अनुमान लगाया गया है. पाकुड़ की छोटी-बड़ी 403 खदानों से 1892.57 करोड़ रुपये, बोकारो की 195 छोटी-बड़ी खदानों से 3430.84 करोड़, रामगढ़ की 232 छोटी-बड़ी खदानों से 4013.23 करोड़, हजारीबाग की 137 छोटी-बड़ी खदानों से 2521.07 करोड़ और चतरा की 91 छोटी-बड़ी खदानों से 4383.95 करोड़ रुपए रॉयल्टी आने की संभावना है.

ओ माई गॉड... भादो के कादो में कमल खिलावे के बेचैनी धईले है

संजय सिंह

कमलवाला पार्टिया में दुगो आयातित ब्रांड नेताजी लोग रह-रह कर उड़ते हुए झारखंड पहुंच जा रहे हैं. पानी पी- पी के सरकार के अंडबंड बोले लगे हैं. सरकार वाली पार्टिया भी रोजे काउंटर कईले रहती है. आयातित ब्रांडवाले एगो नेताजी तो गजबे कईले हैं. आते हैं, बयानवीर बन बयानबाजी ठोक देते हैं. कभी कहते हैं चौदह गो पंजा मरोड़े लगी तैयार बइठल है. तो कभी कहते हैं कि चार-पांच गो धनुषधर लोग भी अफनाइल है. सभे संपर्क कईले है, लेकिन केकरा-केकरा लावल जाओ.. आयातित ब्रांड नेताजी ई संदेश देले हैं कि कोल्हान में ई भादो-भदवारी में कमलवा खिलाईये के रहेंगे. धुनषधर लोग केतनो बयान से निशाना साधले रहें, कुछो फर्क नहीं पड़ता है. राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि आयातित ब्रांड नेताजी लोगन भादो के कादों में कमलवा खिलावे ला कमर में पट्टा में बांधले तैयार है. धुषधर लोगन पर पासा पर पासा पेंकल जा रहिस है.

चुनावी चकल्लस

आयातित ब्रांड नेताजी हिंदी के साथे साथ बांग्ला भी बोले बतियावे में मास्टर हैं. ई महोदय ऑपरेशन करे में पारंगत हो गईल हैं. कोल्हान से एगो कथित टाईगर आउर संथाल से एगो एंग्री ओल्ड मैन के फुसला के कमल खिलावे लगी तो ले आए हैं, लेकिन आगे ई दुनो के केतना वैल्यू मिलेगा, कुछो कहल ना सकता है. वइसे ई आयातित ब्रांड पर विस्वा...स करके टाईगर जी और ओल्डमैन कमल खिलावे लगी पार्टिया में ढुकिया तो गए हैं, लेकिन दुनु के ई हां केतना मन लगेगा, ई तो आवेलाला समय ही बताएगा. वइसे आयातित ब्रांड नेताजी कोल्हान-संथाल के टार्गेट कईले ही हैं. टाईगर के और चार गो के जिम्मेवारी देले हैं. कोल्हान ब्रांड ऊ नेताजी लोगन में पसोपेश में है. जाएं कि न जाएं, कहीं कादो में हेल के कमल खिलावे के चक्कर में करियर न बरबाद हो जाए. लेकिन टाईगर साहिब ऊ लोग के रोजे-रोजे ब्रेन वॉश कईले रहते हैं. आयातित ब्रांड के नेताजी जब-जब झारखंड आ रहे हैं, कोनो न कोनो शिगुफा छोड़िए दे रहे हैं. अबकियो दु दिन लगी आये, तो शिगुफा छोड़ के चल दीहिन... एगो औरो बड़का फेंकूमल टाईप के फेंक दीहिन... कहिन कि अभी राजनीति शुरू कहां किए हैं. मतलब अभी आकर जो बक-बक कईले हैं, ऊ सब अईसे ही कर रहे हैं. असली खेला तो अब शुरू करेवाला हैं. अब नेताजी के शिगुफा में केतना दम है, ई तो आवेवाला समय ही बताएगा, लेकिन तो इ लोगन के साथे गुटुर गू करेवाला पर नजर भी रखल जा रहा है. वइसे कोल्हान ब्रांड टाईगर इलाके के कुछ धनुषधारी वीर लोगन के साथ गुटूर गूं कईले हैं. गेम प्लान भी सेट होइए गिया है. बड़का महोदय भी दु-चार दिन में आवेवाला हैं. बताया जा है कि ट्रेन चलावे लगी आ रहे हैं. उ चुनावी शंखनादे करेंगे. उनके छह दिन बाद दुसरका बड़का महोदय संथाल में झंडा-झंडी दिखाएंगे. बताया जा रहा है, नहीं-नहीं दावा किया जा रहा है कि ई बड़का महोदय जी के ईहे भादो के कादो में कमल खिलाइवे ला, बंगाल बोर्डर से लेकर ओडिशा बोर्डर तक धनुषधारी लोगन के खींच लाएंगे. वइसे धनुषधारी लोगन में भी बेचैनी धईले है. एगो धनुषधारी बंगाल-ओडिशा बार्डर के महंत है, तो दुसरका ओडिशा बार्डरके हैं. बाकी दु-तीन गो लोग तो टाईगर के आसपास के लोग हैं. एगो टाईगर के इच्छा पूर्ति लगी तैयार हैं. कुछ गगरी भरेवाले भी तैयारे बताए जाते हैं. एगो दीपको जलाएला तैयारे बताए जा रहे हैं. और तो और.. एगो ड्राइवर बाबू भी तेजी से गाड़ी चलावे ला बेचैने हैं. अब देखिए... आयातित डॉक्टर बाबू ऑपरेशन करे में केतना सफल होते हैं. ईहो हो सकता है कि जल्बाजी में ऑपरेसन करे में कहीं कैंचिया पेटे में छूट जाए.

झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक को राज्यपाल ने दी मंजूरी

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक को मंजूरी दे दी है. मॉनसून सत्र में सदन में झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक पारित हुआ था. विधेयक के अनुसार अब 100 से अधिक शय्या वाले अस्पताल व नर्सिंग होम, सिनेमाघर, मार्केटिंग कांप्लेक्स, 50 से अधिक कमरे वाले होटल, लॉज, 20 हजार से अधिक क्षमता वाले खुला स्टेडियम, 5 हजार क्षमता वाले इंडोर स्टेडियम, मनोरंजन पार्क, 10 हजार वर्गफीट वाली बिल्डिंग तहखाना के संचालकों को अपने यहां अग्नि सुरक्षा पदाधिकारी की तैनाती करनी होगी. अग्नि सुरक्षा प्रबंधन संस्थान में अग्नि सुरक्षा पदाधिकारियों का प्रशिक्षण होगा. ऐसी किसी भी बिल्डिंग का निरीक्षण भी तीन घंटे के नोटिस पर किया जा सकेगा. भवनों या परिसरों को सील करने की शक्ति विभाग के नामित पदाधिकारी निदेशक की होगी.

महुआ माजी को झारखंड युवा सदन की जानकारी दी

रांची। युवा सदन संस्था के कार्यक्रम झारखंड युवा सदन 4.0 को लेकर संस्था के अभिषेक बनर्जी और श्रीपर्णा चटर्जी ने राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी से मुलाकात की. उन्हें तुलसी का पौधा दिया गया और झारखंड में हो रहे झारखंड युवा सदन 4.0 के आयोजन के बारे में पोस्टर देकर जानकारी दी. महुआ माजी ने कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि आज के समय पर पढ़े-लिखे नौजवान और युवाओं को राजनीति पर आना चाहिए. साथ ही युवा सदन के लोगों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी और महुआ माजी ने कहा कि अगर समय होगा तो कार्यक्रम में वह उपस्थिति भी होगी. ये कार्यक्रम इस महीने 27, 28 और 29 सितंबर को रांची में आयोजित होगा.

कोर्ट की खबरें : महाधिवक्ता राजीव रंजन ने वकीलों के लिए शुरू की गयी योजनाओं की सराहना की

सीएम हेमंत ने वकीलों से किये वादे को निभाया : महाधिवक्ता

संवाददाता। रांती

अब एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पर की जाएगी पहल

हाईकोर्ट के सभागार में विचार रखते महाधिवक्ता.

राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने राज्य सरकार द्वारा वकीलों के लिए शुरू की गई योजनाओं की सराहना की. उन्होंने बताया कि राज्य में 164 वकील पेंशन योजना का लाभ ले रहे हैं. नए वकीलों को पहले प्रति महीने एक हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब पांच हजार रुपए किया गया है. सात जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के वकीलों के साथ सीधा संवाद किया था व उनकी पीड़ा सुनी थी. उसी दौरान उन्होंने वकीलों से यह वादा किया था कि वे वकीलों को स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा से जोड़ेंगे. मुख्यमंत्री ने अपना वादा निभाया. झारखंड देश का पहला राज्य है, जहां वकीलों को सरकार अपनी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है. राज्य के लगभग 15 हजार वकील ट्रस्टी कमेटी के सदस्य हैं. फिलहाल स्वास्थ्य बीमा के लिए सरकार ने 13 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है. महाधिवक्ता ने जिला बार संघ और वकीलों के हित में कार्यरत अन्य संघों से यह आग्रह किया है कि वे राज्य के सभी वकीलों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की दिशा में भी पहल की जाएगी. महाधिवक्ता हाईकोर्ट स्थित सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे.

आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव की बेल पर बहस पूरी

रांची। टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी की बेल पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. बुधवार को दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी कर ली गई, जिसके बाद अदालत ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. बता दें कि संजीव लाल को ईडी ने पूछताछ के बाद 11 मई को गिरफ्तार किया था. वहीं ईडी इसी केस में राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से पूछताछ भी कर चुकी है. संजीव लाल के ठिकाने से एजेंसी ने 35 करोड़ रुपये से ज्यादा नकद राशि बरामद की थी.

राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी

सहायक आचार्य नियुक्ति : सुप्रीम कोर्ट ने जारी रखी सुनवाई

संवाददाता। रांची/दिल्ली

झारखंड टेट पास अभ्यर्थियों की ओर से सहायक शिक्षक (आचार्य) नियुक्ति परीक्षा में सीटेट पास और झारखंड के पड़ोसी राज्य से टेट परीक्षा पास अभ्यर्थी को शामिल करने के विरुद्ध दाखिल याचिका पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई. बुधवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी कर ली गई, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने इस मामले की सुनवाई गुरुवार को भी जारी रखी है. गुरुवार को सीटेट की ओर से वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा बहस करेंगी. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की खंडपीठ इस मामले में सुनवाई की. दरअसल झारखंड हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य नियुक्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया में दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थी या सीटेट पास अभ्यर्थी भी शामिल हो सकते हैं. जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के याचिका दाखिल की गई है.

जसवंत सिंह हत्याकांड :

तीनों आरोपी दोषी करार

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने ठाकुर जसवंत सिंह हत्याकांड पर फैसला सुना दिया है. अदालत ने इस केस में अमर सिंह, वंश नारायण सिंह और रणधीर सिंह को दोषी करार दिया है. दोषियों की सजा की बिंदु पर 21 सितंबर को सुनवाई होगी. जसंवत सिंह एचईसी के कद्दावर मजदूर नेता राणा संग्राम सिंह के बेटे थे, जिनका हाल ही में निधन हो गया. बता दें कि 9 अक्टूबर 2015 को धुर्वा थाना क्षेत्र में ठाकुर जसवंत सिंह की दिनदहाड़े गोली कर हत्या कर दी गयी थी. इसके बाद मृतक के पिता राणा संग्राम सिंह ने धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवायी थी. जिसका कांड संख्या 262/2016 है. प्राथमिकी में अमर सिंह, वंश नारायण सिंह, रणधीर सिंह समेत दो अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया था.

डीजीपी हाजिर हों : हाईकोर्ट

रांची। महिला व बच्चों के साथ बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर रोक के लिए दायर जनहित पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य के डीजीपी, नगर विकास विभाग के सचिव समेत अन्य आला अधिकारियों को सशरीर मंगलवार को उपस्थित होने का निर्देश दिया है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि बड़े अधिकारी अच्छी गाड़ियों में घूमते हैं और पीसीआर गाड़ियां लंबे समय से नहीं बदली गई, वहीं महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कोर्ट ने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाये जाने चाहिए. इस संबंध में हाईकोर्ट की अधिवक्ता भारती कौशल ने जनहित याचिका दायर की है.

बिपिन सिंह और प्रियरंजन सहाय की बेल नामंजूर

लैंड स्कैम

रांची। लैंड स्कैम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी बिपिन सिंह और प्रियरंजन सहाय की बेल पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई. इसके बाद कोर्ट ने दोनों की बेल को रिजेक्ट कर दिया. इससे पहले बुधवार को ही दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी कर ली गयी. इसके बाद अदालत ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था. बिपिन सिंह और प्रिय रंजन सहाय को एजेंसी ने गिरफ्तार किया था.

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म करने का आरोपी दोषी करार

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में सुनील अहीर को दोषी करार दिया है. अदालत उसकी सजा की बिंदु पर 13 सितंबर को सुनवाई करेगा. पोक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने यह फैसला सुनाया है. दोषी करार दिया गया युवक सुनील अहीर सोनाहातू थाना क्षेत्र का कुदाडीह गांव का निवासी है. उसके खिलाफ पीड़िता की मां ने सोनहातू थाना में 28 जून 2022 को प्राथमिकी दर्ज करवाई थी. एपीपी पुष्पा सिन्हा ने अदालत के समक्ष पीड़िता समेत सात गवाहों को प्रस्तुत किया, जिसके आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया गया है.

दूसरे दिन भी सचिवालय में कामकाज ठप, लिखित आश्वासन पर अड़ा संघ

प्रमुख संवाददाता। रांची

सचिवालय सेवा संघ के बैनर तले सचिवालय सेवा के लगभग एक हजार कर्मचारी-पदाधिकारी दूसरे दिन यानी बुधवार को भी सामूहिक अवकाश पर रहे. सचिवालय सेवा के पदाधिकारी-कर्मचारी के सामूहिक अवकाश में चले जाने से सचिवालय का कामकाज पूरी तरह से ठप है. दो दिनों के अंदर 6000 से अधिक फाइलों की मूवमेंट रुक गयी हैं. संघ ने 12 सितंबर तक सामूहिक अवकाश में रहने का निर्णय लिया है.

लिखित आश्वासन पर अड़ा संघ : सचिवालय सेवा अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर सरकार से लिखित आश्वासन पर अड़ा है. मेंबर बोर्ड ऑफ रेवेन्यू की अध्यक्षता में हुई बैठक में कार्मिक सचिव और वित्त सचिव ने कहा कि पद सृजन के लिए एक कमेटी का गठन किया जायेगा, जो 15 दिनों के अंदर संघ की मांगों पर निर्णय लेगी. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद और महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने कहा कि बैकलॉग का पद दे दिया जाये. इसके बाद कमेटी बनायी जाये. उन्होंने कहा कि कमेटी की रिपोर्ट आने में काफी समय लग जायेगा. संघ के प्रस्तावों पर पहले से ही मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त है. सचिवालय सेवा संघ के पदाधिकारी-कर्मचारी अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर पिछले तीन महीने से आंदोलनरत हैं.

संघ की ये हैं छह मांगें

- सचिवालय सेवा के पदाधिकारी व कर्मचारी की लंबित प्रोन्नति दी जाये.
- प्रशाखा पदाधिकारी के पदों पर पिछले प्रभाव से प्रोन्नति का लाभ दें.
- प्रशाखा पदाधिकारियों को अकार्यात्मक वेतनमान की स्वीकृति दें.
- सचिवालय सेवा के उप सचिव एवं संयुक्त सचिव स्तर के पदों का सृजन हो.
- संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव व प्रशाखा पदाधिकारी के रिक्त पदों पर प्रोन्नति मिले.
- शिशु शिक्षण भत्ता दें और सचिवालय सेवा के मूल कोटि के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती हो

15 सितंबर तक स्क्रीनिंग कमेटी के मेंबर करेंगे जिलों का दौरा

आज से होगा कांग्रेस के उम्मीदवारों पर मंथन

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल चुनावी रणनीति और उम्मीदवारों के चयन पर मंथन कर रहे हैं. प्रदेश कांग्रेस भी उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है. प्रदेश कांग्रेस के लिए बनी स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गिरिश चोडनकर, सदस्य प्रकाश जोशी और पूनम पासवान पांच दिनी झारखंड दौरे पर बुधवार की देर रात रांची पहुंचे.

12 से कमेटी करेगी विभिन्न जिलों का दौरा : 12 सितंबर से कमेटी के सदस्य विभिन्न जिलों का दौरा कर उम्मीदवारों के नामों पर मंथन करेंगे. 12 सितंबर को लातेहार गढ़वा और पलामू में नेताओं-कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया जाएगा. 13 सितंबर को हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा और चतरा के नेताओं-कार्यकर्ताओं संघ बैठक होगी. इसी दिन शाम पांच बजे धनबाद परिसदन में धनबाद के नेताओं-कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया जाएगा. 14 सितंबर को धनबाद परिसदन में ही गिरिडीह, बोकारो और जामताड़ा के नेताओं के साथ बैठक होगी. 15 सितंबर को रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला और लोहरदगा के का नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ उम्मीदवारों के नामों पर मंथन होगा.

NOTICE

In order to make the Indian farmers more competitive, Dharti Agro Chemicals Private Limited brings to you the following 100% water soluble mixture fertilizers as per the provision of S.O. – 2900(E) Dt. 24.10.2015 (Duly amended by S.O. 4120(E), Dt. 30.12.2017) issued by the Ministry of Agriculture & farmers welfare, Govt of India, New Delhi.

Sr. No.	Name of Fertilizer	N (%)	P (%)	K (%)	S (%)	Zn (%)	B (%)	Mn (%)	Fe (%)	Cu (%)	Mo (%)	Ca (%)	Mg (%)
1	Nutri Nest - 33	-	12	14	2.3	4		1.1	-	-	-	-	-
2	Nutri Nest - 36	5.5	-	21.5	-	5	0.6	2.5	-	1.4	0.1	-	-
3	Nutri Nest - 55	12	-	42	-	1.1	0.3	-	-	-	-	-	-
4	Nutri Nest - 46	14	14	14	2	1.1	0.5	1.1	1.1	-	-	-	-
5	Nutri Nest - 52	10	30	10	-	-	0.5	-	-	-	-	2.1	-
6	Nutri Nest - 57	9	45	-	-	1.1	0.5	-	-	-	-	-	2.1
7	FASt+K	9	-	16	14	-	-	-	11	-	-	-	-
8	MASt	7	-	18	6	-	-	12	-	-	-	-	-
9	Agrina	7	-	18	10	-	-	-	5	-	-	-	-

Salient Features:

1. 100% Water Soluble
2. Improves the Quality and Yield of the produce
3. Suitable to use through Drip irrigation and Foliar application.
Packing available: 1Kg, 5Kg and 25Kg

Manufactured and Marketed by-

M/s. Dharti Agro Chemicals Pvt. Ltd.
Office: 27, New Cotton Market Layout, Nagpur-440018 (M.S)
Factory: 59/2, Neri (Mankar) Tal. Hingna, Dist. Nagpur-440023 (M.S)
Ph No: 0712-2724597, Email: info@dhartiagro.com

Dharti Agro Chemicals Seeds & Plant Health

राज्यपाल ने गिरिडीह में रखी ब्लड बैंक भवन की आधारशिला

- एक करोड़ की लागत ने बनेगा ब्लड बैंक का भवन

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को गिरिडीह में ब्लडबैंक के भवन की आधारशिला रखी. कहा कि यह भवन बहुत ही उपयोगी साबित होगा. ब्लड बैंक के भवन निर्माण से लोगों को सुविधा भी मिलेगी. रेडक्रॉस लगातार बेहतर काम कर रहा है. उन्होंने अफसरों से कहा कि इस भवन का निर्माण जल्द से जल्द कराएं, ताकि उद्घाटन में आ सकें. बताते चलें कि ब्लड बैंक भवन का निर्माण एक करोड़ की लागत से होना है. मौके पर गिरिडीह डीसी नमन प्रियेश लकड़ा, एसपी डॉ विमल कुमार, चरणजीत सिंह सलूजा, निकिता गुप्ता, मुकेश जालान, मदन लाल विश्वकर्मा, डॉ एसके डोकानिया, डॉ विकास लाल, प्रमोद कुमार, राकेश मोदी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

क्लासिफाइड

SURYA NURSING COLLEGE
Affiliated by J.N.R.C. Ranchi & INC New Delhi
ADMISSION OPEN
GNM 3 Year | ANM 2 Year
2022-23
SCHOLARSHIP FACILITY AVAILABLE
HOSTEL FOR GIRLS
7004337155
9204381636
CHAKRADHARPUR, W. SINGHBHUM, JH.

Hotel Rahul Palace
Family Restaurant
delicious dishes
Fooding & Lodging
Marriage And Party
Anniversary/Birthday Party
A/C Hall/A/C Room Classic
Home Delivery Facility
Veg
Non Veg
Contact No.
7667870045, 7209893445
NH-32, CHANDIL BAZAR

Yashvi
RESTRO-BAR
यशवी बार एंड रेस्टोरेंट
YASHVI RESTRO-BAR
अपोजिट गंगौर स्वीट्स कालीमाटी रोड
नियर बाय सागर होटल

MANOJ KUMAR DINESH KUMAR ENTERPRISES
Parsudih Market Near HDFC Bank
Mob. : 9234585332, 9263956400
GSTIN : 20AZCPK8472B1ZS
ADDRESS : MAIN ROAD GAINTADIH, KARANDIH, TATA NAGAR, NEAR WASHING CENTRE

Aaither Infrastructure Pvt. Ltd.
Prop. Sharad Thakur
Harish Pandey path
Anand vihar colony
Main Road Dimna
Jamshedpur, Jharkhand - 831018

MAHAMAYA SWEETS
महामाया स्वीट्स
SHERE PUNJAB CHOWK, ADITYAPUR
शादी ब्याह, विश्वकर्मा पूजा, दुर्गा पूजा, दीपावली एवं
अन्य तीज त्योहारों पर शुद्ध
और स्वादिष्ट मिठाइयों के लिए पधारें।
तरुण घोष

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, गुरुवार 12 सितंबर 2024 • भाद्रपद शुक्ल पक्ष 09 संवत 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ • वर्ष : 2, अंक : 155 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बहाली दौड़ में युवाओं की मौत के बाद सतर्कता बरत रहा प्रशासन

प्रतिभागियों के बीच बांटे जा रहे सेव, केला व मिनरल वाटर

- चार दिन चलेगी उत्पाद सिपाही बहाली

संवाददाता। जादूगोड़ा

उत्पाद विभाग की सिपाही बहाली में दर्जन भर युवाओं की मौत के बाद प्रशासन ने अब दुबारा शुरू हुई दौड़ के दौरान एहतियात बरतते हुए जादूगोड़ा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में दौड़ से पूर्व प्रतिभागियों के बीच सेव, केला एवं मिनरल वाटर का वितरण किया जा रहा है ताकि वे खाली पेट नहीं दौड़ें. इस बीच उत्पाद विभाग में चल रही सिपाही बहाली के दूसरे चरण में झारखंड के कोने-कोने से पहुंचे 760 प्रतिभागियों ने दौड़ लगाई, जिसमें 450 युवक व 125 युवतियां सफल हुईं. अब इन सभी चयनित प्रतिभागियों को लिखित परीक्षा व मेडिकल से गुजरना होगा. जिसके बाद ही उनका भविष्य सुरक्षित हो पायेगा. जादूगोड़ा थाना अंतर्गत सासपुर गांव स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में 12 व 13 सितंबर के बाद दोबारा 19 व 20 सितंबर यानी चार दिनों तक उत्पाद सिपाही की बहाली दौड़ होगी. यह जानकारी पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के एसपी विजय आशीष कुजूर ने दी. उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों को दौड़ से पूर्व उन्हे कई जानकारियां देने के साथ उनकी हौसला आफजाई की जाती है ताकि उत्साह के साथ प्रतिभागी अपने भविष्य के सपने को साकार कर सकें. सुरक्षा की लेकर पुलिस प्रशिक्षण केंद्र की ओर काफी ख्याल रखा जा रहा है. मसलन डॉक्टर, एंबुलेंस, नर्स, बाइक एंबुलेंस, पानी, ओआरएस घोल, फल, चलंत शौचालय और रुकने के लिए टेंट की व्यवस्था की गई है.

रात्रि तीन बजे से लगती है लाइन

उत्पाद विभाग की सिपाही में दौड़ को लेकर सुबह तीन बजे से ही प्रतिभागी पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के बाहर पहुंच रहे हैं. इधर प्रतिभागियों को कोई परेशानी न हो उसको लेकर खुद पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के एसपी विजय आशीष कुजूर सुबह तीन बजे से ही जुट जाते हैं. सुबह चार बजे से ही दौड़ प्रतियोगिता प्रारंभ होकर सुबह सात बजे खत्म हो जाती है ताकि प्रतिभागियों को कड़ी धूप से मुक्ति मिल सके.

डालसा ने चार वर्षों से अलग रह रहे दंपती को मिलाया, साथ रहने को राजी

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

आपसी विवाद के बाद चार वर्षों से अलग रह रहा एक दंपती पुनः साथ रहने को राजी हो गया है. यह सब कुछ जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के मध्यस्थ के प्रयास से संभव हो पाया. पिंकी मंडल एवं अमित कुमार मंडल की शादी वर्ष 2018 में हुई थी. दोनों से एक बेटा है. इसी बीच विवाद होने पर पिंकी मंडल 2021 में अपने मायके चली गई. बाद में महिला ने फैमिली कोर्ट में केस (वाद संख्या-103/2023) फाइल किया. उक्त केस की सुनवाई एडिशनल फैमिली कोर्ट-2 में चल रही थी.

इसी बीच डालसा की ओर से 9-10 सितंबर को चलाए गए स्पेशल मेडिएशन ड्राइव में पिंकी मंडल एवं अमित मंडल का केस मध्यस्थता के लिए भेजा गया. दोनों दंपती की मध्यस्थता मध्यस्थ कृष्णाजी ने की. दोनों को बच्चे की परवरिश एवं लंबे दांपत्य जीवन का हवाला देकर अकेले में बैठकर विचार करने के लिए कहा गया. दोनों दंपती ने एक कमरे में बैठकर आपस में बात किया. उसके बाद दोनों ने तय किया कि सारे गिले शिकवे भूलाकर वे एक साथ रहेंगे. इस आशय का दोनों ने शपथ भी दिया. दंपती में आपसी सामंजस्य बनाने में दोनों के अधिवक्ता का सराहनीय योगदान रहा. इसकी जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेंद्र प्रसाद को दी गई. उन्होंने भी दोनों के सुखद दांपत्य जीवन की कामना की. इसके बाद कोर्ट परिसर से ही पिंकी मंडल पति के साथ ससुराल विदा हुईं.

डालसा सचिव एवं मध्यस्थ के साथ पति-पत्नी एवं दोनों के अधिवक्ता.

जमशेदपुर में भाजपा प्रत्याशियों के चयन के लिए हुई रायशुमारी

कार्यकर्ताओं ने सीलबंद कलश में डाले तीन-तीन संभावित नाम

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

- पूर्वी से रघुवर, रामबाबू, दिनेश व काले के नाम की रही चर्चा
- पश्चिमी से विकास, नीरज, नंदजी, अभय व पूर्व डीआईजी राजीव रंजन का उभरा नाम
- जुगसलाई विस से विमल बैठा व मुचीराम बाउरी की पर्ची डाली गई
- पोटका विधानसभा से मेनका सरदार समेत तीन नाम पर्यवेक्षक को बताए गए

आगामी विधानसभा चुनाव के लिये जमशेदपुर भाजपा ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया के तहत बुधवार को जिले के सभी छह विधानसभा सीटों के लिए रायशुमारी की. जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट के लिए पूर्व की भांति इस बार भी रघुवर दास का नाम सबसे ऊपर रहा. उनके समर्थन में अधिकांश लोगों ने हामी भरी. हालांकि रायशुमारी कर रहे पर्यवेक्षकों को कई कार्यकर्ताओं ने रामबाबू तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार का नाम बताया. चर्चा है कि कुछ कार्यकर्ताओं ने रायशुमारी पर्ची पर पूर्व प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले का नाम भी प्रत्याशी के रूप में सुझाया है. हालांकि पर्यवेक्षक सीपी सिंह एवं शकुंतला जायसवाल ने किसी के नाम का खुलासा नहीं किया.

इसी तरह जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में आधा दर्जन दावेदारों का नाम पर्यवेक्षकों के सामने आया. जिसमें भाजपा नेता विकास सिंह, नंदजी प्रसाद, व्यवसायी प्रकोष्ठ के नीरज सिंह एवं पूर्व डीआईजी राजीव रंजन का नाम शामिल हैं. इसी तरह जुगसलाई विधानसभा के लिए दो नामों पर अधिकांश भाजपाइयों ने चर्चा की तथा उनके नाम की पर्ची पर्यवेक्षक को दी. जिसमें पहला नाम 2019 का चुनाव लड़ चुके किसान प्रकोष्ठ के मुचीराम बाउरी तथा दूसरा बिमल बैठा शामिल हैं. मुचीराम बाउरी को सांसद समर्थक बताया जाता है. वहीं विमल बैठा अनुसूचित जाति मोर्चा में प्रदेश कमिटी में हैं. जुगसलाई विधानसभा का रायशुमारी पर्यवेक्षक प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव एवं आरती कुजूर को बनाया गया था.

इसी तरह पोटका विधानसभा के प्रत्याशियों के लिए सुंदरनगर स्थित कल्याण मंडप में बैठक रखी गई थी. वहां पर्यवेक्षक के रूप में संदीप वर्मा व सूर्य प्रभात नियुक्त किए गए थे. दोनों के समक्ष पोटका विधानसभा क्षेत्र के पूर्व मंडल अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, कार्यसमिति सदस्य आदि ने रायशुमारी में हिस्सा लिया. मिली जानकारी के अनुसार वहां से पूर्व विधायक मेनका सरदार अभी भी कार्यकर्ताओं की पसंद बनी हुई हैं. हालांकि बारी मुर्मू के नाम की भी चर्चा सुनी गई. साथ ही प्रत्याशी की दौड़ में उपेन्द्र नाथ सरदार एवं गणेश सरदार भी शामिल हैं.

इससे पहले सभी विधानसभा में रायशुमारी की प्रक्रिया दोपहर 2 बजे से शुरू की गई, जहां कार्यकर्ताओं को विस्तार से समझाया गया कि कैसे वे रायशुमारी प्रक्रिया में भाग लें सकते हैं. सभी कार्यकर्ताओं को एक कागज पर तीन नाम लिखने का निर्देश दिया गया, जिसे प्रदेश से भेजे गए सीलबंद कलशनुमा बॉक्स में डालना था. यह कलश पूरी तरह सीलबंद था ताकि कोई भी बाहरी हस्तक्षेप या गड़बड़ी न हो सके. इस प्रक्रिया के बाद सभी बॉक्स प्रदेश भाजपा कार्यालय भेजे जाएंगे, जहां आगे की समीक्षा और उम्मीदवार पर निर्णय लिया जाएगा. वहीं, पूरे प्रकिया में किसी भी तरह की नारेबाजी पूर्ण रूप से प्रतिबंधित थी.

प्रत्येक विधानसभा में मंडलवार कार्यकर्ताओं ने इस प्रकिया में भाग लिया. जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए पूर्व मंत्री एवं रांची के विधायक सी पी सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं की भागीदारी और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है, जो कार्यकर्ताओं के सम्मान और सहभागिता पर आधारित है. भाजपा में एक साधारण कार्यकर्ता भी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों तक पहुंच सकता है.

जमशेदपुर पश्चिम की रायशुमारी में हंगामा

जमशेदपुर । जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा की रायशुमारी बैठक बड़ा हनुमान मंदिर में आयोजित की गई. इस रायशुमारी में उलीडीह मंडल के पूर्व अध्यक्ष ने वर्तमान टीम को गलत ठहराते हुए कहा कि टीम में नए लोगों को फेरबदल किया गया. बैठक में मंडल के मात्र 18 में 4 पदाधिकारी, 7 मोर्चा अध्यक्ष में से 2 अध्यक्ष और 49 बूथ अध्यक्ष में 12 बूथ अध्यक्ष उपस्थित थे. इसी सूची के आधार पर रायशुमारी कराई जा रही थी. जिसका पुरानी कमेटी के कार्यकर्ता एवं भवन प्रभारी ने जम कर विरोध किया. जिसकी वजह से कुछ देर रायशुमारी रोकनी पड़ी.

कोलकाता की डॉक्टर को घाटशिला में दी श्रद्धांजलि

बुधवार की शाम घाटशिला फुलडुंगरी चौक के सब्जी वाले, टेंपो वाले एवं अन्य दुकानदारों ने मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी एवं दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. ट्रेनी डॉक्टर को इंसाफ दिलाने के लिए अपनी आवाज बुलंद की. इस मौके पर पंकज सिंह, शंकर सिंह, संतोष गुप्ता, रोहित कुमार, रीना गुप्ता, सुशीला नामता, चिंता मनी, रोहित कुमार सीट, दशरथ धीवर सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

घाघीडीह बाल सुधार गृह से भाग निकले पांच बंदी

जमशेदपुर। परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित घाघीडीह बाल सुधार गृह इन दिनों चर्चा में है. कभी बंदियों के बीच मारपीट तो, कभी बंदी पर अप्राकृतिक यौनाचार किए जाने के आरोप भी लग रहे हैं. इस बीच मंगलवार की आधी रात को सुधार गृह से पांच बाल बंदियों के एक साथ फरार होने का मामला सामने आया है. घटना 1:30 रात की बतायी जा रही है.

फरार होने वाले बंदी खिड़की तोड़ भाग निकले. जिसकी सूचना प्रबंधन को बुधवार तड़के मिली. इसकी सूचना परसुडीह थाना को दी गई. फिलहाल बंदियों की तलाश में छापेमारी जारी है. घटना से विभाग में हड़कंप मच गया है. पुलिस ने बंदियों के परिजनों से संपर्क साधा है. इनमें एक बंदी की जमानत भी होनी थी. मामले में सुरक्षा डयूटी पर तैनात दो जवानों पर विभागीय कार्रवाई की गई है. सूचना के बाद जिला प्रशासन के अधिकारी भी बाल सुधार गृह पहुंचे. मामले की जानकारी ली. लेकिन इस संबंध में किसी तरह की जानकारी देने से इंकार कर रहे हैं. घटना की जानकारी मिलने के बाद वहां से पूर्व गृह पति की जगह नियुक्त किए रवि शास्त्री ने कुछ भी बताने से इंकार किया. गौरतलब हो कि इससे पहले भी वहां से बाल बंदी भागते रहे हैं.

सड़क किनारे झाड़ी में मिली महिला की लाश

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के जामसोल मौजा अंतर्गत बेड़ा नामक स्थान पर बुधवार को झाड़ियों में संदिग्ध स्थिति में महिला की लाश मिली है. ग्रामीणों ने लाश देखे जाने की खबर पुलिस को दी. पुलिस मौके पर पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर अपने स्तर से जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला की पहचान सकरा पंचायत अंतर्गत गांव परुलिया निवासी गंगा मुंडा के पुत्र छोटू मुंडा की पत्नी के रूप में पहचान की गई है. ग्रामीणों के मुताबिक छोटू मुंडा ओडिशा में काम करने के दौरान विगत कुछ दिन पहले महिला को अपने घर लाया था. उधर मृतक महिला के ससुर गंगा मुंडा से पूछताछ कर पुलिस महिला के संबंध में जानकारी प्राप्त करने में जुटी हुई है. मृतक महिला का पति छोटू मुंडा मौके से भागने में सफल रहा.

लिट्टी चौक से भिलाई पहाड़ी फोरलेन पुल की एजेंसी तय

जमशेदपुर । भुइयांडीह लिट्टी चौक से एनएच-33, भिलाई पहाड़ी तक स्वर्णरेखा नदी पर चार लेन पुल और 3.681 किलोमीटर फोरलेन सड़क बनाने का रास्ता साफ हो गया. विभाग ने उक्त काम रांची के मेसर्स सतीश कुमार को सौंपा है. साथ ही इसकी जानकारी पथ निर्माण विभाग के अभियंता प्रमुख ने कार्यपालक अभियंता, जमशेदपुर के भेज दी और काम जल्द प्रारंभ करने के लिए कहा. निविदा में कुल 6 संवेदकों ने भाग लिया. जिसमें मेसर्स सतीश प्रसाद की दर न्यूनतम पाई गई जो प्राक्कलित राशि से 10.72 प्रतिशत कम है. इस योजना पर कुल 49.72 करोड़ रुपये खर्च होंगे. उक्त पुल के बन जाने से जमशेदपुर और मानगो पर भारी एवं हल्के यातायात वाहनों का बोझ काफी कम हो जाएगा.

विधायक सरयू राय ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कि विगत तीन वर्ष से पुल एवं सड़क निर्माण के लिए वे प्रयासरत थे. इस मामले को विधानसभा में भी उठाया. मुख्यमंत्री से लेकर पथ निर्माण विभाग के सचिव, अभियंता प्रमुख, कार्यपालक अभियंता एवं अन्य अधिकारियों से मिलकर पुल का डिजाइन तैयार करवाया, टाटा स्टील से एनओसी दिलवाया. बीच-बीच में निराशा भी हुई, पर अंततः लक्ष्य पूरा होने का संतोष है.

अवरोध | परियोजना का मुख्य हिस्सा ईचा डैम का निर्माण खटाई में, दिलीप बिल्डकॉन को मिला है एक हजार करोड़ का टेंडर

400 करोड़ से शुरू सुबर्णरेखा परियोजना हुई 15700 करोड़ की, अब भी अधूरी

संजीव मेहता। आदित्यपुर

सुबर्णरेखा बहुद्देश्यीय परियोजना की लागत बढ़ कर 15700 करोड़ रुपये हो गई है और परियोजना को एक्सटेंशन देते हुए अप्रैल 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है. बता दें कि 46 साल से चल रही परियोजना का कार्य अब भी अधूरा है. इस परियोजना का मुख्य हिस्सा चांडिल डैम के बाद ईचा डैम का है, जिसका निर्माण खटाई में पड़ा है. वर्ष 2022 में इसका री-इस्टीमेट कर दिलीप बिल्डकॉन को एक हजार करोड़ रुपये का टेंडर भी दिया गया है. कुछ कार्य शुरू भी हुआ, लेकिन ईचा डैम की जद में आने वाले 87 गांव के विस्थापितों के विरोध के बाद एक साल से काम बंद है.

इस परियोजना की नींव 1978 में रखी गई थी. इससे देश के 3 राज्यों को सीधा फायदा पहुंचने वाला था. झारखंड की सबसे बड़ी दामोदर नदी के बाद राज्य की यह दूसरी बड़ी नदी स्वर्णरेखा है. लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण 46 साल बाद भी अधिकांश नहर अधूरी है. अब इसकी लागत करीब 15700 करोड़ रुपए हो गयी है. इस योजना को पूरा करने का लक्ष्य भी अब 2026 तक प्रस्तावित है. ईचा डैम का निर्माण भूमि अधिग्रहण में विवाद होने की वजह से अधूरा है. ऐसे में लक्ष्य के अनुसार वर्ष 2026 तक परियोजना के पूरा होने पर प्रश्न चिन्ह लग गया है. ईचा डैम की जलधारण क्षमता 225 मीटर रखी गया है. ईचा डैम से ही गजिया बराज को भी पानी मिलना है. गजिया बराज से निकलने वाली राइट कैनाल से 29.8 किलोमीटर पानी छोड़ा जाना है जो जादूगोड़ा लघु वितरणी तक जाएगी. इससे 1 लाख 13 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित करने का लक्ष्य है. अंडरग्राउंड पाइप के माध्यम से सिंचाई के लिए एक हजार करोड़ का टेंडर हो चुका है. बता दें कि केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय से इसकी प्रशासनिक स्वीकृति भी मिल गयी है. सुबर्णरेखा परियोजना का काम 1978 में 400 करोड़ की लागत से शुरू हुआ था. लगभग 46 साल पहले शुरू हुई इस परियोजना की लागत अब कई गुणा बढ़ गई है. इस परियोजना में वर्ल्ड बैंक ने भी दिलचस्पी दिखाई है. अगर यह परियोजना अब तक पूरी हो गई होती तो झारखंड के विकास में यह मील का पत्थर साबित होता, लेकिन करीब 5 दशक बीत जाने के बाद भी सुबर्णरेखा परियोजना अधर में है.

46 वर्षों से अधर में परियोजना

कोल्हान प्रमंडल क्षेत्र में आने वाली इस परियोजना की नींव 1978 में रखी गई थी. इसका मकसद था बिहार के साथ ओडिशा और पश्चिम बंगाल में सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था हो सके. इसके माध्यम से किसानों के जीवन स्तर में सुधार हो सके और बांध से विद्युत उत्पादन कर देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया जा सके, लेकिन सरकारी उदासीनता के कारण लगभग 46 साल बाद भी यह परियोजना अधर में है. बता दें कि तत्कालीन बिहार सरकार ने साल 1978 से 1980 तक इस परियोजना के तहत बनाए जा रहे ईचा खरकई बांध का 30 फीसदी तक काम पूरा कर लिया गया था, लेकिन कुछ साल बाद उन्होंने इस परियोजना से अपना हाथ खींच लिया. बिहार विभाजन के बाद यह परियोजना झारखंड के हिस्से में आ गई. झारखंड की नई सरकार ने इस परियोजना को महत्वाकांक्षी बताते हुए काम तो शुरू किया, लेकिन दशकों बीत जाने के बाद भी यह परियोजना अधूरी है.

मछली पालन व पर्यटन स्थल के रूप में होगा विकसित

विभागीय सूत्रों ने बताया कि लगभग एक हजार करोड़ की लागत से ईचा डैम परियोजना का कार्य दिलीप बिल्डकॉन कंपनी को दी गई है, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों के विरोध के कारण काम बंद है. विभागीय सूत्र बताते हैं कि बांध का निर्माण हो जाने के बाद मछली पालन और पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित हो जाएगा. इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेंगे और क्षेत्र का संपूर्ण विकास हो पाएगा. बहरहाल सुबर्णरेखा परियोजना के पूरा होने से लोगों को सिंचाई और बिजली जैसी समस्याओं का निजात तो मिलेगी, लेकिन जिन ग्रामीणों की जमीन छिन गयी, जिनका घर तबाह हो गया, उनको सरकार उचित मुआवजा देगी. उन्हें बसाने का काम करेगी. यह देखने वाली बात है.

विस्थापित कर रहे विरोध

बांध बनने की सुगबुगाहट से इसकी जद में आने वाले 87 गांव के लोगों ने इस परियोजना का विरोध करना शुरू कर दिया है. अविभाजित बिहार सरकार के शासनकाल में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस मुद्दे को लेकर काफी राजनीति की और इस पार्टी को लोगों ने समर्थन भी दिया. इन सबके बीच सरकार ने अपने अधिकार और बल का प्रयोग करते हुए बांध के दोनों ओर से नहर बनाने का काम शुरू कर दिया. इस नहर में से एक नहर ओडिशा तक भी जाती है, जबकि दूसरी नहर पश्चिम बंगाल के कई गांवों तक पहुंची है. इस परियोजना से प्रभावित लोग कई शर्तों के आधार पर नौकरी और उचित मुआवजा मिलने की सूरत में बांध निर्माण को लेकर राजी भी हो गए. लेकिन सरकार की सारी घोषणाएं अब तक फाइलों में ही सिमटी हुई है. नतीजा यह हुआ कि लोगों को मुआवजे के नाम पर औने-पौने दामों में अपनी पुश्तैनी जमीन को विकास के नाम पर सरकार को सौंपनी पड़ी. लेकिन आज लोगों का विरोध भी कम होने का नाम नहीं ले रहा है. विस्थापित ग्रामीणों की मानें तो विकास के नाम पर पिछले कालखंड में कई घोटाले हुए. बांध का पैसा पदाधिकारी और बिचौलिया मिलकर हड़प लिए. विस्थापित आज भी अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं. ऐसे में अब सभी विस्थापित न्यायालय की शरण में जाने की तैयारी कर रहे हैं.

भारतीय जनता पार्टी की घाटशिला विधानसभा स्तरीय बैठक में प्रत्याशी के लिए हुई रायशुमारी

झारखंड मुक्ति मोर्चा पति-पत्नी की पार्टी बनकर रह गई : सिंह

संवाददाता | घाटशिला

भारतीय जनता पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक बुधवार को घाटशिला के आनंद मंगलम अपार्टमेंट में आयोजित की गई. बैठक में प्रभारी के रूप में खूंटी जिला के प्रभारी सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य सत्यनारायण सिंह एवं प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो शामिल थे.

बैठक के दौरान सत्यनारायण सिंह ने विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संबोधित कहते हुए कहा कि हम लोगों को विधानसभा चुनाव जीतना है क्योंकि झारखंड राज्य को भाजपा ने बनाया है. हेमंत सरकार जिसे अछूत मानते थे उन सभी को लेकर सरकार बनाया है. झारखंड मुक्ति मोर्चा पति-पत्नी की पार्टी बनकर रह गई है. इसलिए भाजपा अन्य पार्टी से अलग है. यहां लंबे समय से कार्यकर्ता भाजपा के साथ चल रहे हैं. इसलिए घाटशिला विधानसभा की सीट जीतने के लिए कार्यकर्ताओं का मनोभाव टटोलने आए हैं.

भाजपा में कोई भी कार्यकर्ता पार्टी से बड़ा नहीं

उन्होंने कहा कि रायशुमारी के बाद ही घाटशिला विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी तय किया जाएगा. भाजपा में कोई भी कार्यकर्ता पार्टी से बड़ा नहीं है. भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है. जाति धर्म से ऊपर उठकर विधानसभा चुनाव की तैयारी में लग जाना है. उन्होंने सभी जिला अध्यक्ष, पूर्व जिला अध्यक्ष, बूथ कमेटी, मंडल कमेटी, विभिन्न मोर्चा के पदाधिकारी से आग्रह किया कि बूथ कमेटी, शक्ति केंद्र तथा पन्ना प्रमुख को हर हाल में मजबूत करना है. इसके मजबूत होने से पार्टी मजबूत होगी.

कार्यक्रम में मुख्य रूप से लखन मार्डी, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, सुभाष सिंह, बुद्धेश्वर मार्डी, हेमंत नारायण देव, मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार, भाजयुमो जिला अध्यक्ष रंगलाल महतो, विश्वनाथ दंडपात, सुजान मान्ना शाहिद विधानसभा के भाजपा नेताओं पदाधिकारी उपस्थित थे.

आदिवासी महिला व उसकी बच्ची के साथ मारपीट का मामला

पूर्व आजसू नेता गिरफ्तार

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दर्ज की थी प्राथमिकी

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

जमशेदपुर के कदमा भाटिया बस्ती निवासी व मंगल अखाड़ा के संचालक और आजसू से निष्कासित ब्रजेश सिंह उर्फ मुन्ना सिंह को कदमा पुलिस ने मंगलवार की रात गिरफ्तार कर लिया. मुन्ना सिंह की गिरफ्तारी कदमा मंगल सिंह अखाड़ा से की गई. उसके खिलाफ पीड़ित महिला के बयान पर 8 सितंबर को प्राथमिकी दर्ज की गई थी. मारपीट की घटना 7 सितंबर को हुई थी.

घटना के बाद पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. जिसके बाद मुन्ना सिंह पर कार्रवाई की मांग की जाने लगी. भाजपा नेता व झामुमो नेताओं ने पुलिस पर कार्रवाई का दबाव बनाया. यहां तक की झामुमो युवा मोर्चा के नेता बबन राय के नेतृत्व में कदमा थाने पर प्रदर्शन किया गया. जिसके बाद पुलिस ने एससी-एसटी उत्पीड़न

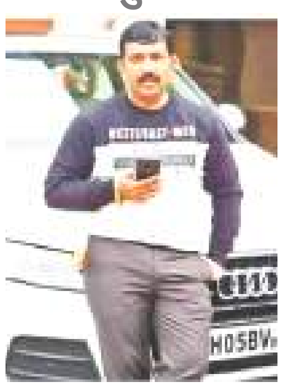

मुन्ना सिंह की फाइल फोटो.

अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की. प्राथमिकी दर्ज होने के बाद इसकी जानकारी आजसू प्रमुख को होने के बाद उन्होंने मुन्ना सिंह को पार्टी के सारे पदों से हटाते हुए प्राथमिकी सदस्यता से निष्कासित कर दिया. ज्ञात हो कि मुन्ना सिंह तब सुर्खियों में आया था. जब 2019 के चुनाव में वह बीएमडब्ल्यू कार से नामांकन करने पहुंचा था. उस वर्ष आजसू पार्टी का भाजपा से गठबंधन टूट गया था. जिसके कारण पार्टी ने कई सीटों पर प्रत्याशी उतारा था.

मंगल कालिंदी ने सीएम को दी जानकारी

आजसू नेता द्वारा आदिवासी महिला एवं उसकी बच्ची के साथ बेहरमी से पिटाई का मामला सीएम के संज्ञान में भी लाया गया. घटना की जानकारी होने के बाद विधायक मंगल कालिंदी ने पीड़ित महिला से उसके घर पर जाकर भेंट की तथा मदद का आश्वासन दिया. मंगल कालिंदी ने कहा कि आजसू पार्टी आदिवासी विरोधी है. उन्होंने सीएम से भी इसकी शिकायत की बात कही.

खबर छपने के बाद काली की जगह लाल ईंट का उपयोग शुरू

योजना स्थल पर रखा लाल ईंट.

संवाददाता | घाटशिला

भवन निर्माण विभाग द्वारा प्रखंड मुख्यालय परिसर में बनाये जा रहे सहकारिता विभाग के कार्यालय में काली ईंट उपयोग किए जाने की खबर शुभम संदेश अखबार में पिछले शनिवार को प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद अब भवन निर्माण में बुधवार से लाल ईंट का उपयोग शुरू हो गया है. योजना स्थल पर कार्य कर रहे मजदूरों ने बताया कि भवन के पार्टीशन दीवार में लाल ईंट का उपयोग करने का निर्देश मिला है. भवन में जहां भी 5 ईंच की जोड़ाई होगी उन सभी दीवार का निर्माण लाल ईंट से करना है. जबकि 9 इंच के दीवार के लिए काली ईंट का ही उपयोग किया जाएगा. वैसे लाल ईंट की भी गुणवत्ता भी ठीक नहीं लग रही

07 सितंबर को छपी खबर

है. योजना स्थल पर रखी गई लाल ईंट के समीप काफी संख्या में टूटी हुई ईंटें गिरी हुईं हैं. ज्ञात हो कि निर्माण कार्य नाथ बाबा बिल्डर्स द्वारा किया जा रहा है. पिछले दिनों संचालक निखिल राय ने बताया था कि फाउंडेशन में लाल ईंट का उपयोग किया गया है, और करार के अनुसार दीवार के लिए काली ईंट का ही प्रयोग किया जाना है.

आदिवासी समाज के लोगों ने किया पुतला दहन

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड के कलियाडिंगा ओवरब्रिज के नीचे आदिवासी समाज के लोगों ने जमशेदपुर के पूर्व आजसू नेता मुन्ना सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री सुदेश महतो का पुतला दहन किया गया. इस दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने 13 साल की आदिवासी बच्ची और उसकी मां के साथ अश्लील भाषा में गाली गलौज और मारपीट करने की घटना की निंदा की. इस उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मुन्ना सिंह के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए. इस मौके पर सीताराम टुडू, शीलू मंडी, चन्द मोहन हंसदा, राम रतन सोरेन, सालखान किस्कू, राम दयाल मुंडा समेत समाज के अनेक लोग मौजूद थे.

पुतला दहन करते आदिवासी समाज के लोग.

यूरेनियम कामगार यूनियन संघर्ष की करेगी शुरुआत

जादूगोड़ा | यूसील की मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठन यूरेनियम कामगार यूनियन सेवानिवृत कर्मचारियों को तीसरा लाभ के तौर पर 14 प्रतिशत पेंशन ,मेडिकल सुविधा समेत अन्य मांगों को लेकर 13 सितंबर से जागरुकता अभियान चलाएगी. जिसकी शुरुआत नरवा पहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट में पर्चा वितरित कर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ संघर्ष का आह्वान करेगी. जिसको लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है.

शोध में अवैज्ञानिक विधि का कोई स्थान नहीं : पीके पाणी

संवाददाता | घाटशिला

सोना देवी विश्वविद्यालय में रिसर्च मेथाडोलॉजी पर आधारित कार्यशाला के अंतिम दिन बुधवार को कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त पदाधिकारी एवं वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष रहे डॉ. पी के पाणी ने कार्यशाला में रिसर्च स्कालरों से अपने अनुभव साझा किया. उन्होंने शोधकर्ताओं को रिसर्च का अर्थ बताया और गहन जानकारी दी. वैज्ञानिक विधियों की जानकारी देते हुए कहा कि रिसर्च में अवैज्ञानिक विधि का कोई स्थान नही हैं.

श्री पाणि ने कहा कि सोशल साईस में हम सामाजिक विकास के लिए अध्ययन करते हैं. शोधकार्य में रिसर्च मेथाडोलॉजी का महत्वपूण स्थान हैं. बीडीएसएल महाविद्यालय की मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डा. पुष्कर बाला ने रिसर्च स्कालरों को कांफ्रेंस और सेमिनार के महत्व के बारे में बताया. कार्यशाला के सफल आयोजन में कुलाधिपति प्रभाकर सिंह, कुलपति डा. जे पी मिश्र, कुल सचिव डा. गुलाब सिंह आजाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने पटमदा में बंगाल बॉर्डर किया जाम

50 हजार पेंशन देने व जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने की मांग

विशेष सहयोगी। पटमदा

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, पूर्वी सिंहभूम जिला कमिटी ने बुधवार को बोड़ाम थाना क्षेत्र के बड़ासुसनी स्थित झारखंड एवं बंगाल बार्डर जाम कर दिया. जिसके कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. मोर्चा चाहता है कि आंदोलनकारियों को 50 हजार रुपया पेंशन दी जाए एवं किसी मामले में आरोपित होने पर जेल जाने की बाध्यता सरकार समाप्त करे. जिला संयोजक विश्वजीत प्रमाणिक के नेतृत्व में सुबह 9 बजे से जाम जारी है. मौके पर पहुंची बोड़ाम पुलिस ने आंदोलनकारियों को समझाने का प्रयास किया. लेकिन आंदोलनकारी मानने को तैयार नहीं हैं. उनका कहना है कि केंद्रीय कमिटी के निर्देश पर यह आंदोलन शुरू किया गया है.

बोड़ाम में सड़क जाम किए झारखंड आंदोलनकारी.

इसमें मुख्य रूप से शरत महतो, मलिंद्र सिंह, शिवशंकर महतो, छुटुलाल महतो, शंकर महतो समेत दर्जनों लोग शामिल थे. दूसरी ओर कमलपुर थाना क्षेत्र के राखडीह बंगाल बॉर्डर को भी जाम कर दिया. जिससे उस क्षेत्र से भी वाहनों की आवाजाही बंद हो गई. वहीं पटमदा के बेलटांड़ चौक में भी झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा से जुड़े आंदोलनकारियों ने सड़क पर उतर कर विरोध प्रर्दशन किया. जिमसें दुर्योधन महतो, रसराज महतो, दुलाल कुंभकार, बाबलू दत्त, दयानिधि कालिंदी व दयामय मोदक राखाडीह में आनंदमय महतो, अभिलाष महतो, मदन महतो समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

विवाद | सिखों की पहचान पगड़ी, केश, दाढ़ी को लेकर कभी देश में सवाल नहीं उठे

अर्ध सत्य बोल रहे राहुल गांधी, 1984 याद रखें : कुलविंदर सिंह

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

राष्ट्रीय सनातन सिख सभा के संयोजक अधिवक्ता कुलविंदर सिंह ने कांग्रेस सांसद एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को निशाना साधते हुए कहा कि वह सिखों की पहचान को लेकर अर्ध सत्य बोल रहे हैं. सिखों की पहचान अर्थात पगड़ी, केश दाढ़ी को लेकर कभी भी भारत देश में सवाल नहीं उठे हैं. भारतीय संविधान एवं कानून पर विश्वास रखने वाले किसी भी संस्था अथवा व्यक्ति द्वारा पहचान को लेकर भी प्रश्न नहीं खड़े किए गए. उन्होंने कहा कि पगड़ी, केश और दाढ़ी पर प्रत्येक भारतीय गर्व करता है क्योंकि सिखों का इतिहास, विरासत, परंपरा, कुर्बानी और बलिदान से भरा पड़ा है.

अधिवक्ता कुलविंदर सिंह

एडवाइजारी जारी करे केंद्र सरकार

कुलविंदर सिंह ने कहा कि आज भी सिखों के साथ भेदभाव किया जा रहा है. अधिवक्ता के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट मंत्री सरदार हरदीप सिंह पुरी, रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा, भाजपा राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा को चाहिए कि वह केंद्र सरकार पर दबाव डालकर सभी राज्यों और जिलों, सरकारी संस्थाओं को एडवाइजरी भिजवाएं. जिससे किसी को परीक्षा केंद्र, रेल हवाई अड्डा अथवा सरकारी कार्यालय न्यायालय में पहचान के नाम पर सिख को परेशानी नहीं उठानी पड़े. दोषी व्यक्ति के लिए कठोर सजा का प्रावधान भी किया जाना चाहिए.

अपनी पहचान के साथ सिख कभी समझौता नहीं करता है. भले ही मुगलों ने उनके सिर के दाम लगाए हो या अंग्रेज काला पानी की सजा देते रहे.

कुलविंदर सिंह ने आज यहां जारी बयान में कहा है कि भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए गुरुओं ने जो किया है उसकी मिसाल दुनिया में कहीं नहीं मिलती है. देश की आन बान शान रूपी इस पगड़ी पर सवाल कुछ स्वार्थी कांग्रेसियों ने खड़े करने शुरू किए थे. वोटों की गोलबंदी कराने के मकसद से सिख वेश में अपने एजेंट तैयार किए, जो बहरूपिया हैं जिन्हें न सिख गुरुओं और ना ही श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में विश्वास है, ना ही उसके अनुसार जीवन जीते हैं. उन बहरूपियों किरदारों के बहाने सिख पहचान को निशाने पर लिया जाता रहा. आज शक्तिहीन कांग्रेस संघवाद की बात कर रही है. 1978 के आनंदपुर प्रस्ताव उसे देश विरोधी नजर आया और उसमें विदेशी हाथ दिखा. कांग्रेस के नकरात्मक धारणा के कारण देश में अविश्वास का माहौल बनाया गया और नतीजे में 1984 प्रधानमंत्री की हत्या की गई और प्रतिक्रिया में दस हजार से ज्यादा सिख मार दिए गए. अधिवक्ता ने राहुल गांधी को सलाह दी है कि वह अपने पिता राजीव गांधी का कथन समझने की कोशिश करें कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है.

ब्रीफ खबरें

जगन्नाथपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 13 को

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र की पारुलिया पंचायत अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और आरोग्य सेंटर जगन्नाथपुर परिसर में 13 सितंबर को एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होगा. यह शिविर पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी की पहल पर नाम्या स्माइल फाउंडेशन की ओर से नारायण हृदयालय ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल कोलकाता के सहयोग से आयोजित किया जाएगा. शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच करेगी और उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जाएगी.

13 को स्व. कुनाराम मुर्मू की चौथी पुण्यतिथि

घाटशिला | विधानसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी सह घाटशिला लैंपस के पूर्व अध्यक्ष स्व. कुनाराम मुर्मू की चौथी पुण्यतिथि 13 सितंबर को मनायी जाएगी. सभी कार्यक्रम उनके चेंगजोड़ा स्थित पैतृक गांव में आयोजित होंगी. दोपहर 12 बजे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जायेगा. आयोजन समिति के सदस्यों ने इसके लिए आवश्यक तैयारी पूरी कर ली है. जानकारी हो कि स्व. मुर्मू घाटशिला विधानसभा में भाजपा के संस्थापक सदस्य थे. वहीं घाटशिला लैंपस के संस्थापक अध्यक्ष होने के साथ ही तीस साल तक आजीवन इस पद पर रहे.

डॉ पीके पाणी को घाटशिला कॉलेज में दी गई विदाई

घाटशिला | कोल्हान विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक, वित्त पदाधिकारी एवं नैक कोऑर्डिनेटर रहे डॉ पीके पाणी की सेवानिवृत्ति पर घाटशिला कॉलेज में बुधवार को सम्मान के साथ विदाई दी गई. डॉ पाणी ने घाटशिला कॉलेज से ही अपनी सेवा प्रारंभ की थी. वह सितंबर 1982 से दिसंबर 1986 तक कॉमर्स विभाग में व्याख्याता थे. इस मौके पर उन्होंने अपनी लिखी 24 पुस्तकें प्राचार्य डॉ आर के चौधरी को पुस्तकालय के लिए भेंट की. प्राचार्य ने डॉ पी के पाणी के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि उन्होंने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है.

संकट-मोचन संगीत समिति का सांस्कृतिक कार्यक्रम

आदित्यपुर | संकट मोचन संगीत समिति के बिष्टुपुर स्थित आरडी द्विवेदी अखाड़ा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कत्थक गुरु पंडित बख्शी विकास की शिष्या ख़ुशी कुमारी गुप्ता ने कत्थक नृत्य और भाव नृत्य की प्रस्तुति से संगीत प्रेमियों को भाव विभोर किया. इनके साथ तबले पर स्वयं पंडित बख्शी विकास ने संगत की और सितार पर पंडित सुभाष बोस ने सुंदर संगत किया. जबकि गायन तथा हारमोनियम पर संगत की जिम्मेदारी पंडित वीरेंद्र उपाध्याय ने संभाला.

लाभार्थियों के बीच मंगल कालिंदी ने बांटी परिसंपत्ति

जमशेदपुर | जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत देवघर, पलासबनी पंचायत और बोड़ाम प्रखंड के गौरडीह पंचायत भवन में बुधवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए और कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस दौरान विधायक, प्रखंड एवं अंचल के पदाधिकारियों ने विभिन्न विभागों के लगाए स्टॉल का निरीक्षण कर लाभुकों का सहयोग करने का निर्देश दिया. शिविरों में विधायक द्वारा लाभार्थियों के बीच स्वीकृति पत्र, परिसम्पत्ति आदि का वितरण किया गया.

शिविर में आए 1100 अबुआ आवास के आवेदन

डुमरिया | डुमरिया प्रखंड के डुमरिया स्थित बड़ाकांजिया पंचायत सचिवालय परिसर में बुधवार को सरकार आपके द्वार शिविर आयोजित किया गया. झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास के लिए 1100 आवेदन ग्रामीणों द्वारा जमा किया गया.इस अवसर पर प्रमुख गंगामनी हांसदा, सीओ चंचला कुमारी, बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू, उप प्रमुख चैतन मुर्मू समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के हाथों लाखों की परिसंपत्ति का वितरण किया गया. बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू ने कहा कि ग्रामीणों के लिए 44 प्रकार की योजनाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही है.

न्यूज अपडेट

गणेश उत्सव पर महाभोग का किया आयोजन

जमशेदपुर | सोनारी आंध्रा समिति द्वारा पिछले पांच दिनों से जारी गणेश पूजा बुधवार को विसर्जन के साथ संपन्न हो गया. महोत्सव के आखिरी दिन कुमकुम पूजा के उपरांत महाभोग का आयोजन किया गया. जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया. समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास राव ने बताया कि समिति 26 वर्षों से गणेश पूजा का आयोजन कर रही है. इस वर्ष पांच दिनों तक पूजा हुई. इस दौरान कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. 9 सितंबर को साई भजन, 10 सितंबर को महिलाओं द्वारा विशेष पूजा, 11 सितंबर को महाभोग का आयोजन किया गया. उन्होंने समाज के सभी लोगों को जिन्होंने इस महोत्सव को सफल बनाने में मदद की उनके प्रति आभार व्यक्त किया.

खंडहर में तब्दील हो गया है आयुर्वेदिक अस्पताल

बहरगोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के पाथरा पंचायत के गंधानाटा में स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल खंडहर में तब्दील हो गया है. अस्पताल के चारों तरफ बड़ी-बड़ी घासें उग आई हैं. यही नहीं अस्पताल के कमरों में स्टाफ बैठना भी मुनासिब नहीं समझते हैं. यह अस्पताल क्षेत्रवासियों के लिए बेकार साबित हो रहा है. इस अस्पताल का निर्माण पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ दिनेश षाड़ंगी के कार्यकाल में हुआ था. यहां एक डॉक्टर एक फार्मासिस्ट, एक वार्ड ब्वाय और चपरासी की नियुक्ति की गई थी. यह अस्पताल किसी पशु आश्रय स्थल से कम नहीं है. प्रांगण के चारों ओर बड़ी-बड़ी घासें उग आई हैं. डॉक्टरों के ठहरने के लिए बने आवासों में आवारा पशुओं एवं पंक्षियों का बसेरा रहता है. कुल मिलाकर आयुर्वेदिक अस्पताल का जर्जर भवन खंडहर में तब्दील होता जा रहा है.

दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के ईचड़ाशोल-पाटपुर सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्यों ने दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण के लिए बुधवार को भूमि पूजन किया. पुजारी तपन आचार्य ने सुबह पूजा स्थल पर वैदिक रीति रिवाज के अनुसार पूजा अर्चना की. साथ ही पूजा स्थल पर गड्ढा खोदकर बांस गाड़ा गया. कमेटी के सदस्य ने बताया कि इस बार भव्य आकर्षक पंडाल निर्माण होगा. मीना बाजार लगाने एवं भक्तों के बीच महासप्तमी, महाअष्टमी व महानवमी के दिन महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा. सप्तमी, अष्टमी और नवमी की रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. मौके पर कमेटी के अध्यक्ष चंडी चरण साउ, सत्यवान प्रधान , नगेन साहू,तापस साउ, सुभाष चंद्र घोष,कमल आचार्य अधिकारी आदि उपस्थित थे.

डुमरिया में घर से दो बकरा व एक बकरी चोरी

डुमरिया | डुमरिया थाना क्षेत्र के भालुकपतड़ा हाईस्कूल के पीछे स्थित एक घर से तीन बकरों की चोरी हो गई. घटना मंगलवार देर रात की है. घटना के संबंध घर के मालिक दुखाराम मुर्मू ने बताया कि मंगलवार आधी रात को बकरे के मिमियाने की आवाज आई. बाहर आकर देखा तो उस जगह के बल्ब नहीं थे. घर के पीछे दो बाइक पर चार चोर बकरी लेकर भाग रहे थे. उन्हें खदेड़ कर पकड़ने की कोशिश की. चोर हातिबारी-निश्चिंतपुर होते हुए मुख्य सड़क की ओर भाग गये. दुखाराम मुर्मू ने बताया कि घर में कुल छह में से दो बकरे और एक बकरी चोरी हो गई. इस संबंध में डुमरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी. इस क्षेत्र में पिछले कई माह से कई किसानों के मवेशी चोरी हो गए हैं. डुमरिया पुलिस एक भी चोरी का खुलासा नहीं कर पाई है.

अभिभावकों ने आरटीआई कार्यकर्ता को सौंपा ज्ञापन

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के नेताजी शिशु उद्यान परिसर स्थित मॉडल विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों ने आरटीआई कार्यकर्ता सह झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा के जिला अध्यक्ष दिनेश महतो को एक ज्ञापन सौंपा . जिसमें अभिभावकों ने बताया कि 2012 में स्थापित मॉडल विद्यालय का संचालन बहरागोड़ा प्रखंड मुख्यालय हिंदी विद्यालय में चल रहा है. जहां केवल तीन कमरे में कक्षा 6 से लेकर 12 तक के छात्रों की पढ़ाई होती है. इससे विद्यार्थियों व शिक्षकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. आरटीआई कार्यकर्ता ने बताया कि नया भवन रहते हुए जर्जर भवन में शिक्षा देना दुर्भाग्यपूर्ण है. यदि शिक्षा विभाग ने अविलंब समस्या का हल नहीं किया तो आगे वह अभिभावकों के साथ मिलकर न्याय के लिए झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर करेंगे.

सरकार आपके द्वार के शिविर में पहुंचे विधायक

बहरागोड़ा | प्रखंड क्षेत्र के मौदा व बनकाटा पंचायत भवन परिसर में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होकर विधायक समीर कुमार मोहंती ने शिविर का विधिवत उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि शिविर के जरिए आपकी आवाज और तकलीफों को समझने का हमें मौका मिलता है. इससे साफ दिखता है कि पूर्व की सरकारों में न ब्लॉक कार्यालय काम करता था, न जिला कार्यालय. लोग अपनी समस्याओं के बारे में अधिकारियों को आवेदन देते थे पर उनका हल नहीं निकल पाता था.आज यह व्यवस्था बदली है. आज सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है, जिससे विपक्ष के लोग विकास के काम से काफी घबरा गए हैं. मौके पर अंचल अधिकारी भोला शंकर महतो, बीस सूत्री अध्यक्ष असित मिश्रा, उप प्रमुख मुन्ना होता मुखिया पुरुस्ततम सिंह, पशुपालन पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार सिंह, रासबिहारी साव, गोपन परिहारी, मिथुन कर आदि उपस्थित थे.

एसडीओ ने जब्त किया अवैध बालू लदा हाईवा

घाटशिला | घाटशिला थाना क्षेत्र के फुलपाल चौक के समीप बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच-18 पर बालू लदा हाईवा जप्त किया. जब्त हाईवा संख्या जेएच 05 डीएन 6392 को हाईवा मालिक द्वारा अलग से गलत नंबर जेएच05 डीएन 92 लिखवा कर अवैध रूप से बालू का परिवहन किया जा रहा था. एसडीओ ने जब्त हाईवा को पुलिस के हवाले कर दिया है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. हालांकि समाचार लिखे जाने तक खनन विभाग के पदाधिकारी नहीं पहुंचे थे.

एनआरईपी में कर्मचारियों की कमी : सोनाराम सिंकु

किरीबुरु । जिला प्रशासन के अधीन एकमात्र कार्यकारी एजेंसी राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम (एनआरईपी) में कार्य बल यानि सहायकों और कर्मचारियों की नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति करने का मामला विभागीय मंत्री इरफान अंसारी तक पहुंचा है. यह वही जिला प्रशासन की एकमात्र एजेंसी है, जिसके पास स्वीकृत पदों के अनुपात में मात्र एक ही सहायक कई पदों का कार्य करने को मजबूर हैं. एक सहायक के भरोसे लगभग 150 करोड़ की योजना का भार दिया गया है. इस संबद्ध में कार्यपालक अभियंता सुभाष प्रसाद सिंह ने लिखित रूप में कार्यालय में सहायकों की प्रतिनियुक्ति की मांग की है, लेकिन जिला प्रशासन ने कोई संज्ञान नहीं लिया है. जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सोना राम सिंकु ने जिला प्रशासन की इस एजेंसी को हाईटेक करने के लिए सभी स्तर पर सहायकों की प्रतिनियुक्ति करने की मांग की है.

बामेबासा पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समाज का विकास होगा, तो देश का विकास होगा : मंत्री

संवाददाता । चाईबासा

टोंटो प्रखंड अंतर्गत अंतर्गत बामेबासा पंचायत में बुधवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित हुआ. पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री दीपक बिरुवा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. इनके अलावा जिला बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी, जिप सदस्य राज नारायण तुबिद भी शामिल हुए. मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी भगत ने सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी. मंत्री ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन चौथी बार किया जा रहा है. इस कार्यक्रम में कोई भी अहर्ता प्राप्त व्यक्ति लाभ से वंचित नहीं रहे, इसका ध्यान रखा जा रहा है.

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में मुंहजुट्ठी कराते मंत्री दीपक बिरुवा व उपस्थित अन्य.

जनकल्याणकारी योजनाओं से आम लोगों को जोड़ने के लिए 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन व्यापक स्तर पर किया जा रहा है. हेमंत सरकार के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों में पंचायत स्तरीय शिविर आयोजित की जा रही है. इससे शिविर में आने वाले लोगों को योजना की सही जानकारी और उचित लाभ मिल रहा है. वहीं लोगों को योजनाओं के लिए भटकना नहीं पड़े, इसलिए पंचायत भवनों में ही शिविर लगाया जा रहा है. आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सभी संबंधित अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि शिविर में आने वाले लोगों को न सिर्फ सभी योजना की जानकारी दी जाए, बल्कि लोगों की समस्या और आवेदन का निष्पादन करने का प्रयास किया जाए. उन्होंने कहा कि समाज व गांव का विकास होगा, तो देश का विकास होगा. इसलिए झामुमो की हेमंत सरकार ने महिलाओं की सशक्तीकरण को लेकर सर्वजन पेंशन समेत कई योजनाएं धरातल पर उतारी है. अब 18 वर्ष की उम्र से ही युवतियों को भी प्रोत्साहन राशि मिलेगी. हेमंत सोरेन सरकार ने पहले ही 21 से 49 एवं 50 साल से ही महिलाओं को पेंशन से जोड़ने का काम कर चुकी है. झारखंड सरकार प्रत्येक उपभोक्ता को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दे रही है. मौके पर मंत्री ने कार्यक्रम में लगे विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया. साथ ही लाभुकों के बीच परिसम्पत्तियों का भी वितरण किया. इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

सड़क जाम से पूर्व छोटानागरा पंचायत के गांवों में दूषित जलापूर्ति

- 12 सितम्बर की सुबह से सड़क जाम आंदोलन होगा शुरू : मुखिया

संवाददाता । किरीबुरु

अनिश्चितकालीन सड़क जाम से एक दिन पूर्व 11 सितम्बर की सुबह बाईहातु जलमीनार से छोटानागरा पंचायत के गांवों में जलापूर्ति की गई. लेकिन पानी काफी गंदा व पीने योग्य नहीं था. पानी सप्लाई भी काफी कम समय के लिये किया गया. इससे ग्रामीण नाराज हैं. इस संबंध में छोटानागरा पंचायत की मुखिया मुन्नी देवगम और जोजोगुटु के मुंडा कानूराम देवगम ने कहा कि छोटानागरा पंचायत के 10 गांवों के ग्रामीण पिछले एक माह से भी अधिक समय से पेयजल आपूर्ति नहीं होने और नियमित बिजली नहीं रहने से परेशान हैं.

इसी से नाराज होकर सभी गांवों के ग्रामीण 12 सितम्बर की सुबह लगभग पांच बजे से छोटानागरा थाना अन्तर्गत बाईहातु गांव के समीप मुख्य सड़क अनिश्चितकालीन जाम करेंगे. सड़क जाम के डर से 11 सितंबर को

छोटानागरा पंचायत के गांवों में सप्लाई का दूषित पानी.

पानी आपूर्ति की गई, लेकिन पुनः यही हाल होने वाला है.

ऐसे में विभागीय उच्च अधिकारी जब तक आकर यह आश्वस्त नहीं करते की साफ पानी की नियमित आपूर्ति निरंतर जारी रहेगी, तब तक सड़क जाम रहेगा.

उन्होंने कहा कि बाईहातु आसन्न जलापूर्ति योजना के तहत पंचायत के सभी 10 गांवों और ग्रामीणों के घर तक पानी पहुंचाना था, लेकिन यह कार्य अब तक पूरा नहीं हो पाया है. इसकी निष्पक्ष जांच करवा कर अधूरे कार्य को पूरा करने, नियमित बिजली आपूर्ति की भी मांग है.

पलामू के सांसद बीडी राम की अध्यक्षता में जगन्नाथपुर में हुई वोटिंग

विस सीट से प्रत्याशी चुनने के लिए हुआ गुप्त मतदान

वोटिंग के दौरान उपस्थित पलामू के सांसद बीडी राम व अन्य भाजपा नेता.

संवाददाता । किरीबुरु

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने 11 सितम्बर को झारखंड के सभी विधानसभा क्षेत्र के लिये अपने संभावित प्रत्याशियों के नामों पर सहमति व रायशुमारी का कार्य प्रारम्भ कर दिया है. जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से संभावित प्रत्याशी के रुप में पूर्व सांसद गीता कोड़ा, एसटी मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंगल सिंह गिलुवा, पूर्व जिलाध्यक्ष विपिन पूर्ति ने दावेदारी पेश की है. इसके लिये बतौर पर्यवेक्षक पलामू के सांसद बीडी राम की देखरेख में नोवामुंडी कल्याण मंडप में बुधवार को विशेष बैठक व गुप्त मतदान कराया गया. इस वोटिंग में जिला पदाधिकारी एवं जिला कार्यसमिति सदस्य, निवर्तमान जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य, मंडल मोर्चों के अध्यक्ष, महामंत्री, शक्तिकेन्द्र संयोजक, सह संयोजक एवं प्रभारी, अब तक के सभी पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य एवं प्रदेश मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश प्रकोष्ठ एवं विभाग के संयोजक, सह संयोजक, जिला मोर्चा के लगभग 130 पदाधिकारी शामिल हुये. सभी ने अपनी पसंद के अनुसार उक्त तीनों संभावित प्रत्याशियों के नाम लिखकर प्रदेश कार्यालय से आयी मतदान पेटी में डाला. इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद गीता कोड़ा मौजूद नहीं थीं. वे हजारीबाग गई हैं. आज हुई गुप्त मतदान से संबंधित पूरी रिपोर्ट प्रदेश कमिटी को भेजी जायेगी. इसके आधार पर बाद में केन्द्रीय कमिटी प्रत्याशियों के नाम फाइनल करेगी. मौके पर पूर्व सीएम मधु कोड़ा, एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष शंभू हाजरा, पूर्व जिलाध्यक्ष बिपिन पूर्ति आदि मौजूद थे.

चांडिल : भाजपा के स्थानीय नेताओं के साथ रायशुमारी

चांडिल में रायशुमारी में उपस्थित भाजपा नेता और कार्यकर्ता.

चांडिल । विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार को भाजपा ने ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नेता और कार्यकर्ताओं के साथ रायशुमारी की. इस दौरान गुप्त मतदान के माध्यम से अपनी पसंद के तीन विधायक उम्मीदवारों के नाम भी लिए. ये प्रक्रिया बैलेट में चुनाव कराकर लिया गया, जिसे सीलबंद बॉक्स में डाला गया. रायशुमारी की बैठक और गुप्त मतदान के लिए संगठन की ओर से प्रभारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी. प्रभारी के रूप में पूर्व मंत्री बड़कुंवर गगराई और सह प्रभारी के रूप में राजेन सिंह चांडिल पहुंचे थे. रायशुमारी की बैठक और प्रत्याशी चयन के लिए मतदान चांडिल डैम आईबी में जिला उपाध्यक्ष खुदीसिंह सरदार की अध्यक्षता में हुई. बैठक का संचालन जिला महामंत्री मधुसुदन गोराई ने किया. बैठक में पूर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह, देवाशीष राय, सारथी महतो, अनिता पारित, महेश कुंडू, दिवाकर सिंह, चंद्र मोहन दास, विश्वनाथ उरांव, आकाश महतो के अलावा सभी पंचायत, मंडल प्रखंड, जिला स्तर के पदधारी नेता बैठक में शामिल थे.

अस्तित्व के लिए खटखटाती रहूंगी संसद का दरवाजा : जोबा माझी

कार्यक्रम के दौरान संबोधित करती सांसद जोबा माझी.

- करम पूर्व संध्या महोत्सव में शामिल हुईं सांसद

संवाददाता । चक्रधरपुर

सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने सरना धर्म कोड पर कहा कि आदिवासियों की पहचान-अस्तित्व के लिए बार-बार संसद का दरवाजा खटखटाती रहेंगी. सांसद जोबा माझी बुधवार को आनंदपुर प्रखंड के हाई स्कूल मैदान में कुड़ुख सरना जागरण मंच मनोहरपुर-आनंदपुर प्रखंड कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित करम पूर्व संध्या महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं. सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने विशेष सत्र के माध्यम से सरना धर्म कोड को पास कर केंद्र सरकार के पास भेज दिया है. इसके लिए सरकार को बधाई देती हूं, लेकिन केंद्र सरकार से मांग है कि इस मांग को जल्द पूरा करें. सांसद ने उपस्थित लोगों को करम महोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि करम प्रेम, भाईचारा और प्रकृति से जुड़ने का माध्यम है. समाज की उन्नति और तरक्की के लिए एकजुट रहें. मौके पर सांसद समेत अन्य अतिथियों ने मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में बेहतर अंक से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया. महोत्सव के दौरान विभिन्न गांवों की मंडली ने नृत्य प्रस्तुत किया. वहीं कार्यक्रम में अतिथियों को आयोजन समिति की ओर से पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में झारखंड समेत ओडिशा से भी समाज के लोग शामिल हुए. मौके पर पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा, संरक्षक बोदे खलखो, युवा संरक्षक विमल किस्पोट्टा, अध्यक्ष रोबी लकड़ा, सचिव रमेश तिर्की, बंधना उरांव, तिला तिर्की, प्रमोद केरकेट्टा, मणिलाल केरकेट्टा, बुधेश्वर धनवार, रामचंद्र कच्छप, झामुमो नेता जगत माझी, संजीव गंताइत समेत सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरूष उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

जयदा मंदिर में गणेशोत्सव हवन-पूजन के साथ संपन्न

चांडिल । चांडिल प्रखंड के जयदा स्थित ऐतिहासिक बुढ़ाबाबा शिव मंदिर में पांच दिवसीय गणेशोत्सव बुधवार को हवन पूजन के साथ संपन्न हो गया. बुधवार को देवघर से आए चार विद्वान पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ किया. इसके बाद बालक भोजन के साथ भंडारा का आयोजन किया गया. जयदा में भगवान गणेश की प्राचीन मूर्ति है. हर वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां पूजा-अर्चना की जाती है. गणेश चतुर्थी के दिन प्रारंभ हुई विशेष पूजा-अर्चना बुधवार को यज्ञ के साथ संपन्न हुई. महंत केशवानंद सरस्वती ने बताया कि जयदा मंदिर परिसर में भगवान गणेश व कार्तिक की एक हजार साल से भी पुरानी मूर्ति स्थापित है.

दो सगे भाइयों में मारपीट, बीच-बचाव करने वाला घायल

किरीबुरु । मेघाहातुबुरु निवासी दो सगे भाइयों सेलकर्मी नरेश चन्द्र गुप्ता और ठेकेदार गणेश चन्द्र गुप्ता के बीच केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु गेट के सामने जमकर मारपीट हुई. दोनों भाइयों के बीच हो रहे झगड़े में बीच-बचाव करने गया मो. सलीम घायल हो गया. उसके चेहरे पर नरेश गुप्ता ने मारा, जिससे मुंह फट गया और खून निकलने लगा. बाद में सलीम को प्राथमिक उपचार के लिए सेल अस्पताल ले जाया गया. दोनों भाइयों के बीच मारपीट की घटना की खबर पाकर किरीबुरु पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों को थाना ले गई. दोनों भाइयों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है.

प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड खेलकूद प्रतियोगिता हुई

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को पोड़ाहाट स्टेडियम में किया गया. यहां मौजूद विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने दमखम दिखाया. मौके पर जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी हांसदा, मीना जोंको, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ताराकांत सिजुई, बीस सूत्री सदस्य प्रदीप कुमार महतो व प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी पवन कुमार सिंह उपस्थित थे. इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर व हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया.

13 को दिल्ली में सेमिनार व 14 को जंतर-मंतर पर होगा प्रदर्शन

चाईबासा में आयोजित बैठक में शामिल महासभा के पदाधिकारी और सदस्य.

संवाददाता । चाईबासा

दुदुगर यात्रा दोलाबु दिल्ली 4.0 कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आदिवासी हो समाज युवा महासभा, जिला कमिटी की बुधवार को बैठक हुई. बैठक चाईबासा के कला एवं संस्कृति हरिगुटू में हुई. इसमें जिलाध्यक्ष शेरसिंह बिरूवा की अध्यक्षता में तैयारियों पर चर्चा की गई. 13 सितम्बर को जयसिंह मार्ग पुलिस हेडक्वार्टर के सामने स्थित वाईएमसीए क्लब, नई दिल्ली में सेमिनार का आयोजन होगा. इसमें हो भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए विभिन्न राज्यों के लगभग 60-70 युवा नेतृत्वकर्त्ताओं को सेमिनार के माध्यम से पार्लिमेन्टरी प्रोशिडियोर, डेमोक्रेटिक राईट्स एण्ड रोल,सोशल लेवल पर डॉक्युमेन्ट स्टेज जैसे अन्य बिन्दुओं पर जागरूक किया जाएगा. भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए समाज में नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने का प्रयास शामिल होगा. 14 सितम्बर को जंतर-मंतर, संसद मार्ग, नई दिल्ली में आदिवासी हो समाज युवा महासभा तथा ऑल इंडिया हो लैंग्वेज एक्शन कमिटी के तत्वावधान में धरना-प्रदर्शन होगा. बैठक में बबलु बिरुवा, ओएबन हेम्ब्रम, रामेश्वर बिरूवा आदि मौजूद थे.

नृत्य में प्रज्ञा व रंगोली में तानिशा को प्रथम पुरस्कार

किरीबुरु । गुवा नानक नगर में गणेश चतुर्थी धूमधाम से सम्पन्न हुआ. इस दौरान खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया. एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रज्ञा बेहरा प्रथम, साहिबा पात्रो द्वितीय एवं आराध्या दास तृतीय स्थान पर रही. वहीं ग्रुप डांस में मस्ती, एन एंड आर और बीबीटी ग्रुप. रंगोली में तनीषा लोहार, नेहा एवं गुंजन गोप, म्यूजिकल चेयर में शीला टोप्पो और पूजा पूर्ति, फैंसी ड्रेस में आनंदी प्रजापति, कौशल्या सिंह एवं राजकुमार महाली क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे. चित्रांकन में विवेक महापात्रो, प्रतिमा लोहार और टिया, शंख वादन में सुस्मिता भंज, सुनीता दास एवं कुमारी बेहरा, गोली चम्मच में आयुष हेस्सा, छोटू मल्लिक और कृष लोहार क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे. कार्यक्रम की शुरुआत में कुमार आशुतोष ने गणपति वंदना प्रस्तुत दी. वहीं सोनी दास ने कत्थक नृत्य से दर्शकों का मन मोहा.

झारखंड सरकार पढ़ाई के साथ खेल को भी दे रही बढ़ावा : जोबा

संवाददाता । चक्रधरपुर

सोनुवा के महुलडीहा मैदान में शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड 2024-25 का बुधवार को सांसद जोबा माझी ने उद्घाटन किया. मौके पर उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार पढ़ाई के साथ खेल को भी बढ़ावा दे रही है. आज के दौर में पढ़ाई के साथ खेल का भी महत्व है. खेल के माध्यम से भी लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती हैं.

सांसद जोबा माझी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेल से जीवन में अनुशासन आता है. इससे पूर्व उद्घाटन सत्र में पहुंची सांसद का बच्चों ने तालियां बजाकर एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बुके देकर स्वागत किया. मौके पर सांसद ने प्रतियोगिता के बालक वर्ग में लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय के

कार्यक्रम को संबोधित करतीं सांसद जोबा माझी व उपस्थित अन्य.

कृष्ण कुमार महतो, द्वितीय मॉडल स्कूल के विकास प्रधान, तृतीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय के अमित मुखी एवं बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की तनुश्री सोय, जिंगी बांकिरा एवं सुमित्रा बुरमा को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया.

बता दें कि खेलो झारखंड में बालक-बालिका के विभिन्न वर्ग में विभिन्न खेलों का आयोजन हो रहा है. प्रतियोगिता में अव्वल आने वाले प्रतिभागियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान जाएगा. इस अवसर पर झामुमो के युवा नेता जगत माझी, बीपीओ राजीव सिन्हा, शिक्षक गुलाब कपूर, जय किशन प्रधान, निवेदिता प्रधान, महेंद्र महतो, अखिलेश प्रधान समेत काफी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित थे.

चांडिल : राम और कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

चांडिल के मुनका धर्मशाला में श्रीमद्भागवत गीता की कथा सुनते श्रद्धालु.

- पंडित सुरेश चंद्र शास्त्री जी महाराज सुना रहे हैं कथा
- अंतिम दिन भक्तों के बीच होगा प्रसाद का वितरण

संवाददाता । चांडिल

चांडिल बाजार के डैम रोड स्थित मुनका धर्मशाला में श्रीमद्भागवत कथा विशिष्ट प्रसंग बुधवार को वामन अवतार, रामजन्म व कृष्णजन्म की कथा सुनकर भाव-विभोर हुए. श्रीधाम वृंदावन से आए कथावाचक पंडित सुरेश चंद्र शास्त्री जी महाराज ने वामन अवतार, राम जन्म व कृष्ण जन्म की कथा का व्याख्यान किया.

श्रीमद्भागवत कथा सुनने प्रतिदिन चांडिल बाजार समेत आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मुनका धर्मशाला पहुंच रहे हैं. कथावाचक के सुंदर व्याख्यान से श्रोता मंत्रमुग्ध हो रहे हैं. कथा प्रतिदिन दोपहर बाद चार से सात बजे तक हो रही है. सप्ताह व्यापी श्रीमद्भागवत कथा विशिष्ट प्रसंग रविवार को कलश स्थापना के बाद श्रीमद्भागवत पूजन और भागवत का महत्व के व्याख्यान के साथ प्रारंभ हुआ था. श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन गुरुवार को बाल लीला व गोवर्धन पूजा का महात्म्य बताया जाएगा.

छठे दिन शुक्रवार को महारास लीला एवं रूकमिणी विवाह प्रसंग विस्तार से श्रोताओं को पंडित सुरेश चंद्र सुनाएंगे. श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन सुदामा चरित पर कथा सुनाने के बाद भागवत को विश्राम दिया जाएगा. इस अवसर पर मुनका धर्मशाला में हवन यज्ञ कर पूर्णाहूति दी जाएगी. कथा के बाद पूर्णाहूति अनुष्ठान के संपन्न होने पर भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा.

तैयारी : शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण शुरू, आकर्षक साज-सज्जा के साथ प्रतिमा का निर्माण शुरू

शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में दिखेगा उत्तराखंड के चारधाम का प्रारुप

शंभू कुमार । चक्रधरपुर

शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. चक्रधरपुर में धूमधाम के साथ दुर्गा पूजा का त्योहार मनाया जाता है. चक्रधरपुर में लगभग दो दर्जन स्थानों पर पंडाल का निर्माण कर माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती है. इसमें चक्रधरपुर शहर के शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष आकर्षक दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण कराया जाता है, जो पूरे जिले भर में विख्यात रहता है. इस वर्ष पर भी शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति पूजा पंडाल का निर्माण लगभग 20 दिन पहले से शुरू कर दिया गया है. समिति की ओर से उत्तराखंड के

चक्रधरपुर के शीतला मंदिर दुर्गा पूजा कमेटी के पंडाल की ऐसी होगी आकृति.

पहाड़ों के बीच चार धाम प्रारुप का पंडाल निर्माण कराया जा रहा है. इसे बनाने के लिए दिन रात कारीगर जुटे हुये हैं. पंडाल का निर्माण पश्चिमी बंगाल के कारीगरों द्वारा किया जा रहा है. चारधाम प्रारुप के पंडाल में उत्तराखंड के पहाड़ों के ऊपर बसा केदारनाथ धाम, बद्रीनाथधाम, गंगोत्री व यमुनोत्री मंदिर पंडाल के रूप में नजर आएगा. साथ ही इन चारों मंदिर के आसपास बर्फरुपी पहाड़ व पंडाल के भीतर गुफा का भी प्रारुप कारीगरों द्वारा तैयार किया जा रहा है. पंडाल के भीतर आकर्षक साजसज्जा के साथ-साथ आकर्षक प्रतिमा का भी निर्माण किया जा रहा है. इस पूजा समिति के संरक्षक वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश साव हैं. पंडाल निर्माण के संबंध में भाजपा नेता सुरेश ने बताया कि शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल देखने के लिए चक्रधरपुर व आसपास क्षेत्र के अलावे अन्य कई स्थानों से लोग पहुंचते हैं. उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी समिति द्वारा निर्माण कराया जा रहा चारधाम रुपी पूजा पंडाल लोगों को खूब लुभाएगा. उन्होंने बताया कि यहां वर्ष 1977 से दुर्गा पूजा भव्य तरीके से आयोजित की जा रही है.

पूजा समिति पर एक नजर

संरक्षक सुरेश साव, अध्यक्ष संजय पासवान, सचिव संजय मिश्रा, उपाध्यक्ष अनुप दुबे, विकास शर्मा, त्रिदीप कुमार, सूरज साव, सह सचिव रुपेश साव, मोहन यादव, मदन विश्वकर्मा, पंकज शर्मा, कोषाध्यक्ष विजय साव, मनीष पाड़ेया, सह कोषाध्यक्ष मयंक साव, विक्की पासवान, विजय जायसवाल, मीडिया प्रभारी संदीप साव, शंभू कुमार, चंदन साव, रिक्की छाबड़ा शामिल हैं. वहीं शिव भगेरिया, भोली साव, राजू शर्मा, नटवर झुनझुनवाला, अरविंद दुबे, संदीप बर्मन, सुबोध पोद्दार, गणेश पाड़िया, सुशील श्यामरीवाल, ऋषि साव, श्यामल साव, माधव झुनझुनवाला, अनिल यादव, टिंकू भगेरिया समेत अन्य कई लोग सक्रिय सदस्य हैं.

विधानसभा चुनाव : सुर्खियों में आने के लिए पैसे खर्च कर जुटा रहे भीड़, लगवा रहे जयकारे

टिकट के जुगाड़ में हर हथकंडे अपना रहे उम्मीदवार

संवाददाता। हजारीबाग

विधानसभा चुनाव की घोषणा धीरे-धीरे नजदीक जा रही है. ऐसे में नेताजी टिकट लेने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं. सदर विधानसभा क्षेत्र एक पार्टी से कई उम्मीदवार अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं. इनमें कई ऐसे उम्मीदवार भी जिन्हें जनता जानती तक नहीं है, लेकिन वे सुर्खियों में आने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम का आयोजन करवा रहे हैं. भीड़ जुटाने के लिए काफी मात्रा में पैसा खर्च कर रहे हैं ताकि दिल्ली में बैठे आलाकमान की निगाह में आ सकें. नेताजी कभी महिलाओं को तो कभी विद्यार्थियों को भीड़ का हिस्सा बना रहे हैं. यहां तक कि कई नेता सौ- दो सौ रुपये देकर 7 साल से 10 साल के बच्चों को भी साथ लेकर अपनी जय-जयकार करवा रहे हैं. नेताजी मीडिया की सुर्खियों में आने के लिए प्रत्येक दिन काफी पैसा खर्च करते हैं और पेपर कटिंग को दिल्ली भेजते हैं, लेकिन कभी उनकी जुबां पर जनता के मुद्दे नहीं आते.

दरअसल, हजारीबाग सदर विधानसभा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा, कांग्रेस के अलावे कई अन्य उम्मीदवार टिकट के लिए घूम रहे हैं और तरह-तरह के कार्यक्रम करवा रहे हैं. हालांकि कुछ ऐसे उम्मीदवार भी हैं जो लगभग 30-35 साल से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं और टिकट की आस में खड़े हैं. क्षेत्र में गुप्त तरीके से भ्रमण कर रहे हैं और अगर उन्हें टिकट नहीं मिलता है तो वह निर्दलीय भी मैदान में उतर सकते हैं. हालांकि हजारीबाग सदर में मुख्य रूप से दो ही ऐसी पार्टी है जो चुनाव के वक्त सुर्खियों में रहती हैं और इन्हीं दोनों पार्टी में से किसी एक की जीत होती है और इन दोनों पार्टियों के लिए लगभग डेढ़-डेढ़ दर्जन उम्मीदवार अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं. इस संबंध में सदर विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने बताया कि हमें ऐसे प्रत्याशी की जरूरत है जो हमारे क्षेत्र का विकास करवा सके, न कि केवल अपनी जेब भरने का काम करें. क्षेत्र में आज भी कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनको नेताजी नहीं उठाते हैं. कई लोगों ने यह भी कहा कि आज भी कई ऐसे गांव हैं जहां मूलभूत सुविधाओं से ग्रामीण वंचित हैं.

खास बातें

- कई ऐसे उम्मीदवार भी जिन्हें जनता जानती तक नहीं है
- एक पार्टी से कई उम्मीदवार अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं

उपायुक्त ने पदमा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

उत्पाद सिपाही की दौड़ के लिए सभी सुविधाएं मुकम्मल

संवाददाता। हजारीबाग

पदमा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में व्यवस्थाओं का जायजा लेतीं उपायुक्त.

झारखंड उत्पाद सिपाही दौड़ प्रतियोगिता का निरीक्षण करने उपायुक्त नैंसी सहाय बुधवार को हजारीबाग के पदमा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पहुंची. निरीक्षण के क्रम में उन्होंने बताया कि 9 सितंबर से 13 सितंबर तक चलने वाले इस दौड़ में प्रतिभागियों के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं. उन्होंने आज ट्रेनिंग सेंटर के मेडिकल कैंप, रात्रि में रुकने की व्यवस्था, मेडिकल कैंप में दवाइयां की उपलब्धता, शौचालय आदि का जायज़ा लिया.

उन्होंने बताया कि पदमा में उत्पाद सिपाही दौड़ प्रतियोगिता संचालित की जा रही है, जहां सभी व्यवस्थाएं मुकम्मल हैं. मौके पर उन्होंने दौड़ में शामिल हो रहे सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी. वहीं पदमा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के कमांडेंट मोहम्मद अर्शी ने बताया कि सेंटर में प्रतिभागियों के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं की गईं है. उनके रुकने के लिए टेंट का इंतजाम किया गया है. दौड़ के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर मेडिकल कैंप अलर्ट है. उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 3000 प्रतिभागी इस दौड़ में शामिल हो रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

गर्ल्स स्कूल में मनाया गया लिटरेसी डे

रामगढ़। इनर व्हील क्लब ऑफ रामगढ़ के द्वारा सुभाष चौक स्थित गर्ल्स स्कूल में लिटरेसी-डे सेलिब्रेट किया गया. इस मौके पर लड़कियों में पढ़ाई का महत्व शीर्षक पर एक लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. संस्था की अध्यक्ष पिंकी पोद्दार ने कहा कि लैंगिक समानता का लाभ हर बच्चे को मिलता है. लड़कियों की शिक्षा में निवेश करने से समुदाय, देश और पूरी दुनिया बदल जाती है. शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों की कम उम्र में शादी होने की संभावना भी कम रहती है.

चुनाव अभियान में लग जाएं भाजपा कार्यकर्ता

रामगढ़। झारखंड विधानसभा का चुनाव का बिगुल कभी भी बज सकता है लेकिन भाजपा अभी से ही चुनावी रणनीति बना चुके हैं. भाजपा के रामगढ़ नगर अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव ने बूथ समिति की बैठक में साफ निर्देश दिया कि कार्यकर्ता चुनावी अभियान में जुट जाएं. 8 से लेकर 10 सितंबर तक सभी बूथ समिति की बैठक में वे शामिल हुए और बूथ समिति, पन्ना प्रमुख, मतदाता सूची, मन की बात कार्यक्रम और सदस्यता अभियान को लेकर चल रहे कार्यक्रम की जानकारी ली. बैठक में उपस्थित सदस्यों से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया.

आत्महत्या रोकथाम पर हुई कार्यशाला

कोडरमा। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह के निमित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, डोमचांच में बुधवार को छात्राओं के बीच आत्महत्या रोकथाम पर कार्यशाला हुई. जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के डॉ. आशीष राज ने कहा कि आत्महत्याओं का एक बड़ा हिस्सा मानसिक बीमारियों जैसे अवसाद, मादक द्रव्यों के सेवन और मनोविकृति के कारण होता है.

कोडरमा में सफाई कर्मियों ने निकाला मार्च

कोडरमा। दैनिक वेतनभोगी, संविदाकर्मी और आउटसोर्सिंग कर्मियों को स्थाई करने, शत-प्रतिशत मानदेय या वेतन राज्य सरकार द्वारा आवंटित करने, नियमानुसार प्रोन्नति देने, पीएफ भविष्य निधि और ईएसआई का लाभ देने, जीवन बीमा से जोड़ने, सामाजिक सुरक्षा के तहत सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन देने आदि मांगों को लेकर 23 अगस्त से निकायकर्मियों की जारी हड़ताल के समर्थन में बुधवार को कोडरमा हनुमान मंदिर चौक से कोडरमा बाजार होते हुए नगर पंचायत कार्यालय तक सफाई कर्मियों ने जुलूस निकाल नारेबाजी की.

विकास के नाम पर प्रखंड की जनता को सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा

कुंदा के कई विभाग चतरा व प्रतापपुर प्रखंड से संचालित

अभिमन्यु सिंह। चतरा

जिले के कुंदा प्रखंड को बने 29 वर्ष पूरा हो चुका है, परंतु विकास के नाम पर प्रखंड की जनता को सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है. कुंदा प्रखंड आज भी अपनी स्थिति पर बदहाली की आंसू बहा रहा है. इस प्रखंड का गठन झारखंड बिहार संयुक्त राज्य के कार्यकाल में (ग्रामीण विकास मंत्री रमई राम, बिहार सरकार) में 18 अगस्त 1995 को की गई थी. तब से लेकर आज तक पूर्ण रूप से प्रखंड में कई विभागों का संचालन नहीं हो रहा है. बाल विकास परियोजना, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, विद्युत विभाग, कल्याण विभाग, कृषि विभाग सहित कई अन्य विभागों का संचालन मुख्यालय से नहीं हो रहा है. इन सभी विभागों का संचालन फिलहाल प्रतापपुर और जिला मुख्यालय चतरा से हो रहा है. वैसे में प्रखंड के ग्रामीणों को इन विभाग से अपने कार्यों का निष्पादन कराने में पसीना छूट रहे हैं.

मजे की बात तो यह है कि सांसद हो या विधायक कोई भी ग्रामीणों की इस बड़ी समस्या पर आज तक कोई ध्यान नहीं दिया. यही वजह है कि इन विभागों का संचालन आज भी प्रतापपुर और चतरा से हो रहा है. इसके अलावा कई विभाग तो अतिरिक्त प्रभार के भरोसे चल रहा है. प्रखंड के विकास का बात की जाय तो कुंदा प्रखंड में कुल 25 हजार मतदाता है, जो प्रखंड के 78 गांवो में फैले हैं. विकास की कहानी ऐसी है कि लगभग 10 करोड़ की लागत से गांव गांव में पेयजलापूर्ति के लिए जल नल योजना लगाया जा रहा है. निर्माण कार्य अत्यंत घटिया स्तर से किए जाने के कारण कम समय में बेकार साबित हो रहे हैं. कई गांवों में सोलर आधारित जल मीनार का निर्माण कराया गया है, परंतु अधिकतर जलमीनार से जलापूर्ति बंद है. जल नल योजना को लेकर कई बार जनप्रतिनिधि द्वारा उपायुक्त को आवेदन दिया गया है लेकिन इस ओर ध्यान नहीं है.

शिक्षा व खेल की बात करें तो प्रखंड मुख्यालय सहित किसी भी पंचायत में एक स्टेडियम भी नहीं है. ऐसे में यहां के खेल प्रेमियों को कुंठित मन से खेल के प्रति अपनी प्रतिभा को निखारना होता है. स्वास्थ्य की सुविधा के लिए ग्रामीणों को आज भी प्रतापपुर जाना पड़ता है. प्रखंड के करीब 50 हजार की आबादी को आज भी चतरा, पलामू, हजारीबाग, रांची व बिहार के गया, पटना पर निर्भर रहना पड़ता है.

प्रतापपुर का मुख्य मार्ग गढ्ढे में तब्दील, आवागमन में परेशानी

प्रतापपुर का मुख्य सड़क गड्ढे में तब्दील.

चतरा। प्रतापपुर मुख्य मार्ग महावीर चौक से राजागढ़ जाने वाले मुख्य सड़क इन दिनों गढ्ढे में तब्दील हो गया है. सड़क में गड्ढा होने के कारण पानी जमा रहता है, जिससे सड़ांध बदबूदार दुर्गंध निकलती है. इससे सड़क पर आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. सबसे ज्यादा परेशानी पैदल चलने वाले लोगों को हो रही है. लोगों को गंदे पानी में घुसकर आवागमन करना पड़ रहा है. दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों को भी काफी कठिनाई से इस सड़क से गुजरना पड़ता है. इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि प्रतापपुर के राजागढ़ जाने वाली सड़क पुरी तरह से जर्जर हो गई है. सड़क में बड़े-बड़े गढ्ढे हो गए हैं. गढ्ढे में दो फीट तक पानी जमा हो जाता है, जिससे आने-जाने में काफी परेशानी होती है. महिलओं को पूजा करने के लिए इसी गंदी सड़क से होकर मंदिर जाना पड़ता है. ग्रामीण इस समस्या से कई बार स्थानीय विधायक सह मंत्री व सांसद को अवगत कराया है, लेकिन अभी तक सड़क नहीं बनाई गई है. प्रतापपुर के बभने मोड़ से अरविंद सिन्हा, झलक देवी चौक से राधेश्याम प्रसाद, महावीर मंदिर से कारूडीह गेट, प्रखंड कार्यालय मुख्य द्वार से डाक बंगला, पान्डे गुम्टी से राजागढ़ तक के सड़क पुरी तरह से जर्जर है. ग्रामीण उपरोक्त सड़को को डीएमएफटी से बनवाने की मांग उपायुक्त, से की है.

विभावि में आचार्य विनोबा भावे की 129वीं जयंती मनाई गई

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में बुधवार को आचार्य विनोबा भावे की 129वीं जयंती मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने की. इस अवसर पर दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ अमित कुमार सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ अजय बहादुर सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ मृत्युंजय प्रसाद, दर्शनशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ विजय कुजूर, शोधार्थी महेंद्र पंडित, धर्मेंद्र कुमार, रवि कुमार विश्वकर्मा, विकास कुमार रवि, अंजन लकड़ा, विजय चौधरी, मोहम्मद फजल, अनिल रविदास आदि उपस्थित थे. 1992 में स्थापित विश्वविद्यालय विनोबा भावे के नाम पर स्थापित देश का इकलौता विश्वविद्यालय है.

राज्यपाल संतोष गंगवार से मिले सांसद मनीष जायसवाल

राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात करते सांसद मनीष जायसवाल.

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को शिष्टाचार मुलाकात की. जायसवाल की उनसे यह मुलाकात गिरिडीह जिले के मधुबन मोड़ के चिरकी के समीप हुई. ज्ञात हो कि उक्त मुलाकात सांसद मनीष जायसवाल आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव से संबंधित प्रत्याशियों के चयन हेतु भाजपा संगठन के निर्देश पर अपने संगठनात्मक दायित्व निर्वहन के लिए दुमका जाने के क्रम में हुई.

चितरपुर इंटर कॉलेज परिसर में हुआ करमा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

विधायक के साथ जमकर थिरकीं शिक्षिकाएं व छात्राएं

संवाददाता। रामगढ़

करमा महोत्सव के दौरान छात्राओं और महिलाओं के साथ सुनीता चौधरी.

चितरपुर इंटर कॉलेज परिसर में बुधवार को कॉलेज परिवार और छात्र आजसू द्वारा करमा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. बतौर मुख्य अतिथि विधायक सुनीता चौधरी ने इसका उद्घाटन किया. मौके पर उन्होंने कहा कि करमा पर्व झारखंडी संस्कृति की एक पहचान है. इस पर्व को पूरे भारत में फैलाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि यह एक प्राकृतिक पर्व भी है. इसमें बहनें अपने भाई की लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि के लिए करमा पेड़ की पूजा करती हैं. इससे पूर्व मुख्य अतिथि के यहां पहुंचने पर प्राचार्या डॉ संज्ञा एवं रणवीर सिंह ने संयुक्त रूप से बुके देकर स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन प्रो सुरेंद्र कुमार व निरंजन महतो ने किया. मौके पर आजसू के सह प्रभारी सुबीन तिवारी, मनोज कुमार महतो, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार गिरि, प्रखंड अध्यक्ष लालू महतो, श्रवण चित्रा, कृष्णा कुमार, दीपेश देव, विजय साव सहित कॉलेज के सभी शिक्षकों के अलावे सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

भ्रष्टाचार देश के समग्र विकास में प्रमुख बाधा है : आशीष झा

निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र-छात्राएं.

संवाददाता। रामगढ़

रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में सीसीएल रजरप्पा के द्वारा चलाये जा रहे सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत स्टाफ अधिकारी (खनन) पीके रामदास के निर्देशन में बुधवार को विद्यालय में भ्रष्टाचार के विरुद्ध सतर्कता जागरूकता पर आधारित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र के नोडल पदाधिकारी आशीष झा ने कहा कि हमारे देश के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक विकास में भ्रष्टाचार प्रमुख बाधा है. इसके खिलाफ सरकार, नागरिक और निजी क्षेत्र के लोगों को एकजुट होकर प्रयास करना होगा. तभी हम भ्रष्टाचार को खत्म कर सकते हैं. भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ने के लिए हर नागरिक को सत्यनिष्ठा, सतर्कता और ईमानदारी का दृढ़ निश्चय करना होगा.

डाक सेवा को जन सेवा के रूप में स्थापित करना हमारा संकल्प : ब्रजेश

गुरहेत में डाक चौपाल का आयोजन

संवाददाता। हज़ारीबाग

डाक चौपाल के दौरान डाक विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य.

भारतीय डाक विभाग की ओर से गुरहेत पंचायत भवन में बुधवार को डीसीडीपी के तहत डाक चौपाल का आयोजन किया गया. इस अवसर बतौर मुख्य अतिथि सहायक डाक अधीक्षक (सेंट्रल) ब्रजेश कुमार पासवान उपस्थित हुए. उन्होंने बताया कि डाक चौपाल डाक विभाग की एक ऐतिहासिक पहल है. इसका उद्देश्य आवश्यक सरकारी और नागरिक केंद्रित सेवाओं को सीधे ग्रामीण क्षेत्रों में लाना है, जिससे पहुंच और सुविधा में सुधार होगा. हमारा संकल्प डाक सेवा को जन सेवा के रूप में स्थापित करना है. यह तभी संभव है, जब हम आम जन के बीच उपस्थित होंगे. डाकघर में डाकघर बचत खाता, आवर्ती जमा खाता, टाइम डिपॉजिट खाता, सुकन्या समृद्धि खाता, महिला सशक्तिकरण खाता में सुरक्षित निवेश कर सकते है. ग्रामीण/डाक जीवन बीमा कम प्रीमियम पर अधिक बोनस देता है. 0 से 5 वर्ष के बच्चों का आधार नामांकन व आधार मोबाइल अपडेशन की सुविधा सभी ग्रामीण डाकघर में उपलब्ध है. सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से दिए जाने वाली सहायता जैसे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, पीएम किसान, गैस सब्सिडी, स्कॉलरशिप, आवास योजना, मंईयां सम्मान योजना आदि का लाभ डाकघर बचत खाता पर उपलब्ध है. इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के 18 से 65 वर्ष के खाताधारक 320 रुपये में पांच लाख, 549 रुपये में 10 लाख, 749 रुपये में 15 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं. मौके पर डाक अधिदर्शक राजीव कश्यप, डाक सहायक प्रियम राज, प्रियांशु ठाकुर, संजीत यादव, आशीष पांडे, जितेंद्र कुमार, दामोदर यादव, अविनाश हेम्ब्रम, प्रीति कुमारी, अंजलि राय, रेखा देवी, डींकी राज, कालीचरण राम, रोबिन कुमार रौशन, प्रभात कुमार, राजेन्द्र यादव आदि उपस्थित थे.

सेवई उत्तरी में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

बीडीओ ने कहा- ग्रामीणों को मिल रहा है योजनाओं का लाभ

संवाददाता। रामगढ़

चितरपुर प्रखंड की सेवई उत्तरी पंचायत सचिवालय में बुधवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद चितरपुर बीडीओ ज्ञानमनी एक्का व विशिष्ट अतिथि सेवई उत्तरी मुखिया कुलदीप सिंह संयुक्त रूप से किया. इस दौरान ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई. साथ ही कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट निपटारा भी किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकार आपके द्वार पहुंची हुई है. गरीबों के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं लाई है. इनका लाभ लेकर सभी लोग स्वावलंबी बन सकते हैं. उन्होंने वहां लगे स्टॉलों का भी निरीक्षण किया. मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी चित्रा सिंह मुंडा, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी रविंद्र महतो मौजूद थे.

अच्छी पहल आईसेक्ट विश्वविद्यालय में हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन, डॉ. मुनीष गोविंद ने कहा

स्वस्थ जीवनशैली के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच आवश्यक

संवाददाता। हजारीबाग

शिविर में 100 से अधिक लोगों का किया गया हेल्थ चेकअप किया गया.

नियमित स्वास्थ्य जांच हमें अवश्य कराना चाहिए. इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के शुरुआती लक्षणों का पता चलता है बल्कि समय पर इलाज भी संभव हो पाता है. साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में भी मदद मिलती है. उक्त बातें आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग की ओर से मुख्य कैंपस परिसर में आयोजित हेल्थ चेकअप कैंप के उद्घाटन के दौरान कही. उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच से हम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं. बता दें कि डॉ आलोक राय की निगरानी में विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग की ओर से आयोजित हेल्थ चेकअप कैंप में प्राध्यापक-प्रध्यापिकाओं, कर्मियों व विद्यार्थियों समेत 100 से अधिक लोगों का हेल्थ चेकअप किया गया, जिसमें बी.पी., ऑक्सीजन लेवल, पल्स रेट, बीएमआई, डायबिटिज व अन्य की जांच की गई. डॉ आलोक ने बताया कि बीपी, डायबीटिज जैसी बीमारियां अब आम हो गई है और 40 वर्ष से अधिक उम्र की एक बड़ी आबादी अब इसके गिरफ्त में आता जा रहा है. ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य के मद्देनजर आवश्यक है. उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में लोगों की दिनचर्या भी बीमारियों को पांव पसारने का भरपूर मौका दे रहें हैं, ऐसे में स्वास्थ्य की देखभाल को लेकर जागरूकता भी जरूरी है. उन्होंने बताया कि जल्द ही विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग की ओर से कुछ गांवों में भी हेल्थ चेकअप कैंप लगाए जाएंगे और लोगों को इसे लेकर जागरूक किया जाएगा. डीन एडमिन डॉ एसआर रथ व वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार ने भी नियमित स्वास्थ्य जांच को महत्वपूर्ण बताया और इस ओर सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया. कैंप को सफल बनाने में फार्मेसी विभाग के डॉ आलोक राय के अलावा यशवंत कुमार, रोहित लाल, कुंवरजीत कुमार, अमित कुमार सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

खास बातें

- 100 से अधिक लोगों का किया गया हेल्थ चेकअप
- बीपी और डायबीटिज जैसी बीमारियां अब आम हो गई

प्रखंड के मोन्या तथा गजवा पंचायत सचिवालय में लगा सरकार आपके द्वार शिविर

पठन-पाठन सामग्री और परिसंपत्तियों का वितरण

संवाददाता। चतरा

शिविर में छात्रों को दिए गए शिक्षण किट के साथ छात्र.

प्रखंड के मोन्या तथा गजवा पंचायत सचिवालय में मंगलवार को सरकार आपके द्वार शिविर आयोजित किया गया. इसमें पंचायत के सभी विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच पठन-पाठन सामग्री, विद्यालय किट सहित पंचायत के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ अजय कुमार दास तथा संचालन मुखिया अमरेश कुमार द्वारा किया गया. मौके पर मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष किशोर यादव, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि प्रमोद कुमार मौजूद थे. इस दौरान बीडीओ एवं मुखिया ने कुल 209 समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान किया. ग्रामीणों द्वारा सभी विभागों में कुल 826 आवेदन दिए गए. वहीं गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशु की क्रमशः गोद भराई व मुंह जूठी कार्यक्रम किया गया. जेएसएलपीएस समूह की महिलाओं के बीच चेक का वितरण किया गया. पौधे व बीज वितरण के साथ सरकार की योजनाओ की जानकारी दी गई. शिविर में सीआरपी राजीव रंजन कुमार अग्रवाल, शिक्षक रंजीत दास, बीरेंद्र राम, आनंद कुमार, मुकेश सिंह, सुचित कुमार, सतेंद्र यादव, रामाकांत पाठक, बीपीएम अभिषेक कुमार, चितरंजन सिंह, ऑपरेटर गौतम, सुनिल, चंद्रकांत, छोटू कुमार, नाजिर अख्तर, जेई श्रवण कुमार, प्रदीप कुमार, परमेंद्र कुमार, रामू साव, अरबिंद तिवारी, सुरेंद्र, अशोक प्रजापति मौजूद थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धार्मिक यात्रा का योग है. समय बहुत ही अनुकूल है. धर्म-कर्म में मन लगेगा. स्वास्थ्य की चिंता समाप्त होगी. निवास संबंधी समस्या रह सकती है. कुसंगति से बचें. कर्ज लेना पड़ सकता है. वस्तुएं संभालकर रखें.

वृष समय सामान्य है. किसी से वैचारिक मतभेद हो सकता है. सोचे कार्यों में सफलता मिलेगी. अवसरों को न जाने दें. परिवार के सदस्यों से मतभेद हो सकते हैं. लेनदारी वसूल होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा.

मिथुन कार्यस्थल पर किसी से विवाद हो सकता है. आजीविका संबंधी चिंता का समाधान होगा. ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी. नई योजना बनेगी. मान-सम्मान मिलेगा. कार्यसिद्धि होगी. आपकी कार्यकुशलता से व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क धन का आगमन होगा. कार्य में तरक्की की संभावना बढ़ेगी. रुका पैसा मिलेगा. पूजा-पाठ में मन लगेगा. कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. घर-बाहर तनाव रहेगा. व्यापार में लाभप्रद होगा.

सिंह माता का सेवा में समय दे. शिक्षा में बदलाव होने की संभावना है. प्रापर्टी के विवाद हल होंगे. आजीविका में आने वाली रुकावटें दूर होने के योग हैं. यात्रा में सावधानी रखें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें.

कन्या संतान के कार्यों से असंतोष रहेगा. मित्रों से अनबन होगी. सामाजिक सम्मान में कमी आएगी. वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है. कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे. शारीरिक कष्ट संभव है. गणेश जी को लड्डू का भोग लगावें.

तुला आर्थिक स्थिति संतोषप्रद रह सकेगी. आशा-निराशा की स्थिति रहेगी. अपने खर्च, लेन-देन पर नियंत्रण रखें. ऐश्वर्य पर खर्च होगा. भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी. रोजगार मिलेगा. पुराने मित्र से मुलाकात होगी. मंदिर में झाड़ू दान करें.

वृश्चिक विरोधियों पर विजय और रुके धन की प्राप्ति हो सकती है. शिक्षा के क्षेत्र में वांछनीय प्रगति होगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. विद्यार्थी वर्ग सफल रहेगा. लेन-देन में सावधानी रखें. संकटमोचन का पाठ करें.

धनु समाज में पूछ-परख बढ़ेगी, पर समय सामान्य है. दुःखद समाचार मिल सकता है. विवाद न करें. मेहनत अधिक, लाभ कम होगा. काम-धंधे की चिंता से मन उदास होगा. परिवार में कलह, क्लेश का माहौल रहेगा. सतर्कता रखें.

मकर आय के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. कोई बड़ा प्रयास सफल रहेगा. मान-सम्मान मिलेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. पैतृक संपत्ति के क्षेत्र में उन्नति होगी. विभिन्न स्रोतों से धन लाभ होने के योग हैं. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं.

कुंभ दिन बहुत ही उत्तम है. शुभ समाचार मिलेंगे. मान बढ़ेगा. धनार्जन होगा. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. अध्यात्म और विज्ञान में रुचि बढ़ेगी. नौकरी, राजनीति के क्षेत्र में भाग्योदय की संभावना है. घर में मांगलिक आयोजन होंगे.

मीन पिता से लाभ होगा. सरकारी कार्य में गति मिलने से मन खुश होगा. वाहन की गति पर नियंत्रण रखना जरूरी है. आर्थिक उन्नति संबंधी शुभ समाचार प्राप्त होंगे. साझेदारी व्यवसाय में इच्छित लाभ के योग बनेंगे. अन्न दान करें.

81 विस सीटों को लेकर हुई रायशुमारी

जमीनी स्तर पर उम्मीदवारों की पकड़ को आंक रही भाजपा

- हर विधानसभा क्षेत्र से तीन उम्मीदवारों के नाम लिख कर बॉक्स में डाला गया

प्रमुख संवाददाता। रांची

प्रदेश बीजेपी उम्मीदवारों के चयन के लिए फूंक-फूंक कर कदम रख रही है. हर विधानसभा क्षेत्र में जमीन स्तर में पकड़ रखने वाले नेताओं का आकलन किया जा रहा है. बुधवार को राज्य के सभी 81 विधानसभा सीटों में संभावित उम्मीदवारों लेकर रायशुमारी की गई. जानकारी के अनुसार हर विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से उम्मीदवारों की जानकारी ली गई. हर विधानसभा क्षेत्र से एक पदाधिकारी और एक कार्यकर्ता से अधिकतम तीन संभावित उम्मीदवारों के नाम मांगे गये. उम्मीदवार के नामों की सूची को बॉक्स में डाले गये.

नाम चयन में इनको मिला मौका : उम्मीदवारों के नाम चयन में जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, मंडल पदाधिकारी, मंडल और मोरचा के अध्यक्ष व महामंत्री, पूर्व जिलाध्यक्ष, प्रदेश के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश के प्रकोष्ठ, संयोजन सह संयोजक के साथ जिला मोरचा के पदाधिकारियों को उम्मीदवारों का नाम देने का मौका मिला.

विधानसभा स्तर पर बनाई गई दो-दो टीम : उम्मीदवारों के नाम चयन की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विधानसभा स्तर पर दो-दो टीम बनाई गई. अब हर सूची की स्क्रीनिंग होगी, जिसमें यह देखा जाएगा कि किस विधानसभा के लिए टॉप थ्री में कौन-कौन से नाम है.

सील बंद बक्सा को प्रदेश कार्यालय में सौंपा जाएगा : अब सील बंद बक्सा को प्रदेश कार्यालय को सौंपा जाएगा. इसके बाद प्रदेश स्तर के नेता प्रत्येक विधानसभा से आए नामों को शॉर्ट लिस्ट करेंगे. फिर इन नामों पर प्रदेश चुनाव समिति मंथन करेगी. इसके बाद इसे केंद्रीय चुनाव समिति के पास भेजा जाएगा.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखा पत्र, कहा-

इलाज के अभाव में आदिम जनजातियों की हो रही मौत

- प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति दिन-ब-दिन होती जा रही बदतर
- जांच कमेटी का गठन कर मौत के रहस्यों को सार्वजनिक करें

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल दिन-ब-दिन बदतर होता जा रहा है. आए दिन आदिवासी खासकर विलुप्त हो रहे आदिम जनजाति समाज के भाई-बहनों की मौत इलाज के अभाव में हो रही है. प्रशासन जिम्मेदारी लेने के बजाय एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहा है.

साहिबगंज की घटना का किया जिक्र : बाबूलाल ने साहिबगंज की घटना का जिक्र करते हुए कहा है कि सिमरिया गांव निवासी आदिम जनजाति पहाड़िया मथियम मालतो की छह साल की बेटी गोमदी पहाड़िन, जो डेंगू से पीड़ित थी, की इलाज के अभाव में अपनी जान चली गयी. पिता डॉक्टरों की तलाश में इमरजेंसी से लेकर ओपीडी तक भागते रहे, मगर कहीं भी डॉक्टर नहीं मिले, जिसके कारण पिता की गोद में ही बच्ची ने अपना दम तोड़ दिया.

दुमका की घटना का किया उल्लेख : बाबूलाल ने दुमका की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि गोपीकांदर प्रखंड के कुंडा पहाड़ी गांव विलुप्तप्राय पहाड़िया जनजाति की 19 वर्षीय गर्भवती महिला प्रिंसिका महारानी की समय पर एंबुलेंस और इलाज न मिल पाने के कारण जान चली गई. तीसरी घटना जामताड़ा जिले के करमाटांड प्रखंड के नेंगराटांड गांव की है, जहां अज्ञात बीमारी से पिछले 22 दिनों के अंदर आदिम जनजाति (पहाड़िया) परिवार के 8 सदस्यों की मौत हो गयी है. अभी भी 10 से अधिक लोग अलग अलग बीमारी से ग्रसित हैं.

स्वास्थ्य विभाग लूट खसोट में लिप्त : पत्र में कहा है कि झारखंड में समय पर इलाज न हो पाने के कारण आए दिन प्रदेशवासियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है. स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह लूट-खसोट में लिप्त है. पैसे लेकर डॉक्टरों को मनचाहा पोस्टिंग देकर स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित कर रही है. दूर-दराज के स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों का पदस्थापन नहीं रहने के कारण मरीज इलाज नहीं करा पा रहे हैं.

मौत के रहस्यों को करें सार्वजनिक : बाबूलाल ने सीएम से आग्रह किया है घटनाओं का संज्ञान लेते हुए एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन कर मौत के रहस्यों को सार्वजनिक करें. संलिप्त व्यक्ति,संस्था,डॉक्टर और अस्पतालों पर कड़ी करवाई करें. साथ ही साथ झारखंड के सभी लोगों के लिए इलाज के पुख्ता इंतजाम कराने के लिए समुचित कार्रवाई भी करें.

एनआरईपी का ओपन टेंडर आज

लातेहार। टेंडर मैनेज का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है. पूरे राज्य में ऑनलाइन टेंडर हो रही है. जबकि लातेहार के कुछ विभागों में सिर्फ ऑफलाइन टेंडर किया जा रहा है. ऑफलाइन टेंडर में वैसे ही संवेदकों को शामिल किया जाता है जो किसी खास नेता, उग्रवादी और अपराधियों का वरदहस्त प्राप्त होते हैं.टेंडर मैनेज का खेल इस कदर जारी है कि जिले भर के संवेदकों का जमावड़ा लगा रहता है. टेंडर डालने के पहले यहां सक्रिय उग्रवादियों, अपराधियों, गैंगस्टरों और कतिपय राजनेताओं के के लोगों के द्वारा चुनिंदा लोगों को टेंडर डालने को कहा जाता है. जिसको लेकर ठेकेदारों में काफी भय का माहौल व्याप्त रहता है.

मंत्री ने किया गढ़वा प्रखंड के आधा दर्जन गांवों में जन संवाद, सुनी ग्रामीणों की समस्या, बोले-

जनता की उम्मीदों को पूरा करूंगा

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बुधवार को गढ़वा प्रखंड के आधा दर्जन गांवों में जन संवाद कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी. इस दौरान मंत्री ने गढ़वा प्रखंड के कल्याणपुर पंचायत में धर्मडीहा स्कूल के समीप, कल्याणपुर इमामबाड़ा के मैदान में, जुटी स्कूल के समीप, जाटा पंचायत में करमडीह देवी धाम के समीप, करमडीह जमुआ के समीप, जाटा में छठ घाट के समीप, ढोटी चौक पर मदरसा के समीप, तेनार गांव में शिव मंदिर के समीप तथा पिपरा खुर्द में पुलिस लाइन के समीप आयोजित संवाद में ग्रामीणों की समस्याओं का निदान किया.

मौके पर मंत्री ठाकुर ने कहा कि जनता को झांसा दे कर चुनाव जीत जाना ही जनप्रतिनिधि का काम नहीं है. बल्कि जनता जिस उम्मीद एवं विश्वास के साथ अपना जनप्रतिनिधि चुनती है, उस विश्वास को बरकरार रखते हुए क्षेत्र में जनहित के कार्यों को करना, सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना, क्षेत्र का विकास करना, जनता के बीच हमेशा रहना, उनके सुख-दुख का सहभागी बनना ही जनप्रतिनिधि का कार्य है. पूर्व के जनप्रतिनिधि चुनाव के समय जनता के पास पहुंचकर येन केन प्रकारेन चुनाव जीत जाते थे. उसके बाद पूरे 5 साल जनता को अपनी हाल पर छोड़ देते थे. चुनाव समाप्त होने के बाद क्षेत्र में जनता कभी अपने जनप्रतिनिधि का चेहरा तक नहीं देख पाती थी. परंतु गढ़वा की जनता ने काफी सोच समझकर वर्ष 2019 में उन्हें मौका दिया. तब से वे दिन रात एक कर जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं. प्रतिदिन प्रत्येक गांव और टोला में खुद जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का निदान कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि पूर्व में भी विधायक, मंत्री हुआ करते थे. आज भी वही विधायक आपके सामने है. मंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने साढ़े चार वर्षों के कार्यकाल में जितना काम किया है, उतना पिछले 40 वर्षों में भी गढ़वा विधानसभा में काम नहीं हुआ है.

सरकार राज्य के अंतिम पंक्ति के लोगों को ध्यान में रखकर जनहित की सारी योजनाएं चल रही है. यही कारण है कि आज पूरे गढ़वा में ऐतिहासिक विकास कार्य हो रहा है. पूरे राज्य की जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है.

जनता की समस्याओं को सुनते मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

बोले मंत्री मिथिलेश ठाकुर

गढ़वा की जनता ने काफी सोच समझकर वर्ष 2019 में मुझे मौका दिया. तब से वे दिन रात एक कर जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं

उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में अच्छी तरह से सोच समझकर अपना सेवक चुनें, जो आपके बीच हमेशा रहकर आपके लिए कार्य करता है. वोट के ठेकेदारों के बहकावे में नहीं आना है. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, बैकुंठ सिंह, धनंजय, मंजर, इफ्तेखार, इसहाक, शहाबुद्दीन खां ,जाकिर हुसैन, विजय कुशवाहा, सुरेंद्र कुशवाहा, अनिरुद्ध कुशवाहा, नंदकुमार मेहता, अनिल मेहता, लल्लू कुमार मेहता, असलम अंसारी, दयाशंकर कुशवाहा, विनय कुमार मेहता, सुलेमान अंसारी, वकसू अंसारी, मनोज यादव, रामजवित मेहता, दानी विश्वकर्मा, प्रमोद कुमार, विवेक कुमार, पूर्व मुखिया पप्पू, मुखिया अशोक चंद्रवंशी, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

पर्यावरणीय शर्तों के आधार पर कोर्ट से समय लेकर फॉरेस्ट शर्तों का उल्लंघन कर रहा एनटीपीसी

कन्वेयर सिस्टम से कोयले की ढुलाई कर रहा एनटीपीसी

- महज कुछ सौ मीटर कन्वेयर तीन साल से अधूरा बताना संदेह के दायरे में

ब्यूरो प्रमुख। रांची

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने वन विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखा है, जिसमें राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि महारत्न कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा सड़क मार्ग से कोयले का परिवहन नियम-कानून के अनुसार करे. इसके लिए सरकार को एनटीपीसी को नियम-कानन के तहत कोयले की ट्रांसपोर्टिंग करने का निर्देश दिया गया है. सामाजिक कार्यकर्ता मंटू सोनी ने एनटीपीसी द्वारा नियमों की अनदेखी कर कोयल की गलत तरीके से ट्रांसपोर्टिंग किये जाने की शिकायत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से की गयी थी. सोनी ने एनटीपीसी द्वारा सड़क मार्ग से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग पर रोक लगाने की मांग की गयी है. उनका दावा है कि यह माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और कार्यालय ज्ञापन (ईसी) का दुरुपयोग कर महारत्न पीएसयू द्वारा वन मंजूरी फेज 2 और एनबीडब्ल्यूएल की शर्तों का उल्लंघन है. सोनी ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से शिकायत में बताया कि एनटीपीसी जानबूझ कर सड़क और कन्वेयर सिस्टम द्वारा कोयले का परिवहन कर रहा है.

एक तरफ एनटीपीसी का दावा है कि कन्वेयर सिस्टम का निर्माण कार्य अधूरा है, वहीं दूसरी ओर वह कन्वेयर सिस्टम से कोयले की ढुलाई भी कर रहा है. वहीं, सुप्रीम कोर्ट से पर्यावरण शर्त के आधार पर मात्र कुछ सौ मीटर कन्वेयर सिस्टम का काम पूरा करने करने में तीन साल लग गये और वन क्लेषेत्कर को लेकर वन विभाग द्वारा तय शर्तों का उल्लंघन कर कोयले का परिवहन किया जा रहा है. ऐसा करने के पीछे का मूल कारण कोयले की हेराफेरी बताया जा रहा है. कोयले की हेराफेरी का मामला खान विभाग और वन विभाग द्वारा कोयले के चालान की जांच में पकड़ा भी जा चुका है. एनटीपीसी द्वारा मंत्रालय से कहा गया है कि जब तक कन्वेयर सिस्टम नहीं बन जाता, सिर्फ वहीं तक सड़क मार्ग से कोयला परिवहन की अनुमति दी जाए. महज कुछ सौ मीटर कन्वेयर को अपूर्ण बताकर एनटीपीसी द्वारा सड़क और कन्वेयर सिस्टम दोनों से कोयले की ढुलाई की जा रही है.

समाजसेवी सोनी ने कहा है कि कन्वेयर सिस्टम कुछ सौ मीटर तक अधूरा है और एनटीपीसी तीन वर्षों से पर्यावरण मंजूरी के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय से बार-बार समय ले रहा है. और सड़क मार्ग से कोयला परिवहन की अनुमति केवल उसी स्थान से दी जानी चाहिए, जहां कन्वेयर बेल्ट का निर्माण अधूरा है. सड़क और कन्वेयर दोनों से कोयला परिवहन नहीं किया जा सकता. हाल के दिनों में झारखंड राज्य में अवैध तरीके से कोयला खनन के कारण मानव-हाथी संघर्ष में वृद्धि हुई है, जो चिंताजनकहै. जंगलों में हाथियों के मार्ग को बाधित कर दिया गया है. इस कारण हाथियों के झुंड को अपना मार्ग बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा है. इसके परिणामस्वरूप गांवों पर लगातार हमले हो रहे हैं. इसके अलावा, गांव व शहर की मुख्य सड़कों पर हाथियों को देखा जाना एक आम बात हो गई है. झारखंड की स्थिति एक गंभीर पर्यावरणीय मुद्दे को उजागर करती है, जहां अनियमित कोयला खनन और तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास मानव-हाथी संघर्ष को बढ़ा रहा है. केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्रालय की आरटीआइ प्रतिक्रिया से पिछले पांच वर्षों में ऐसे संघर्षों के कारण 462 लोगों की चिंताजनक मौत का पता चलता है, जिसमें अकेले 2021-22 में हुई 133 मौतें शामिल हैं.

मानदेय भुगतान कराने की मांग को लेकर उत्पाद मंत्री को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। लातेहार

जिले में संचालित सरकारी शराब दुकान के इंचार्ज व सहायकों ने पिछले तीन माह का मानेदय भुगतान कराने की मांग को लेकर प्रदेश के उत्पाद मंत्री बैद्यनाथ राम एवं उत्पाद अधीक्षक, लातेहार को ज्ञापन प्रेषित किया है. उन्होने अपने ज्ञापन में कहा है कि उन्हें पिछले जून, जुलाई और अगस्त माह के मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है. इस कारण उनके समक्ष भीषण आर्थिक तंगी आ गयी है. घर परिवार चलाना मुश्किल हो गया.

उन्होंने बताया कि मानव सेवा प्रदाता कंपनी केएस मल्टीफैसीलिटी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा उनसे कार्य लिया जा रहा है. इस कंपनी के जिला समन्वयक नागेंद्र कुमार, फिल्ड आफिसर गुंजन सिंह व ऑडिटर अक्षत कुमार से मानदेय भुगतान की मांग की जाती है तो वे संतोषजनक जवाब नहीं देते हैं. कर्मियों ने मानदेय भुगतान कराने की मांग की. ज्ञापन सौंपने वालों में अजीत कुमार, सुरज कुमार गुप्ता, चेतन कुमार, नागेंद्र प्रसाद, शशी कुमार, महादेव प्रसाद, आयुष कुमार, विक्रम कुमार, संजय प्रसाद, राहुल कुमार, राजू कुमार, दीपक साहू, राहुल प्रसाद, रविंद्र प्रसाद, सतीष प्रसाद, आदि का नाम शामिल है.

दहेज हत्या के आरोपी पति सास एवं ससुर को उम्र कैद

संवाददाता। लातेहार

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय संजय कुमार दुबे की अदालत ने दहेज हत्या के आरोपी पति, सास एवं ससुर को उम्रकैद की सजा सुनाया है. प्रभारी जिला अभियोजन पदाधिकारी अशोक कुमार दास के अनुसार पल्हेया ग्राम निवासी मधु देवी की शादी 13 अप्रैल 2021 को सुनील सिंह के साथ हुई थी. शादी के बाद ससुराल वाले उससे पैसा और गाड़ी की मांग कर प्रताड़ित करते थे.महज छह माह के भीतर गत 26 सितंबर 2021 को मधु देवी का शव गांव के ही महुआ के पेड़ से लटकता पाया गया था. मधु देवी की माता प्रमिला देवी ने दामाद सुनील सिंह, सास सुष्मिता देवी एवं ससुर सतन सिंह के विरुद्ध दहेज के लिए प्रताड़ित कर हत्या करने का मुकदमा मनिका थाना कांड संख्या 99/ 2021 भादवि की धारा 304 बी के तहत दायर कराया था. अभियोजन पदाधिकारी श्री दास के अनुसार अनुसंधानकर्ता ने 8 फरवरी 2022 को मामले का अनुसंधान कर दहेज का आरोप सत्य पाते हुए अदालत में दहेज लोलूप पति, सास एवं ससुर के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था. इस मामले में अभियोजन ने कुल आठ गवाहों को पेश किया जबकि बचाव पक्ष के द्वारा दो गवाह पेश किए गए. दुबे की अदालत ने गत 11 सितंबर को मृत नव विवाहिता के पति सुनील सिंह, सास सुष्मिता देवी एवं ससुर शतन सिंह को दहेज हत्या का दोषी करार दिया था.

इंडस्ट्री ऑल ग्लोबल यूनियन का दो दिवसीय सम्मेलन संपन्न

बेस मेटल सेक्टर की वर्तमान परिस्थिति पर हुआ मंथन

संवाददाता। किरीबुरु

इंडस्ट्री ऑल ग्लोबल यूनियन द्वारा कोलकाता साल्टलेक में दो दिवसीय सम्मेलन 10 और 11 सितंबर (बेस मेटल सेक्टर इन इंडिया) कोलकाता में हुआ. इसमें दुनिया में बेस मेटल सेक्टर की वर्तमान परिस्थिति, सरकारी नीतियां, मांग, उत्पादन, रोजगार, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति, कांट्रेक्टर वर्कर को ज्यादा से ज्यादा स्थायी रोजगार देना और उसके आश्रित को मेडिकल की सुविधा में बढ़ोत्तरी, बेस मेटल सेक्टर की नवीनतम स्थिति, प्रवासी मजदूर, सुरक्षा आदि कई गंभीर मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही मजदूरों को ट्रेड यूनियन की ट्रेनिंग देना, महिला मजदूर की यूनियन में ज्यादा से ज्यादा संलिप्तता और उसके कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देना, हेल्थ और आईएलओ में मजदूर की अधिकार की चर्चा हुई. सम्मलेन में देश के कई राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए. कार्यक्रम का संचालन इंडस्ट्रियल ऑल के सेक्रेटरी आशुतोष भट्टाचार्य, इंडस्ट्रियल आल साउथ एशिया रीजन और उनके टीम ने किया. सम्मेलन के मुख्य अतिथि आईएनएफएम के सदस्य और ऑल इंडिया स्टील, मेटल एवं माइंस के सेंट्रल जेनरल सेक्रेटरी, इंटक के रघुनाथ पांडेय, एसक्यू जामा, आईएनएफएम के सदस्य और सेंट्रल सेक्रेटरी, इंटक, कोलियरी थे. झारखंड ग्रुप ऑफ माइन्स, बीएसएल से बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन, इंटक के जोनल सेक्रेटरी तूफान घोष, बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन, इंटक, चिड़िया के जोनल सेक्रेटरी नवल किशोर सिंह, ज्वाइंट सेक्रेटरी, क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ, एचएमएस किरीबुरू के रमेश प्रधान, राजेश बेहरा, टेंसा- बरसुवा से एसके सिंह, टाटा स्टील नोवामुंडी माइंस से संजय कुमार दास, एनएमडीसी, छत्तीसगढ़ इंटक, ज्वाइंट सेक्रेटरी आशीष यादव तथा कई राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

पेज 1 का शेष

मणिपुर एक साल से जल रहा...

समाज को तोड़ने वालों को नकारेंमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य तभी आगे बढ़ेगा, जब समाज के सभी वर्ग मिलजुल कर राज्य के विकास के भागीदार बनेंगे. समाज में बिखराव राज्य को कमजोर करता है. ऐसे में मैं आप सभी से यही कहना चाहता हूं कि समाज को तोड़ने वालों की पहचान कर उन्हें नकारें. हमारा प्रयास सभी का सहयोग लेकर इस राज्य की दशा और दिशा को बदलना है.

20 वर्ष बनाम 4 वर्ष में हुए कार्यों का आकलन करें : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद 20 वर्षों में जो कार्य हुए और हमारी सरकार ने विगत साढ़े चार वर्षों में जितने कार्य किए हैं, उसका आप खुद आकलन कर लें. हमारी सरकार ने कोरोना के साथ-साथ कई अन्य चुनौतियों के बीच राज्य के विकास को गति देने का काम करती आ रही है. आज इस राज्य का कोई भी ऐसा घर नहीं है जो सरकार की योजनाओं से वंचित है.

गोड्डा को 29 और देवघर 118 योजनाओं की मिली सौगातें : मुख्यमंत्री ने आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम में गोड्डा एवं देवघर जिले को कुल 339 करोड़ 60 लाख 1 हजार रुपए की 147 योजनाओं का तोहफा दिया. इसमें गोड्डा जिला अंतर्गत 192 करोड़ रुपए की 29 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास शामिल है, जबकि देवघर जिला अंतर्गत 6 करोड़ 81 लाख 66 हज़ार रुपए की 12 योजनाओं का उद्घाटन एवं 159 करोड़ 66 लाख 69 हज़ार रुपए की 106 योजनाओं का शिलान्यास संपन्न हुआ. इस अवसर पर इन दोनों जिलों के हजारों लाभुकों के बीच करोड़ों रुपए की परिसंपत्तियां बांटी गई. इस कार्यक्रम में मंत्री सत्यानन्द भोक्ता, मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह, विधायक प्रदीप यादव, जिला परिषद अध्यक्ष बेबी देवी, पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू, पूर्व विधायक संजय यादव, संताल आयुक्त लालचंद दादेल, पुलिस महानिरीक्षक क्रांति कुमार गड़िदेशी, संजीव कुमार तथा उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

सेमीफाइनल | जेएससीए वीमेंस टी20 लीग: धनबाद ड्रैगंस और रांची रॉयल्स फाइनल में पहुंची

ड्रैगंस ने डायनामोज और रॉयल्स ने टाइटंस को हराया

- टॉस जीतकर दुमका डायनामोज ने 9 विकेट खोकर 80 रन बनाए. दुमका की ओर से सयाली ने 28 और सोनिया ने 27 रन बनाए. वहीं धनबाद की ओर से दुर्गा और आरती ने 3-3 विकेट लिए

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) द्वारा आयोजित झारखंड वीमेंस टी20 लीग में बुधवार को प्रतियोगिता का दोनों सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया. जिसमें धनबाद ड्रैगंस और रांची रॉयल्स ने फाइनल में प्रवेश किया. गुरुवार को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा. जेएससीए मुख्य स्टेडियम में धनबाद ड्रैगंस और दुमका डायनामोज के सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया.

टॉस जीतकर दुमका डायनामोज ने 9 विकेट खोकर 80 रन बनाए. दुमका की ओर से सयाली ने 28 और सोनिया ने 27 रन बनाए. वहीं धनबाद की ओर से दुर्गा और आरती ने 3-3 विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी धनबाद ड्रैगंस ने 4 विकेट खोकर 81 रन बना लिए और मुकाबले को 6 विकेट से जीत लिया. धनबाद की ओर से शशि ने 31 रन बनाए. धनबाद की आरती कुमारी को शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

रांची रॉयल्स ने जमशेदपुर टाइटंस को 10 रनों से हराया

जेएससीए ओवल ग्राउंड में रांची रॉयल्स और जमशेदपुर टाइटंस के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया. टॉस हराकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी रांची रॉयल्स ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 109 रन बनाए. रांची की ओर से रश्मि गुड़िया ने 35 और ईशा केशरी ने 40 रनों की पारी खेली. जमशेदपुर टाइटंस की साक्षी ने 3 और सुधा ने 2 विकेट लिए. दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी जमशेदपुर टाइटंस की टीम 99 रनों पर ढेर हो गई. टीम की ओर से इला ने सर्वाधिक 36 रन बनाए. रांची रॉयल्स की सैंपी और नेहा ने 2 -2 विकेट झटके. ईशा केशरी के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

जूनियर नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में जेएसएसपीएस के खिलाड़ियों ने जीते आठ पदक

- ताइक्वांडो के प्रशिक्षक रमेश गिरी ने कहा कि यह सिर्फ जीत नहीं है बल्कि उन सभी के लिए एक संदेश है कि अगर आप दृढ़ संकल्प लें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है

संवाददाता। रांची

जूनियर नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसायटी (जेएसएसपीएस) के खिलाड़ियों ने 8 पदक जीते. आगरा में 8 से 11 सितंबर तक आयोजित 41वीं जूनियर नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने आठ पदक जीते. इनमे छह स्वर्ण पदक और दो कांस्य पदक शामिल हैं. जेएसएसपीएस के ताइक्वांडो कैडेट - बबिता कुमारी (42 किलो वर्ग), संजना कुमारी (44 किलो वर्ग), ईशा कुमारी (46 किलो वर्ग), अनिशा कुजूर (52 किलो वर्ग), लता कुमारी (59 किलो वर्ग) और अमन मुंडा (59 किलो वर्ग) ने स्वर्ण पदक और शिवानी कुमारी व विकास कुमार मुंडा ने कांस्य पदक जीते. जेएसएसपीएस के ताइक्वांडो के प्रशिक्षक रमेश गिरी ने कहा कि यह सिर्फ जीत नहीं है बल्कि उन सभी के लिए एक संदेश है कि अगर आप दृढ़ संकल्प लें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है. जीत के बाद जेएसएसपीएस के सभी पदाधिकारियों और प्रशिक्षकों ने बधाई दी.

संजीदा सवालों के आरपार

भारतीय लोकतंत्र का यह त्रासद पहलू है कि चुनावों के समय राजनीतिक दल मर्यादा की सीमा का ध्यान नहीं रखते हैं. दो राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही झारखंड और महाराष्ट्र में भी चुनावों का एलान होना है. भारतीय लोकतंत्र की त्रासदी यह है कि चुनावों में जीत के लिए सहकार के मूल्यों की अवहेलना करने में कुछ राजनीतिक दल आगे रहते हैं. भाषा और आरोप में पिछले कुछ सालों से मर्यादा की तमाम सीमाओं का अतिक्रमण हो रहा है. झारखंड में जिस तरह गिद्ध और चील के उदाहरण दिए जा रहे हैं, वे सामान्य नहीं है. बेहतर होता कि ऐसी शब्दावलियों से बचा जाता, लेकिन जिस तरह झारखंड में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का कार्ड खेला जा रहा है और बार-बार सत्तापक्ष के दलों में तोड़फोड़ की बात की जा रही है, उसकी गंभीरता को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. झारखंड सरकार ने चुनाव आयोग को एक पत्र लिख कर भाजपा के दो नेताओं पर राज्य में नफरत फैलाने और अफसरों को धमकाने की शिकायत की है. खबरों के अनुसार चुनाव आयोग ने कहा है कि चूंकि राज्य में अभी आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है, इसलिए वह कुछ नहीं कर सकता. असम के मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री पर नफरत फैलाने को लेकर सरकारी पत्र में शिकायत की गयी है. इससे इतना तो जाहिर होता ही है कि हमारे देश की राजनीति किस मुकाम पर है. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह भी आरोप लगाया है कि विधायकों को खरीदने की लिए थैली खुली हुई है. भाजपा के सह प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा कह चुके हैं कि कांग्रेस के 14 और झामुमो के तीन विधायक उनके संपर्क में हैं. अभी ज्यादा वक्त नहीं गुजरा है, जब झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पाला बदल की घटना को अंजाम दिया गया. सवाल है कि अब चुनाव दरवाजे पर खड़ा है तो इस तरह की बयानबाजी क्यों की जा रही है. पिछले पांच सालों से राज्य में हेमंत सरकार को गिराने के अनेक विफल प्रयास हुए. पूछा जाना चाहिए कि चुनावों में सकारात्मक एजेंडा के साथ उतरने में राजनीतिक दलों को भय क्यों होता है. दलबदल कराने की परिघटनाओं के कारण देश में लोकतंत्र मजबूत तो नहीं ही हुआ है. विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में आरोप लगाया कि भारत में हुए चुनाव नियंत्रित थे. यह एक गंभीर आरोप है. दरअसल महाराष्ट्र में जिस तरह सरकार गिराने का खेल किया गया था, उससे भारतीय संवैधानिक लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंची थी. लोकतंत्र की मर्यादा का हनन जिन मुख्य कारणों से होता है, उसमें दल बदल एक बड़ा कारक है. इसके साथ ही नफरत का जिस तरह का माहौल बना दिया गया है. वह भी राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक गरिमा के लिए खतरनाक है. लोकतंत्र को पटरी पर लाने के लिए न केवल समतल धरातल पर चुनावी प्रक्रिया की जरूरत है, बल्कि राजनीतिक दलों में वैचारिकता भी जरूरी है. समय आ गया है कि विकारों से जल्दी मुक्त हुआ जाए.

> झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह भी आरोप लगाया है कि विधायकों को खरीदने की लिए थैली खुली हुई है. भाजपा के सह प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा कह चुके हैं कि कांग्रेस के 14 और झामुमो के तीन विधायक उनके संपर्क में हैं.

सुभाषित

दिवसेनैव तत् कुर्याद् येन रात्रौ सुखं वसेत् ।
यावज्जीवं च तत्कुर्याद् येन प्रेत्य सुखं वसेत् ।।

दिन भर ऐसा काम करो जिससे रात में चैन की नींद आ सके. वैसे ही जीवनभर ऐसा काम करो जिससे मृत्यु पश्चात सुख मिले. दिन में ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए, जिससे रात में नींद ही गायब हो जाए. इसी प्रकार जीवन में कई ऐसे नीच काम होते हैं, जिनसे मृत्यु के पश्चात दुःख मिलता है.

सियासी तूफान के बीच नई सियासत

कांग्रेस और राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा की बुनियाद में फर्क है. इस फर्क का प्रभाव इनकी राजनीति और राजनीतिक दृष्टि में भी दिखाई पड़ता है; जनता के जीवन-बोध, जीवनयापन के अवसरों और सामाजिक सरोकारों पर भी इसका असर पड़ता है. सियासी तूफान के संकेत मिल रहे हैं. जनता दल यूनाइटेड के नेता केसी त्यागी राष्ट्रीय प्रवक्ता के दायित्व से मुक्त हो गये हैं या कर दिये गये हैं.

• देश-काल

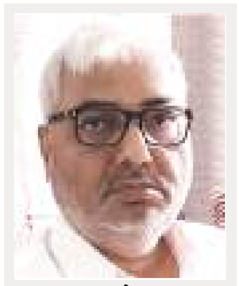

प्रफुल्ल कोलख्यान

अब सामने विधानसभा के चुनाव और आम चुनाव के नतीजों के बाद भावनाओं के ज्वार का नया दौर शुरू हो चुका है. लोकतंत्र की जमीन पर राजनीतिक जख्मों के निशानों को पहचानने की कोशिशें जारी हैं. राजनीतिक मरहम-पट्टी की कोशिशें की जा रही हैं. लेकिन सत्ताधारी दल के प्रवक्ताओं को पूरी छूट है कि वे अपने-अपने राजनीतिक जख्मों की मरहम-पट्टी के साथ-साथ विपक्ष के राजनीतिक जख्मों को कुरेदने की ताक में सावधानी और 'मजबूती' से लगे रहें. जख्मों को कुरेदने की इसी प्रवृत्ति के चलते राजनीति का मौसम फिर दबाव और प्रभाव में है. मूल बात यह है कि भारत के लोकतंत्र के मूल्यों में गिरावट का खतरा अभी भी बना हुआ है. राजनीतिक दलों के लिए लोकतंत्र की अपनी-अपनी 'परिभाषाएं' हैं. राजनीतिक दल अपनी-अपनी विचारधारा के अनुसार लोकतंत्र को परिभाषित करती हैं. लोकतंत्र की उनकी परिभाषा जो भी हो, सवाल यह बनता है कि वह परिभाषा संविधान की मूल भावना की संगति में है या नहीं! मूल्य-बोध का संबंध विचारधारात्मक अवधारणाओं से होता है.

विचारधाराओं में सांस्कृतिक, लोकतांत्रिक, संवैधानिक अवधारणाओं में फर्क से सांस्कृतिक, लोकतांत्रिक, संवैधानिक और नागरिक मूल्य-बोध में फर्क पैदा हो जाता है. कांग्रेस और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा की बुनियाद में फर्क है. इस फर्क का प्रभाव इनकी राजनीति और राजनीतिक दृष्टि में भी दिखाई पड़ता है; जनता के जीवन-बोध, जीवनयापन के अवसरों और सामाजिक सरोकारों पर भी इसका असर पड़ता है.

सियासी तूफान के संकेत मिल रहे हैं. जनता दल यूनाइटेड के नेता केसी त्यागी राष्ट्रीय प्रवक्ता के दायित्व से मुक्त हो गये हैं या कर दिये गये हैं. केसी त्यागी समाजवादी विचारधारा, दल और आंदोलन से जीवन भर जुड़े रहे हैं. समाजवादी आंदोलन और विचारधारा के विभिन्न संस्करण बनते-बिगड़ते रहे हैं. भारत में समाजवादी दल के गठन, विभाजन, विखंडन और विभ्रम के इतिहास में फिलहाल जाना जरूरी नहीं है. फिलवक्त इतना उल्लेख करना ही काफी है कि अभी राष्ट्रीय जनता दल (तेजस्वी यादव), समाजवादी पार्टी (अखिलेश यादव) लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास : चिराग पासवान), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (पशुपति कुमार पारस), जननायक जनता पार्टी (दुष्यंत सिंह चौटाला) और भारतीय राष्ट्रीय लोकदल (अभय सिंह चौटाला) सभी समाजवादी विचारधारा की पृष्ठ-भूमि से जुड़े राजनीतिक दल हैं.

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का व्यक्ति मालिकाना में हो जाना जितना अ-वांछनीय है, उससे कहीं अधिक खतरनाक है दलों का 'स्थाई बहुमत के जुगाड़' के आधार पर जाति आधारित वोट बैंक का व्यक्ति के एकाधिकार में फंस जाना. आज उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव का और बिहार में तेजस्वी यादव के स्थाई बहुमत के जुगाड़ को किसी दूसरे 'यादव' के द्वारा हिलाना तो दूर, छूना भी मुश्किल है. विडंबना है कि अपने राजनीतिक एकाधिकार के जुगाड़ में लगे नेताओं से हमारा लोकतंत्र उम्मीद रखता है कि वे राज्य-शक्ति की एकाधिकार और सर्वसत्तावाद की प्रवृत्ति से जूझेंगे. समाजवादी पृष्ठ-भूमि के नेता केसी त्यागी के नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड के प्रवक्ता के दायित्व से मुक्त होने या किये जाने की घटना को इस परिप्रेक्ष्य में समझना जरूरी है.

एक बहुत ही सशक्त नागरिक आक्रोश और हलचल का राजनीतिक अपचालन करने की भारतीय जनता पार्टी की कोशिश को विफल करने में कामयाब होती दिख रही है. ममता बनर्जी और उनकी तृणमूल कांग्रेस इंडिया अलायंस से जुड़ी हुई हैं.

जाहिर है कि इस घटना के प्रतिवाद और प्रतिरोध की जरूरत और जटिलताओं की संवेदनशीलता को समझना और स्वीकार करना होगा. 'न्याय चाहिए' की गुहार करते हुए यह धरना-प्रदर्शन-आंदोलन पूरी तत्परता से चल रहा है. इस समय पश्चिम बंगाल विधानसभा के विशेष अधिवेशन में यौन हिंसा और हत्या के मामलों में प्रस्तावित नये कानून पर चर्चा जारी है.

यह ठीक है कि सभ्यता के विकास में आगे बढ़ने, आगे बढ़कर जीत का दावेदार बनने, कब्जा करने जैसी प्रवृत्तियों का योगदान रहा है. इस योगदान में भारी उथल-पुथल की भी कोई परवाह नहीं करने की भी प्रवृत्ति रही है. समाज और राज्य व्यवस्था में सहयोगिता-हीन प्रतिद्वंद्विता से निहायत निरीह लोगों की जिंदगी तहस-नहस और तबाह होती रही है.

जिंदगी को तहस-नहस और तबाही से बचाने और साथ ही सभ्यता विकास में निहित बुनियादी प्रवृत्तियों को संतुष्ट करने के लिए खेल प्रतियोगिताओं और भावनाओं का इंतजाम किया गया. सबसे बड़े खेल आयोजन ओलंपिक के इतिहास की खोजबीन की जा सकती है.

जिंदगी को तहस-नहस और तबाही से बचाने में प्रतिद्वंदिता के साथ ही सहयोगिता की भी भूमिका होती है. समाज और राज्य व्यवस्था में स्वस्थ प्रतिद्वंदिता और सहयोगिता में समकारक संतुलन को सुनिश्चित करने के लिए लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का विकास हुआ है. भारत की राजनीति की समस्या यह है कि दल के बाहर सहयोगिता-हीन प्रतिद्वंद्विता के कारण लोकतंत्र का संवैधानिक संतुलन आज पूरी तरह से बिगड़ गया है. राजनीतिक 'प्रतिद्वंद्विता' राजनीतिक दुश्मनी के साथ-साथ सामाजिक वैमनस्य को बढ़ाने और 'सहयोगिता' राजनीतिक रूप से फुसलाने-रिझाने की धूर्त तरकीब बनकर रह गई है वही साम-दाम-दंड-भेद. राजनीतिक दल के भीतर स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता के लिए कोई सम्मानजनक जगह बची नहीं और स्थाई बहुमत के जुगाड़ के लिए समर्थकों को फुसलाने-रिझाने से अधिक सहयोगिता की कोई भूमिका नहीं है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

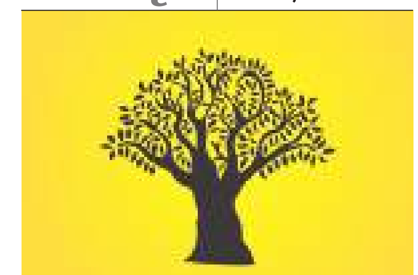

सनातन धर्म का विज्ञान

सनातन धर्म विज्ञान जैसा है. इसे समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और गणितीय तर्क की जरूरत है. इसलिए सनातन धर्म के ग्रंथ को पढ़ते समय सावधानी चाहिए. जैसे उदाहरण के लिए मान लीजिए आप श्रीरामचरितमानस पढ़ रहे हैं. अब आप को कहीं विरोधाभास लगता है. तो समझना चाहिए कि हमारे अर्थ में कहीं समस्या हो रही है. हम सही अर्थ नहीं जान पा रहे हैं. क्योंकि सनातन धर्म रुपी विज्ञान में विरोधाभास नहीं होता है. आधुनिक विज्ञान केवल 'कल्पना और 'परिकल्पना' पर ही आधारित है. यदि इन दोनों को निकाल दिया जाय तो सब कुछ शून्य हो जायेगा.गणित के अध्ययन में जब कोई विरोधाभासी परिणाम आ जाता है. तो हमें अपनी परिकल्पना को सही करना पड़ता है. और कहना पड़ता है कि ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि मेरी परिकल्पना गलत है. यही नियम सनातन धर्म के सद्ग्रंथों यानी श्रीरामचरितमानस पर भी लागू होता है. लेकिन अहिंसा का मतलब यह नहीं है कि कोई हमें जान से मारने पर उतारू हो जाय अथवा अपने देश पर आक्रमण कर दे तो भी हम कहें कि 'परम धरम श्रुति विदित अहिंसा'. इस स्थिति में श्री हनुमान जी के कथन 'जो मोहि मारा तेहिं हम मारे' का पालन करना चाहिए. आधुनिक समय के कानून में यह 'सेल्फ डिफेंस' के अंतर्गत आता है. हनुमान जी ने इस नियम का पालन करके अपनी भी रक्षा कर ली और धर्म की भी. अहिंसा का मतलब यही है कि अनावश्यक हिंसा नहीं करनी चाहिए. अपने स्वार्थ और लाभ के लिए किसी की हिंसा नहीं करनी चाहिए. जहाँ तक संभव हो हिंसा से बचना चाहिए और जब लगे कि अब बिना हिंसा के प्राण नहीं बचेंगे तब इस स्थिति में हिंसा कर सकते हैं. कुलमिलाकर किसी को भी सताना नहीं चाहिए. हिंसा पाप है. अधर्म है. गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं-परनिंदा सम अघ न गिरीसा. वेदों के अनुसार दूसरे की निंदा करने के समान कोई भारी पाप नहीं है. अतः हमें किसी की भी निंदा नहीं करनी चाहिए. सामान्यतः निंदा पीठ पीछे ही की जाती है. लेकिन जब व्यक्ति को पता चलता है कि हमारी निंदा हुई है या की गई है तो उसे पीड़ा होती है. इस प्रकार परपीड़ा के हिसाब से भी यह अधर्म हुआ. जीवन व्यर्थ के काम करने के लिए नहीं बल्कि सार्थक काम करने के लिए मिलता है.

जलवायु परिवर्तन और नाइट्रोजन उत्सर्जन

• जलवायु

ऋतुपर्णं दवे

जलवायु परिवर्तन के लिए जितने भी ज्ञात और चर्चित कारण हैं, उनमें अब नाइट्रोजन भी एक नया नाम बन गया है. ऐसा लगता है कि लंबे समय तक इस पर वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने ध्यान नहीं दिया. सिंथेटिक उर्वरकों के उपयोग, अपशिष्ट जल के निर्वहन और जीवाश्म ईंधन के दहन से बढ़ता नाइट्रोजन का प्रभाव एक बड़ा खतरा है. यह भूमि, जल और वायु को प्रदूषित कर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है और ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाता है. दरअसल, इस सच्चाई तक पहुंचने में साक्ष्य, प्रमाण और वास्तविकताओं से तालमेल बिठाने में लंबा समय लगा. अब खेती-किसानी से लेकर पशुपालन में इसके भरपूर उपयोग को जलवायु परिवर्तन का उतना ही दोषी माना जा रहा है, जितना मानव जनित कॉर्बन डाइऑक्साइड और मीथेन को. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनईपी प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन के बारे में हालिया प्रकाशित फ्रंटियर्स रिपोर्ट बेहद चौंकाती है. साल 2018-2019 में तमाम अध्ययनों के बाद जारी चेतावनी में नाइट्रोजन प्रदूषक को खतरनाक बताया गया. लेकिन वैज्ञानिक अब भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं. यह ऐसा मिश्रण बनकर सामने आया, जो स्वास्थ्य, जलवायु तथा पारिस्थितिक तंत्र यानी ईको सिस्टम के लिए खतरनाक साबित हुआ. इससे जल और वायु दोनों की गुणवत्ता के साथ ग्रीन हाउस गैस संतुलन भी बेहद प्रभावित हुआ. इसने पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया. नाइट्रिक ऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के अलावा खेतों से उत्सर्जित अमोनिया भी इकोसिस्टम में पहुंच, दूसरी रासायनिक क्रियाओं के मेल से अम्लीय वर्षा तक के लिए जिम्मेदार दिखा. एयरकंडीशनर और फ्रिज में भरी जाने वाली गैस हाइड्रोफ्लोरोकार्बन्स यानी एचएफसी गैसें भी नाइट्रोजन ट्राइफ्लोराइड यानी 'एफ श्रेणी की बेहद खतरनाक गैसों' में है, जो पर्यावरण के लिए कितनी खतरनाक है, सर्वविदित है. वैज्ञानिकों ने पर्यावरणीय आंकड़ों के विश्लेषण के बाद जारी हालिया शोध पत्र में कहा कि नाइट्रस ऑक्साइड के उत्सर्जन में हुई भारी वृद्धि खेती-किसानी और पशुपालन गतिविधियों के चलते हुई, लेकिन उतना ही सच यह भी है कि अज्ञानतावश ही इसे रोकने या कम करने की कोशिशें नहीं हुईं. जिस तेजी से सिंथेटिक उर्वरकों और पशुपालन में नाइट्रस ऑक्साइड का उपयोग बढ़ा, दबे पांव उतना ही इसने वायुमण्डल को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया. स्टैनफोर्ड के वैज्ञानिक शोधों से सामने आया कि नाइट्रस ऑक्साइड इतना शक्तिशाली है कि एक पाउंड गैस 114 साल तक एक पाउंड कार्बन की तुलना में वातावरण को लगभग 300 गुना अधिक गर्म करती है. कहीं बेकाबू से बढ़ते तापमान के पीछे यही तो नहीं? वायुमंडल में इतने लंबे समय तक उपस्थिति और इसकी घातकता को समझ पाने में देरी तो हुई. नाइट्रस ऑक्साइड निश्चित रूप से समताप मंडल की ओजोन परत को नष्ट करने के साथ पृथ्वी को अधिक सौर विकिरण के संपर्क में लाकर नुकसान पहुंचाता है, जिससे फसल, मानव व अन्य जीव-जन्तुओं के स्वास्थ्य को गंभीर चुनौती पहुंचती है. इसके उत्सर्जन का लगभग 60 प्रतिशत प्राकृतिक तो 40 प्रतिशत मानवीय गतिविधियों से होता है. वैज्ञानिक अध्ययनों से इतना तो साफ हो गया है कि सन् 2020 के पहले के चार दशकों में ही इस गैस का उत्सर्जन 40 फीसदी बढ़ चुका था और दुनिया बेखबर थी! अब स्थिति यह हो गई कि दो साल पहले यानी 2022 तक वातावरण में नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा उस स्थिति पर पहुंच गई, जो कथित औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से 25 प्रतिशत ज्यादा है. अत्यधिक चिंता यह कि दुनिया में ऐसी तकनीक भी नहीं जिससे वातावरण से इसे हटाया या समाप्त किया जा सके. साल 1980 से 2020 के बीच नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन में 67 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई. इसका कारण नाइट्रोजन आधारित खाद और जानवरों से निकलने वाले अपशिष्ट रहे. इसका खुलासा 58 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के अध्ययन पर आधारित रिपोर्ट 'ग्लोबल नाइट्रस ऑक्साइड बजट' में भी है. अब जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान की चर्चाओं में नाइट्रोजन प्रदूषक भी अहम है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> वैज्ञानिकों ने पर्यावरणीय आंकड़ों के विश्लेषण के बाद जारी हालिया शोध पत्र में कहा कि नाइट्रस ऑक्साइड के उत्सर्जन में हुई भारी वृद्धि खेती-किसानी और पशुपालन गतिविधियों के चलते हुई. लेकिन उतना ही सच यह भी है कि अज्ञानतावश ही इसे रोकने या कम करने कोशिशें नहीं हुईं.

जम्मू-कश्मीर चुनावों के विभिन्न पहलू

• चुनाव

हरिहर स्वरूप

18 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2024 के बीच जम्मू और कश्मीर में दस साल बाद पहली बार विधानसभा चुनाव होंगे - 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के पांच साल बाद पहली बार. 5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनावों के साथ-साथ जम्मू और कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों के लिए भी चुनाव हो रहे हैं, जो राज्य में 1962 के विधानसभा चुनावों के समान हैं - जो केंद्र शासित प्रदेश बन गया है. 1962 के चुनाव उस साल फरवरी और अप्रैल के बीच देश भर में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के साथ-साथ हुए थे. स्वतंत्रता के बाद से जम्मू-कश्मीर का तीसरा चुनाव होने के बावजूद, 1962 के चुनाव भारत के चुनाव आयोग द्वारा पहली बार कराये गये थे. 1962 से पहले, 1957 में जम्मू-कश्मीर के चुनाव या 1951 में संविधान सभा (जम्मू-कश्मीर का संविधान बनाने के लिए चुने गये प्रतिनिधियों का एक निकाय) के चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार नहीं था. 17 नवंबर, 1956 को संविधान सभा ने भारत के संविधान के तहत जम्मू-कश्मीर के संविधान को अपनाया. यह निर्णय 26 जनवरी, 1957 को लागू हुआ, जबकि पूरे भारत में आम चुनाव की तैयारी चल रही थी. हालांकि, 1957 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव भी राज्य के संविधान के अनुसार ही हुए थे, लेकिन उनकी देखरेख सदर-ए-रियासत द्वारा नियुक्त चुनाव आयोग द्वारा की गयी थी. 26 जनवरी, 1960 को चुनाव कार्य को चुनाव आयोग को सौंपने के लिए राज्य के संविधान में संशोधन किया गया. जम्मू-कश्मीर 2024 में होने वाले चुनावों की तरह सुर्खियों में नहीं था. 71 रिटर्निंग ऑफिसर और 40 सहायक रिटर्निंग ऑफिसर चुनावों का प्रबंधन कर रहे थे, और 18 लाख से ज़्यादा मतदाता थे. विधानसभा में सीधे चुनाव से 100 सदस्य थे, लेकिन 25 सीटें खाली रखी गयीं और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के इलाके को परिसीमन से बाहर रखा गया. दिलचस्प बात यह है कि पहले जम्मू-कश्मीर में 67 एकल-सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र और चार दो-सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र थे. लेकिन 1961 में, देश के दूसरे हिस्सों की तरह, दो-सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों को समाप्त कर दिया गया और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए सिफ़र् एक सदस्य वाली सीटों पर ही आरक्षण दिया गया.जम्मू-कश्मीर में भी चार दो-सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों को आठ एक-सदस्यीय सीटों में विभाजित कर दिया गया जिससे कुल सदस्य सीटों की संख्या 75 हो गयी. चुनाव आयोग के लिए 1962 के चुनाव कार्यक्रम को तय करने में सबसे बड़ी बाधा जम्मू-कश्मीर में मौसम था. दूसरी चुनौती यह थी कि इन चुनावों को पूरे भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के साथ-साथ आयोजित किया जाये. हालांकि चुनाव आयोग ने महसूस किया कि बर्फ से ढंके राज्य में चुनाव कराने के लिए अप्रैल सबसे उपयुक्त महीना था, लेकिन जम्मू क्षेत्र में 24 फरवरी को मतदान हुआ, जबकि कश्मीर और लद्दाख क्षेत्रों ने 15 मार्च, 1962 को अपने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रयोग किया. यह निर्णय लिया गया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया 31 मार्च से पहले पूरी कर ली जायेगी. 1957 के विधानसभा चुनावों में, राज्य की प्रमुख राजनीतिक पार्टी जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के उम्मीदवार 43 सीटों पर निर्विरोध चुने गये. उस चुनाव में 75 विधानसभा सीटों में से जेकेएनसीने 69, प्रजा परिषद ने पांच और हरिजन मंडल ने एक सीट जीती. जेकेएनसी का चुनाव चिन्ह कांग्रेस जैसा ही था- एक जूआ ढोने वाले बैलों की जोड़ी. प्रजा परिषद का चुनाव चिह्न उगता हुआ सूरज था, जबकि हरिजन मंडल का चुनाव चिह्न खड़ा हुआ शेर था. 1962 के चुनावों में, जेकेएनसी के उम्मीदवार 34 सीटों पर निर्विरोध चुने गये. 41 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में 140 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा. इन 41 सीटों में से जेकेएनसी ने 36, प्रजा परिषद ने तीन और दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने शेष दो सीटें जीतीं. अन्य दलों की जमानतें जब्त हो गयीं. चार निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ मतदान केंद्रों में गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के कारण नये सिरे से चुनाव कराने का आदेश दिया गया. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> जम्मू-कश्मीर 2024 में होने वाले चुनावों की तरह सुर्खियों में नहीं था. 71 रिटर्निंग ऑफिसर और 40 सहायक रिटर्निंग ऑफिसर चुनावों का प्रबंधन कर रहे थे और 18 लाख से ज्यादा मतदाता थे. विधानसभा में सीधे चुनाव से 100 सदस्य थे, लेकिन 25 सीटें खाली रखी गयीं और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के इलाके को परिसीमन से बाहर रखा गया.

मीडिया में अन्यत्र

बीमा पॉलिसियों के लिए करों में बदलाव

सन् 2024 के आम चुनाव के नतीजों के बाद दूसरी बार बैठक करते हुए, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने बीमा प्रीमियम भुगतान पर 18 फीसदी अप्रत्यक्ष कर लगाने के खिलाफ बढ़ते शोर को थामने की कोशिश की. जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के लिए करों में बदलाव की तत्काल सिफारिश करने के वास्ते मंत्रियों का एक नया समूह इस आश्वासन के साथ गठित किया जा रहा है कि परिषद अपनी रिपोर्ट पर निर्णय लेने के लिए नवंबर में फिर से बैठक करेगी. यह पिछले महीने के उस रवैये की तुलना में एक उल्लेखनीय बदलाव का प्रतीक है, जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में यह कहते हुए इस लेवी का दृढ़ता से बचाव किया था कि राज्य इस राजस्व का एक बड़ा हिस्सा कमाते हैं और इस मामले में केंद्र को निशाने पर लेने वाले सांसदों को इस मसले को राज्यों के मंत्रियों साथ उठाना चाहिए, क्योंकि वे परिषद के निर्णयों में एक पक्ष होते हैं. इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के डेढ़ साल बाद से परिषद के तत्वावधान में बीमा पर जीएसटी शुल्क के मुद्दे पर कम से कम तीन बार पुनर्विचार हुआ, लेकिन हर बार यथास्थिति को ही तरजीह दी गई. इस बार जो बात बिल्कुल जुदा है, वह यह कि खुद सरकार के अपनों ने भी इस भावना को दोहराया है. जहां केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने जैसा है, वहीं टीडीपी और जन सेना पार्टी जैसे भाजपा के अब महत्वपूर्ण सहयोगियों ने भी स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर कर को वापस लेने की मांग की है. शायद सरकार द्वारा चुनाव के बाद जीएसटी के भारी मासिक संग्रह का ढोल पीटने से बचने का फैसला कोई दीगर बात नहीं है, क्योंकि कई लोग इसे उपभोक्ताओं पर उच्च करों के एक जश्न के रूप में देखते हैं. सिर्फ स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम से जीएसटी राजस्व में 2021-22 और 2023-24 के बीच 54 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ, जिससे पिछले साल 8,262 करोड़ रुपये की आमदनी हुई. एक उम्मीद है कि परिषद द्वारा विचार किए गए स्वास्थ्य कवर पर जीएसटी में कोई भी कटौती, मिसाल के तौर पर ग्रुप या वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित या कवर पर एक सीमा के साथ वाली पॉलिसियों के लिए, चयनात्मक या सीमित नहीं है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि वे प्रीमियम के भुगतान के दौरान वास्तविक कटौतियों में तब्दील हो जाएं. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

देश/राष्ट्र

जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, वो भारत देश है मेरा. फिल्म सिकंदर-ए-आजम के लिए लिखा राजेंद्र कृष्ण का यह गीत देश भक्ति की आदर्श अभिव्यक्ति है, जिसे मुहम्मद रफी की मधुर आवाज पराकाष्ठा तक पहुंचा देती है. हम भारतवासियों के बीच आपस में चाहे जितना भी मतभेद हो, लेकिन देशभक्ति की बात हो तो पूरा देश एक है. देश और राष्ट्र दोनों ही तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द हैं. शब्दकोशों ने इन दोनों को एक दूसरे का पर्यायवाची शब्द बताया है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार देश का मतलब है प्राकृतिक आधार पर विभाजित विशिष्ट भूभाग, एक शासन पद्धति के अंतर्गत आनेवाला मुल्क या राष्ट्र, एक राग. वहीं राष्ट्र का अर्थ लिखा है देश, राज्य, वह निश्चित भू-भाग जिसकी अपनी सीमा, जनसंख्या, सेना तथा सरकार हो. इसे अंग्रेजी में नेशन कहा जाता है. दोनों को एक समझे जाने के कारण प्रयोग की दृष्टि से देश और राष्ट्र को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है.इसका समाधान यही है कि दोनों के बीच के अंतर को समझ लिया जाये. राष्ट्र समान विशेषताओं और संस्कृति वाले लोगों का एक बड़ा समूह है. देश एक भौगोलिक क्षेत्र है, जिसकी सीमाएं होती हैं. देश की अपनी राष्ट्रीय सरकार होती है, जबकि राष्ट्र का अपना राष्ट्रीय चरित्र होता है. किसी देश की सीमाएं बदली जा सकती हैं, लेकिन इससे राष्ट्र का अस्तित्व नहीं बदलता. एक देश एक या एक से अधिक राष्ट्रों से मिलकर बना होता है और आमतौर पर इसकी सीमाओं के भीतर दूसरे देश भी होते हैं. इसका एक अच्छा उदाहरण संयुक्त राज्य अमेरिका है. संयुक्त राज्य अमेरिका में 50 अलग-अलग राज्य हैं, जिनमें से हर एक की अपनी सरकार और कानून हैं. राष्ट्र लोगों का एक बड़ा समूह होता है जो धर्म, भाषा, रीति-रिवाज और संस्कृति जैसी समान विशेषताओं को साझा करते हैं. एक राष्ट्र की सीमाएं साझा होती हैं, लेकिन देश की तरह उसकी अपनी सरकार और कानून नहीं होते. इसका एक उदाहरण इंग्लैंड और स्कॉटलैंड होगा. इंग्लैंड और स्कॉटलैंड राष्ट्र हैं, लेकिन उनकी अपनी सरकार और सीमाएं नहीं हैं.

दैविक और भौतिक तापों से बचने के उपाय

• तीर-तुक्का

शशिकांत सिंह 'शशि'

रामराज्य में दैविक प्रकोप नहीं होते थे. सरकार को मुआवजे नहीं बांटने पड़ते थे. खजाने पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ता था. केदारनाथ घाटी जैसी घटनाएं तो हो ही नहीं सकती थी. उन दिनों भगवान भोलेशंकर स्वयं घाटी की रक्षा करते थे. बाद में प्रदूषण के कारण पीछे हट गये. जब पहाड़ों पर व्यापरियों का कब्जा हो गया. कोल्ड ड्रिंक बनाये जाने लगे भगवन ने भी पहाड़ का साथ छोड़ दिया. दैविक प्रकोपों का एक कारण और है स्कूल के सिलेबस में भगवान की जीवनी होनी चाहिए. प्रार्थनाओं में आरती-वंदना तो अनिवार्य कर ही देना चाहिए. वैचारिक विरोध करने वालों को ठीक करने की एजेंसी को और मजबूत करने की जरूरत है. रही बात भौतिक की तो वह कभी नहीं होगी यदि विदेशी पूंजी आये. भारत में ही वस्तुओं का निर्माण हो. वस्तुओं के निर्माण से जो लाभ हो वह पूंजीपति और उद्योगपति के साथ-साथ सरकार को हो. आम जनता की जमीन लेकर पूंजीपतियों को दी जाये ताकि रामराज्य जल्दी से जल्दी आ सके. किसान तो सदियों से खेती करते आ रहे हैं. देश का विकास नहीं हो रहा है. अतः आधुनिक रामराज्य में किसानों की जमीनें छीन कर उद्योगपतियों को दे दी जायें. मालिकाना हक भी उनका न रहे. किसान चाहे तो आत्महत्या करके आवागमन के चक्करों से मुक्त हो सकता है. आम आदमी को दो जून की रोटी और एक वस्त्र चाहिए. उनके लिए भौतिक विकास के कोई मायने नहीं हैं लेकिन नेता, अभिनेता, मंत्री, व्यापारी, अधिकारी और खिलाड़ी इन लोगों को तो बात की बात में हवाई सफर करना पड़ता है. दिन में दस ड्रेस बदलने पड़ते हैं. उनको तीव्र भौतिक विकास की जरूरत है. तुलसीदास जी ने रामराज्य का वर्णन करते हुये लिखा है-रामराज राजत सकल धरम निरत नर-नारि, राग न रोष न दोष दुख सुलभ पदारथ चारि..स्पष्ट है रामराज्य तभी आयेगा जब धर्म को राष्ट्र का प्रधान काम घोषित कर दिया जाये. नागरिकों के लिए धरम का महत्व सबसे बड़ा होना चाहिए. सभी नागरिक धरम में लीन रहें. यही कारण है कि आज के संदर्भ में आवश्यकता अनुसार धर्म परिवर्त्तन अनिवार्य कर देना चाहिए. एक धर्म परिवर्त्तन मंत्रालय बनाकर बाबाओं को मंत्री बना देना चाहिए, ताकि समय-समय पर हिन्दू धर्म वालों को बताते रहें कि उनका परम कर्त्तव्य क्या है. उन्हें कितने बच्चे पैदा करना चाहिए. चार या आठ. इससे देश में धर्म-कर्म बढ़ेगा. राग और रोष तो बिल्कुल ही नहीं रहेगा. राग तो इसलिए नहीं रहेगा क्योंकि जो लोग दूसरे धर्म को मानते हैं उन्हें लगेगा कि यह मेरा देश नहीं है. राग इन परिस्थितियों में उत्पन्न ही नहीं होगा. रोष भी नहीं उपजेगा क्योंकि रोष करने वालों के घर पर पत्थर चलेंगे. उनकी टांग तोड़ दी जायेगी.

लाइफ लाइन

झारखंड के औषधीय वृक्ष

आयुवर्द्धक होने के साथ सूजन, कुष्ठ, उदर रोग में लाभकारी

झारखंड का प्रमुख औषधीय वृक्ष में हर्रे या हरड़े भी है. ये जो फल, पत्र और वृक्ष देख रहे हैं वो मैकलुस्कीगंज के लोकप्रिय आदरणीया किटी मेम साहब के आवास पर लगे वृक्ष से लिया गया है जो लगभग 70 वर्ष पुराना वृक्ष है. इस औषधीय वृक्ष के फल को या वृक्ष को कई नाम से पुकारते हैं. जैसे हरितकी (हर्रे), अभया, पथ्या (पवित्रकारिणी), विजया अर्थात रोग को जीतने वाली, जीवंती अर्थात जीवनदायिनी इत्यादि संस्कृत नाम है. हिंदी में हर्रे या हरड़े और झारखंड में सर्वत्र इसी नाम से जानते हैं. बंगला में हर्त्तकी, लैटिन में टरमिनेलिया चेबुला कहते हैं.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

हर्रे नेत्रों के लिए हितकारी, हल्की, आयुवर्द्धक, शरीर को पुष्ट करने वाली, वायु को शांत करने वाली, श्वास, प्रमेह, बवासीर, कुष्ठ, सूजन, उदर रोग, कृमि, विषम ज्वर, व्रण, वमन, हिचकी को हरने वाली औषधि है.

इसका स्वाद कसैला होता है. शराब का सेवन से मुक्ति पाने के लिए इसके एक छोटे टुकड़े को मुंह में प्रति दिन रखने चाहिए. शराब सेवन की इच्छा मन में नही आएंगी. यदि खांसी लगातार हो रही है तो इसको अग्नि में पका कर छोटे-छोटे टुकड़े कर रख लें और आवश्यकतानुसार एक दो टुकडा को मुंह में धारण करें तो आराम मिलता है. त्रिफला चूर्ण में हर्रे का महत्वपूर्ण योगदान है.

आयुर्वेद के अनुसार हर्रे की सात प्रजाति होती है अर्थात सात तरह के फल प्राप्त होते हैं. पहला विजया, दूसरा रोहनी, तीसरा पूतना, चौथा अमृता, पांचवां अभया, छठा जीवन्ती तथा सातवें को चेतकी कहते हैं. अभयारिष्ट नामक औषधीय दवा में हर्रे से ही बनती है. झारखंड में आज भी इसको एकत्र कर बेचा जाता है.

हरड़े का वृक्ष लगभग 150 फीट तक का होता है. महुआ के पत्तों की तरह ही इनके पत्र दिखते हैं. हरित वर्ण का, बीच बीच में नसें उभरी हुई होती है. पत्तों की औसत लंबाई 6 इंच से 10 इंच और चौड़ाई 1.5 इंच से 2.5 इंच होती है. बसन्त ऋतु में पतझड़ आते हैं और लगभग बीस पच्चीस दिन बाद कोमल कलियां आती हैं. फरवरी -मार्च महीने में मंजूरी देखने को मिलता है और इन मंजूरी से एक विशेष प्रकार का सुगंध वातावरण में पाया जाता है. अक्टूबर नवम्बर माह फल प्राप्त होते हैं. फल से लदे हुए वृक्ष की शोभा अपूर्व होती है. पकने पर पल पीलापन लिए हुए होता है. झारखंड में हरड़े वृक्ष बहुत देखने को मिल जाते थे. आदिवासी गण का जीवन में आय का एक साधन भी था. आजादी के बाद जंगल में औषधीय वृक्ष का सर्वे नही हुआ और ना विशेष संरक्षण प्रोजेक्ट बनाया गया. वृक्षारोपण कार्यक्रम के स्थान पर औषधीय पौधे का वन में ही पहचान कर संरक्षण और संवर्धन पर प्रोजेक्ट बनाया गया होता तो आज औषधीय वृक्ष हर्रे विलुप्त होने के कगार पर नहीं होते.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

फैल रहा मच्छर से यह रोग

डेंगू-मलेरिया और चिकनगुनिया से इतर अमेरिका में एक और मच्छर जनित रोग स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा रहा है जिसे ईस्टर्न इक्वाइन इंसेफेलाइटिस (ईईई) या ट्रिपल ई वायरस के नाम से जाना जाता है.

- **क्या है मामला**

अमेरिका में इस साल मच्छरों की वजह से फैलने वाले दुर्लभ वायरस से मौत भी हुई है. घटना न्यू हैंपशायर की है जहां पिछले एक दशक में ऐसा मामला नहीं आया था. अमेरिका में इस साल ट्रिपल ई वायरस के संक्रमण का यह पांचवां मामला है.

- **यहां हाई अलर्ट**

अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि न्यू हैंपशायर, मैसाच्युसेट्स समेत आसपास के राज्यों में मच्छर जनित ट्रिपल ई वायरस का संक्रमण फैला हुआ है. इन राज्यों को हाई अलर्ट पर रखा गया है.

क्या है ट्रिपल ई वायरस?

ईस्टर्न एक्विन इंसेफलाइटिस वायरस (ट्रिपल ई) की प्रथम खोज 1938 में हुई थी. तब से लेकर अब तक न्यू हैंपशायर में 118 लोग संक्रमित हो चुके हैं. इसकी वजह से अब तक 64 लोगों की मौत भी हो चुकी है. इंसानों में यह वायरस सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर हमला करता है. जिसकी वजह से दिमाग में सूजन आ जाती है. दर्द होता है. यह वायरस कई तरह की पक्षियों की प्रजाति से मच्छरों में होते हुए इंसानों तक पहुंचता है. इस वायरस को आमतौर पर ब्लैक-टेल्ड मॉसक्वीटो लेकर घूमता है. ज्यादातर पूर्वी अमेरिका, मेक्सिको और कैरिबियन में ही इसके मामले सामने आते हैं.

- **संक्रमण के लक्षण**

इसके लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, उलटी आना, डायरिया, सीजर अटैक, व्यवहार में बदलाव, थकान, नींद लगे रहना, फोकस बिगड़ना आदि शामिल है. जांच के लिए लक्षणों पर विचार किया जाता है. रीढ़ की हड्डी में मौजूद मैरो और खून की जांच की जाती है. अगर उनमें एंटीबॉडीज बनी हैं, तो आप संक्रमित हैं.

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डाइटीशियन

क्या आप अपना अतिरिक्त वज़न कम करना चाहते हैं और एक स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना चाहते हैं? अगर हां तो इंटरमिटेंट फ़ास्टिंग को आज़माने पर विचार करें. लेकिन ऐसा करने से पहले, याद रखें कि यह ईटिंग पैटर्न तभी परिणाम देता है जब इसे सही तरीके से किया जाए.

तन-मन को फिट करेगा

इंटरमिटेंट फास्टिंग

इन दिनों रील्स देखते कब समय गुजर जाता, पता भी नहीं चलता. हेल्थ संबंधी भी कई रील्स होते हैं जिसमें कभी वेट लॉस जर्नी के टिप्स शेयर होते हैं तो कभी हेल्दी रेसिपी तो कभी कोई वेटलॉस ईटिंग पैटर्न. इन सबके बीच एक ईटिंग पैटर्न समय की कसौटी पर खरी उतरी है और कई लोगों के लिए इसकी प्रभावशीलता साबित हुई है. जी हां, हम बात कर रहे हैं इंटरमिटेंट फ़ास्टिंग की जिसे कोर्टनी कार्दशियन और जेनिफर एनिस्टन से लेकर मलाइका अरोड़ा और आर माधवन तक ने आजमाया और इसके गुण गाया. आइए आज के अंक में हम जाने कि इंटरमिटेंट फ़ास्टिंग क्या है, इसे कैसे सही तरीके से करें, इसे अपनाने के दौरान किस तरह की चुनौतियां सामने आती हैं और इन्हें कैसे दूर किया जा सकता है?

क्या है इंटरमिटेंट फास्टिंग?

इंटरमिटेंट फास्टिंग खानपान का एक खास तरीका है, जिसमें खाने और उपवास के बीच बारी-बारी से समय-सीमा तय की जाती है. इससे व्यक्ति अपने स्वाद और स्वास्थ्य के बीच बेहतर तालमेल बैठा पाता है और तार्किक तरीके से वजन पर नियंत्रण रख पाता है. इंटरमिटेंट फास्टिंग में क्या खाना है, इस पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, यह आहार पद्धति इस बात पर जोर देती है कि कब खाना है. दिन में कुछ घंटों तक खाने को सीमित करके, आप बिना किसी कमी के कैलोरी की खपत को कम करना आसान पा सकते हैं. इस ईटिंग पैटर्न का उद्देश्य है खाने के समय अंतराल को कम करना और उपवास की अवधि को बढ़ाना ताकि बेहतर मेटाबॉलिज्म रहे.

कितने तरह की इंटरमिटेंट फास्टिंग

इंटरमिटेंट फास्टिंग के कई तरीके हैं जिसमें फास्टिंग और ईटिंग पीरियड यानी खाने और उपवास की अवधि अलग-अलग होती है. आइए, इसके बारे में जानकारी हासिल करें-

16/8 विधि : इसमें 16 घंटे उपवास करना और 8 घंटे की अवधि में खाना शामिल है. यह सबसे लोकप्रिय और तुलनात्मक रूप से आसान तरीका है.

5:2 आहार : सप्ताह में पांच दिन सामान्य रूप से खाएं और दो दिनों में कैलोरी का सेवन लगभग 500-600 कैलोरी तक सीमित रखें.

खाओ-बंद करो-खाओ : इसमें सप्ताह में एक या दो बार 24 घंटे का उपवास शामिल है.

वैकल्पिक-दिन उपवास : इसमें उपवास के दिनों (बहुत कम कैलोरी सेवन) और खाने के दिनों के बीच बारी-बारी से शामिल है. मतलब एक दिन उपवास एक दिन सामान्य खानपान.

वॉरियर या योद्धा डाइट : पूरे दिन के दौरान थोड़ी मात्रा में कच्ची सब्जी या फल का सेवन किया जाता है और केवल रात में इच्छित व भरपूर भोजन किया जा सकता है.

शरीर पर कैसे होता असर

इंटरमिटेंट फास्टिंग शरीर में इंसुलिन लेवल को कम करता है और ग्रोथ हार्मोन उत्पादन को बढ़ाता है. सेलुलर स्तर पर यह ऑटोफैगी को उत्तेजित करता है. ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जो क्षतिग्रस्त कंपोनेंट्स को हटती है. हार्मोन में बदलाव मेटाबॉलिक हेल्थ को बेहतर करता है और इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी हटती है. इस पूरी प्रक्रिया से कोशिकाओं की मरम्मती और कार्य में बेहतरी आती है. इंटरमिटेंट से ग्रोथ हार्मोन जो कि मांसपेशियों के संरक्षण यानि मसल्स प्रिजर्वेशन और फैट मेटाबॉलिज्म में निर्णायक भूमिका निभाता है. कैलोरी सेवन को कम करके और कम इंसुलिन के स्तर और बढ़ी हुई मेटाबॉलिज्म रेट के माध्यम से फैअ बर्निंग को बढ़ावा देकर इंटरमिटेंट फास्टिंग एक प्रभावी वजन घटाने का तरीका हो सकता है.

वजन घटाने के अलावा, यह इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार कर सकता है, सूजन को कम कर सकता है और टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों जैसी पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम कर सकता है. इसके अतिरिक्त, यह विधि मस्तिष्क के स्वास्थ्य को भी बढ़ा सकती है और दीर्घायु को बढ़ाने में योगदान दे सकती है.

सभी के लिए नहीं

बेशक जिनकी दिनचर्या व्यवस्थित है और जो एक खास अवधि में ही खानपान की अनुमित को बिना बेचारा महसूस किए अपना सकते हैं, यह ईटिंग पैटर्न उन्हीं के लिए अनुकूल है. जिन्हें खानपान संबंधी कोई रोग है, कोई खास मेडिकल स्थिति से गुजर रहे हैं, डायबिटीज, हाईपोग्लाइसेमिया, गर्भावस्था हो या फिर बच्चे को अपना दूध पिलाने वाली महिलाएं हों, उनके लिए यह उपयुक्त नहीं हो सकता. बेहतर होगा ऐसी स्थिति में अपने चिकित्सक की सलाह से ही कोई कदम उठाएं.

इसके दुष्प्रभाव भी हैं

भूख सबसे आम समस्या हो सकती है. कुछ लोगों को कम ऊर्जा का स्तर महसूस हो सकता है. खाने के पैटर्न में बदलाव से कब्ज या पेट फूलने की समस्या हो सकती है, और कुछ लोगों के लिए उपवास के दौरान चिड़चिड़ापन (या शायद भूखा रहना) महसूस करना काफी आम बात है. इस आहार पद्धति की नई-नई शुरुआत से कुछ लोगों को सिरदर्द या चक्कर की शिकायत हो सकती है, खासकर अगर वे उपवास के दौरान पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ या इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन नहीं कर रहे हों. कई लोगों में माइक्रो न्यूट्रिशंस की कमी से बालों के झड़ने और अनिद्रा की शिकायत हो सकती है.

क्या है सही तरीका

विशेषज्ञों का कहना है कि इंटरमिटेंट फ़ास्टिंग काफ़ी हद तक आपकी जीवनशैली, व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और स्वास्थ्य लक्ष्यों पर निर्भर करता है. इंटरमिटेंट फ़ास्टिंग का सही तरीका वह है जो आपकी दैनिक दिनचर्या में सहजता से फ़िट हो जाए, जिससे आप निरंतरता बनाए रख सकें और वांछित स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें. कुछ लोग नाश्ता छोड़ना और दोपहर से रात 8 बजे तक खाना पसंद करते हैं, जबकि अन्य लोग रात का खाना जल्दी खाना पसंद करते हैं, रात भर उपवास करते हैं. मुख्य बात है निरंतरता, पोषक तत्वों से भरपूर भोजन चुनना और उपवास के दौरान हाइड्रेशन बनाए रखना ताकि समग्र स्वास्थ्य का समर्थन हो और ऊर्जा का स्तर बनाए रखा जा सके. कुछ आदर्श खाद्य विकल्पों में प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ, नट्स और बीज जैसे स्वस्थ वसा और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ शामिल हैं. इंटरमिटेंट फ़ास्टिंग के हिस्से के रूप में भोजन छोड़ना आम तौर पर सुरक्षित होता है अगर इसे सही तरीके से किया जाए और इससे अत्यधिक कैलोरी प्रतिबंध या पोषक तत्वों की कमी न हो. हालांकि, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि खाया जाने वाला भोजन पौष्टिक और संतुलित हो. याद रखें कि अगर ठीक से प्रबंधित न किया जाए तो भोजन छोड़ने से पोषक तत्वों की कमी, मांसपेशियों की हानि, हार्मोनल असंतुलन, खाने के विकार और ऊर्जा असंतुलन हो सकता है.

मिड नाइट क्रेविंग

पूरे दिन हेल्दी खाना खाने के बाद भी रात की लंबी अवधि का उपवास कई बार परेशान कर सकता है. ऐसे में ये टिप्स मिडनाइट क्रेविंग को नियंत्रित करने में कारगर हो सकते हैं.

हाइड्रेटेड रहें : प्यास को अक्सर भूख समझ लिया जाता है. पानी या हर्बल चाय पीने से लालसा को कम करने में मदद मिल सकती है.

प्रोटीन युक्त स्नैक्स : अगर लालसा बहुत ज़्यादा है, तो एक छोटा, प्रोटीन युक्त स्नैक (जैसे मुट्ठी भर नट्स या उबला हुआ अंडा) आपके उपवास को ज़्यादा प्रभावित किए बिना खाया जा सकता है.

संतुलित भोजन : सुनिश्चित करें कि उपवास अवधि से पहले आपका अंतिम भोजन संतुलित हो, जिसमें प्रोटीन, स्वस्थ वसा और फाइबर शामिल हों, ताकि आप लंबे समय तक भरे रहें.

बेहतर नींद : खराब नींद से लालसा बढ़ सकती है, खासकर मीठे खाद्य पदार्थों के लिए मन ललच सकता है. सुनिश्चित करें कि आपकी नींद का शेड्यूल नियमित हो और नींद के लिए अनुकूल वातावरण हो.

दूसरी तरफ मन लगाएं : अगर लालसा होती है, तो रुकें और आकलन करें कि क्या यह वास्तव में भूख है या बस एक आदत है. पढ़ने या गहरी सांस लेने जैसी गतिविधि से खुद का ध्यान खाने से अलग करें.

दिनचर्या में समायोजन : यदि मध्य रात्रि में भी भूख बनी रहती है, तो अपने उपवास शुरू करने से पहले ईटिंग विंडो में एक और मील या स्नैक शामिल करें..

शुरू करने से पहले

- यह जरूरी है कि आप अपने शरीर की खास जरूरतों को समझें और जाने कि उपवास करने पर कैसी शारीरिक-मानसिक प्रतिक्रिया होती है. अपनी भूख और एनर्जी लेवल के अनुसार ही निर्णय लें.
- हमेशा बहुत ध्यानपूर्वक अपने मील को प्लान करें. ईटिंग विंडो यानी जब आप खाना खा सकती हैं, उस अंतराल में लिए जाने वाले आहार में क्या पोषण है, इस पर ध्यान दें. इस दौरान अस्वास्थकर खाना नहीं खाएं.
- सकारात्मक मानसिकता बनाए रखें और इस जीवनशैली परिवर्तन को अपनाते समय धैर्य रखें. ऐसा करने से दीर्घकालिक सफलता मिलेगी और भोजन के साथ स्वस्थ संबंध को बढ़ावा मिलेगा.
- यदि आप प्रतिकूल प्रभावों का अनुभव करते हैं, तो चिकित्सक या डाइटीशियन से परामर्श करने से न हिचकिचाएं.

जगह पर वापस आएगी नाभि, करें ये योगासन

जगदीश सिंह
योग इंस्ट्रक्टर

भारी वजन उठाने, ऊंची जगह से कूदने, तेज दौड़ने, मानसिक तनाव और अचानक झुकने की वजह से कई बार नाभि खिसकने की समस्या हो जाती है. यह एक पीड़ादायक समस्या है. इसमें नाभि के स्थान पर नाड़ी ऊपर या नीचे खिसक जाती है. इस दौरान पेट में दर्द, दस्त, शरीर में कमजोरी होना बेहद आम है. लंबे समय तक अगर नाभि खिसकने की समस्या रहती है, तो इससे कई दूसरी तरह की समस्याएं जन्म ले लेती हैं जिसमें बीपी, अनिद्रा, तनाव, कब्ज और लिवर सिरोसिस शामिल हैं. अगर आप भी नाभि खिसकने की समस्या से परेशान हैं, तो कुछ योगासनों की मदद से इसे ठीक कर सकते हैं.

नौकासन

लेट जाएं, हथेलियां जमीन पर रहें. गहरी श्वास लेते हुए पैरों, भुजाओं, कंधों, सिर और धड़ को जमीन से ऊपर उठाएं. कन्धों और पैरों को जमीन से 15 सेन्टीमीटर से अधिक ऊपर न उठाएं. शरीर को नितम्बों पर संतुलित करें और मेरुदण्ड को सीधा रखें. दृष्टि पैरों की उंगलियों पर रहे. अन्तिम अवस्था में रहते हुए श्वास रोकें. श्वास छोड़ते हुए धीरे-धीरे जमीन पर वापस आ जायें. यह एक चक्र हुआ. इस तरह 3 से 5 चक्र का अभ्यास करें. प्रत्येक चक्र के बाद शवासन में लेट कर विश्राम करें.

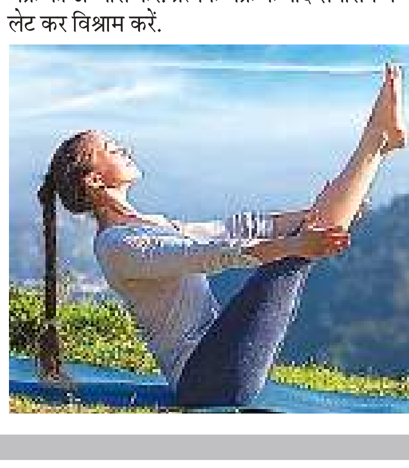

उत्तानपादासन

अल्सर एवं हर्निया से ग्रस्त व्यक्तियों को यह आसन नहीं करना चाहिए.

जमीन पर आराम से लेट जाएं, पैरों की स्थिति सीधी हो और हाथों को बगल में रखें. श्वास लेते हुए घुटनों को बिना मोड़े धीरे-धीरे अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और जमीन से 30 डिग्री का कोण बनाएं. श्वास को रोकते हुए इस अवस्था में 10-30 सेकेंड तक बने रहें. श्वास छोड़ते हुए धीरे-धीरे अपने दोनों पैरों को नीचे लाएं और जमीन पर रखें. इसके बाद उसी प्रकिया से पैरों को 60 डिग्री तक उठाएं. इसे भी तीन बार करें.

अर्धहलासन

पीठ के बल लेट जाएं, दोनों हाथ शरीर के बगल में रखें और हथेलियां जमीन पर हों. श्वास भरते हुए घुटनों को बिना मोड़े धीरे-धीरे अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और जमीन से 90 डिग्री का कोण बनाएं. इस अवस्था में नितंब से कंधे की स्थिति खींची हुई रहेगी. श्वास को रोकते हुए इस अवस्था में 10-30 सेकेंड तक बने रहें. अपने पैरों को 90 डिग्री की स्थिति से धीरे-धीरे वापस जमीन पर लाएं.

अर्ध पवनमुक्तासन

इसे करने के लिए श्वास लेते हुए बाएं पैर को मोड़ते हुए सीने की तरफ ले आएं. दोनों हाथों से इसे पकड़ें. श्वास छोड़ते हुए वापस उसे स्थिति में आए. फिर दाएं पैर से यही क्रिया दोहराएं. ऐसा आपको कम से कम 3 या 5 बार करना है.

सेतुबंधासन

सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं. अपने दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ लें. दोनों हाथों से दोनों टखने को पकड़ लें. श्वास लेते हुए धीरे-धीरे शरीर के बीच वाले हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं और श्वास को रोकें. जितनी देर इस स्थिति में रूक सकते हैं, रूकें फिर धीरे से श्वास छोड़ते हुए वापस आ जाएं.

सुप्त व्रजासन

व्रजासन में बैठ जाएं. अब धीरे-धीरे हाथों को पीछे ले जाते हुए कोहनी को जमीन पर रखते हुए 5-10 सेकेंड होल्ड करें. अब कंधे ओर सिर को जमीन पर टिका दें. जितनी देर होल्ड कर सकते हैं उतनी देर करें फिर पैरों को सीधा कर लें.

सुप्त उद्राकर्षण (मर्कट आसन)

इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं. अपने दोनो घुटनों को मोड़ लें. अब श्वास छोड़ते हुए दोनों पैरों को एक साथ दाईं ओर जमीन की तरफ ले जाएं और सिर को बाईं ओर मोड़ें और फिर श्वास लेते हुए वापस उसी स्थिति में आएं. इसी प्रक्रिया को दूसरी तरफ से भी दोहराएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

श्रीजेश ने श्रीलंका में 2006 के दक्षिण एशियाई खेलों के दौरान अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था

भारतीय हॉकी के वॉल को पीएम मोदी से मिला स्पेशल लेटर

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व भारतीय हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को एक स्पेशल लेटर लिखकर भारतीय हॉकी में उनके अभूतपूर्व योगदान की सराहना की. भारतीय हॉकी के वॉल कहे जाने वाले पीआर श्रीजेश ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया. उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें उनकी रिटायरमेंट पर एक खास पत्र दिया. उन्होंने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मुझे पीएम सर से अपने रिटायरमेंट पर यह खास लेटर मिला. हॉकी मेरी जिंदगी है और मैं इस खेल की सेवा करना जारी रखूंगा. भारत को हॉकी में एक ताकत बनाने की दिशा में काम करूंगा, जिसकी शुरुआत 2020 और 2024 के ओलंपिक पदकों के साथ हो चुकी है. मुझ पर विश्वास दिखाने के लिए पीएम सर का शुक्रिया. श्रीजेश ने श्रीलंका में 2006 के दक्षिण एशियाई खेलों के दौरान अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था. उन्होंने 328 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया. हाल ही में उन्होंने पेरिस ओलंपिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम के साथ लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतकर अपने शानदार करियर का अंत किया. पीएम मोदी के पत्र में लिखा है, सबसे पहले पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर एक और शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई. एक खिलाड़ी के रूप में देश के लिए यह आपका आखिरी मैच था, आपके लिए यह एक बहुत ही भावनात्मक क्षण रहा होगा. मुझे यकीन है कि मैच में जो अंतिम हूटर बजा, वह जीवन के अगले भाग की शुरुआत का 'शंखनाद' था, जिसमें आप जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच होंगे. मुझे यकीन है कि नई भूमिका में आपका काम उतना ही प्रभावशाली और प्रेरणादायक होगा. श्रीजेश 2022 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य भी रहे हैं. साथ ही उन्होंने चार बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है. साथ ही 2015 में एफआईएच हॉकी विश्व लीग फाइनल में कांस्य पदक जीता है. उन्हें 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था. श्रीजेश को 2015 में अर्जुन पुरस्कार और 2017 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया जा चुका है. वह 2022 बर्मिंघम खेलों में रजत पदक और पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे.

भारत ने अबतक 578 टेस्ट मैच खेले हैं

चेन्नई में टेस्ट जीती तो टीम इंडिया बनाएगी नया रिकॉर्ड

एजेंसी। चेन्नई

- 178 टेस्ट मैच जीते और इतने ही हारे भी हैं
- भारत के 222 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं
- चेन्नई टेस्ट जीते तो हार से ज्यादा होगी जीत

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 19 सितंबर से शुरू होने जा रही है. दोनों देशों के बीच अब तक हुई 8 टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को जीत नहीं मिली है. यहां तक कि बांग्लादेश टीम भारत के खिलाफ अब तक एक भी टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है. हालांकि, भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है. पहला टेस्ट जीतकर भारत के पास एक अनोखा करिश्मा करने का मौका होगा. भारतीय टीम ने 1932 में पहली बार टेस्ट मैच खेला था. यह मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ था, जिसमें 158 रन से हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद से अब तक टीम इंडिया ने 578 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें हार और जीत बराबर हैं. भारत ने 178 मैच जीते और इतने ही हारे भी हैं. वहीं, 222 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं. एक मुकाबला टाई पर खत्म हुआ. अगर टीम इंडिया बांग्लादेश को पहले टेस्ट मैच मात देने में सफल रही तो 1932 के बाद से पहली बार ऐसा होगा जब भारत की टेस्ट फॉर्मेट में हार से ज्यादा जीत होंगी. भारत की 179 टेस्ट जीत हो जाएंगी. इस जीत के साथ टीम इंडिया साउथ अफ्रीका की सबसे ज्यादा टेस्ट जीत में बराबरी कर लेगा.

अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट मैच

लगातार बारिश के कारण तीसरे दिन का खेल भी रद्द

एजेंसी। नयी दिल्ली

लगातार बारिश के कारण अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन बुधवार को एक भी गेंद फेंके बिना खेल रद्द कर दिया गया. बुधवार को भी दिल्ली-एनसीआर में बारिश हुई, जिसके कारण मैदान गीला है, और खराब आउटफील्ड के कारण मैच खेलना मुश्किल है. मैदानी अंपायर शर्फुद्दौला और कुमार धर्मसेना ने तीसरे दिन का खेल रद्द करने का फैसला किया, जबकि टॉस अभी होना बाकी था और दोनों टीमें अपने होटलों में ही रुकी हुई थीं.

हालांकि, मैच अभी भी रद्द नहीं हुआ है. मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ पांचवें दिन के पहले सत्र के बाद अंतिम निर्णय लेंगे. इसका मतलब यह भी है कि मैच से कोई नतीजा आने की संभावना बेहद कम है. अफगानिस्तान कैंप की ओर से आधिकारिक अपडेट में कहा गया, लगातार बारिश के कारण अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड मैच का तीसरा दिन रद्द कर दिया गया है. अगर मौसम सही रहा तो कल से मैच 98 ओवर का होगा. इस मैदान पर पहले अफगानिस्तान की टीम के लिए 11 सफेद बॉल वाले मैच आयोजित किए जा चुके हैं, जो दौरा करने वाली टीमों के लिए सुरक्षा चिंताओं के कारण अपने घरेलू मैच विदेश में खेलते हैं. सप्ताह के बाकी दिनों में और अधिक बारिश की भविष्यवाणी के साथ, दोनों टीमों के बीच यह एकमात्र टेस्ट मैच बिना एक भी गेंद फेंके और टॉस हुए बिना रद्द होने वाला कुल आठवां टेस्ट मैच बनने के कगार पर है. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले कहा था कि उन्हें इस टेस्ट की मेजबानी के लिए कानपुर और बेंगलुरु की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने ग्रेटर नोएडा को इसलिए चुना क्योंकि अन्य दो स्थानों का उपयोग बीसीसीआई मैचों (आगामी भारत-बांग्लादेश दूसरा टेस्ट और हाल ही में संपन्न दलीप ट्रॉफी का पहला राउंड) के लिए किया जा रहा था.

इन पांच मुख्य समस्याओं से नहीं हो पा रहा मैच

- **पानी निकासी :** मैदान में पानी की निकासी को लेकर समस्या रही. इसे समय रहते नहीं परखा गया और न ही सही तरीके से तैयारी की गई.
- **आउटफील्ड की तैयारी :** बारिश से पहले ही मैदान के कई हिस्सों में पानी जमा हो रहा था. इसे समय पर काटकर घास बिछाई जा सकती थी, लेकिन यह काम देरी से किया गया.
- **कवर की कमी :** मैदान को पूरी तरह ढकने के लिए पर्याप्त कवर उपलब्ध नहीं थे. पिच को कवर करने के लिए पुराने तरीके अपनाए गए, जबकि आधुनिक कवरिंग उपकरण मौजूद हैं.
- **सुखाने के उपकरण :** मैदान को सुखाने का काम कभी पंखे से, तो कभी बाल्टी और मग से किया गया. सुपर सोपर की भी सही तरीके से उपयोग नहीं किया गया. अफगानिस्तान टीम के कोच जोनाथन भी इन स्थितियों से काफी निराश दिखे.
- **कुशल स्टाफ की कमी :** समय रहते कुशल स्टाफ की नियुक्ति नहीं की गई, जिससे आयोजन की तैयारियों में तकनीकी विशेषज्ञों की कमी साफ दिखी.

ईरानी कप

मॉनसून के कारण वेन्यू शिफ्ट

नयी दिल्ली। ईरानी कप या ईरानी ट्रॉफी मैच, जिसकी मेजबानी मुंबई को 1 से 5 अक्टूबर तक करनी थी, उसे खराब मॉनसून के कारण लखनऊ शिफ्ट करना पड़ा. इस कप में मात्र एक मैच खेला जाता है, जो गत रणजी ट्रॉफी विजेता और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच खेला जाता है. चलिए जानते हैं कि इस ट्रॉफी से जुड़ी क्या कहानी है? और इसकी शुरुआत कब हुई थी? ईरानी कप भारत का एक घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट है, जो फर्स्ट क्लास फॉर्मेट के तहत खेला जाता है.

यह क्रिकेट टूर्नामेंट हर साल वर्तमान रणजी ट्रॉफी विजेता टीम और रेस्ट ऑफ इंडिया टीम (रणजी ट्रॉफी में अन्य टीमों के दमदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी) के बीच खेला जाता है. रेस्ट ऑफ इंडिया ने इसे 30 बार जीता है, जबकि मुंबई ने इसे 14 बार जीता है. इसकी शुरुआत वर्ष 1959-60 में हुई थी. उस समय रणजी ट्रॉफी चैंपियनशिप के 25 वर्ष पूरे होने पर इस टूर्नामेंट की नींव रखी गई थी. इसका उद्देश्य घरेलू क्रिकेट को और अधिक रोचक और रोमांचक बनाना था. इस टूर्नामेंट का नाम बीसीसीआई के पूर्व प्रशासक जेडपी ईरानी के नाम पर रखा गया था, जो बीसीसीआई में लंबे समय तक अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष समेत कई अहम पदों पर रहे. 1962 से लगातार आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता को शेष भारत ने 30 जबकि मुंबई ने 14 बार जीता है. अन्य राज्यों में कर्नाटक छह, जबकि दिल्ली, रेलवे और विदर्भ 2-2 बार की विजेता बनी है. पिछली बार इस प्रतियोगिता को शेष भारत ने सौराष्ट्र को 175 रनों से हराते हुए जीता था.

ईरानी कप 2024-25 का आयोजन अब मुंबई की बजाय लखनऊ में होगा. एक अक्टूबर से पांच अक्टूबर के बीच शेष भारत और गत रणजी ट्रॉफी विजेता मुंबई के बीच खेले जाने वाला यह मैच लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा. उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बात करते हुए कहा, इस बार का ईरानी कप मैच लखनऊ में आयोजित होगा और हम इसकी मेजबानी करने को लेकर उत्साहित हैं.

वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर: अर्जेंटीना को खली लियोनल मेसी की कमी

कोलंबिया ने अर्जेंटीना को दी करारी शिकस्त

एजेंसी। वाशिंगटन

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अमेरिकी क्वॉलिफायर में एक उलटफेर देखनेको मिला, जब कोलंबिया ने अर्जेंटीना के खिलाफ 1-2 से जीत दर्ज की. डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना को कप्तान लियोनल मेसी की कमी काफी खली. जेम्स रॉड्रिगेज नेपेनल्टी पर गोल दागकर कोलंबिया को यह अहम जीत दिलाई. अर्जेंटीना को लियोनेल मेसी की कमी खली जो चोट के कारण कोपा अमेरिका फाइनल के बाद से नहीं खेल रहे हैं. मेसी तब से ही फुटबॉल के मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं. कोलंबिया के लिए येरसोन मोस्केरा ने 25वें मिनट में पहला गोल किया, लेकिन निको गोंजालेस ने 48वें मिनट में बराबरी का गोल दागा. रॉड्रिगेज ने 60वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके कोलंबिया को जीत दिलाई. वर्ल्ड कप चैम्पियन अर्जेंटीना ने जुलाई में कोलंबिया को 1-0 से हराकर कोपा अमेरिका खिताब जीता था. अन्य मुकाबलों में बोलिविया नेचिली को 2-1 से हराया जबकि इक्वाडोर ने पेरू को एक गोल से मात दी. वेनेजुएला और उरूग्वे का मुकाबला गोलरहित ड्रॉ रहा. दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर से टॉप छह टीमें 2026 वर्ल्ड कप में सीधे जगह बनाएंगी. ऐसा माना जा रहा था कि मेसी 2022 फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाने के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे, लेकिन मेसी अर्जेंटीना के लिए वर्ल्ड कप ट्रॉफी डिफेंड करना चाहते हैं. कोलंबिया के कप्तान रॉड्रिगेज ने विनिंग गोल दागने के बाद कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी अर्जेंटीना के खिलाफ गोल दागा था.

पैराग्वे ने ब्राजील को चौंकाया

असुनसियन। जून 2008 के बाद पहली बार पैराग्वे ने विश्व कप क्वालीफायर में ब्राजील को हराया, क्योंकि उन्होंने पांच बार के विश्व चैंपियन को 1-0 से हरा दिया. डिएगो गोमेज ने पहले हाफ में शानदार गोल कर इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. पैराग्वे नौ अंकों के साथ तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गया है और ब्राजील से केवल एक अंक पीछे है. गोल 20वें मिनट में हुआ, जब गोमेज को क्षेत्र के ठीक बाहर क्लीयरेंस की हुई गेंद मिली, उन्होंने गेंद को संभाला और अपने दाहिने पैर के बाहरी हिस्से से एक जोरदार शॉट लगाया जो पोस्ट से टकरा कर गोल में चला गया. ब्राजील ने जवाब देने की कोशिश की और रोड्रिगो को दूसरे हाफ की शुरुआत में एक शानदार मौका दिया गया, लेकिन उसने लक्ष्य से ऊपर गेंद मार दी . बाद में पैराग्वे के डिफेंडर रेमन सोसा ने विनीसियस जूनियर को बराबरी के लिए टैप करने से रोकने के लिए अंतिम सेकंड में गेंद क्लीयर कर दी , इसके कुछ मिनट बाद गोलकीपर रॉबर्टो फर्नांडीज ने ब्राजीलियाई हमलावर को रोक दिया. अंत में, 17 मैचों में अपनी तीसरी क्वालीफाइंग जीत दर्ज करने के लिए पैराग्वे की रक्षा मजबूत रही.

भारत ने मलेशिया को 8-1 से हराया

हुलुनबुइर (चीन)। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को हराया. इस मुकाबले को भारतीय टीम ने 8-1 से अपने नाम किया. भारत का यह तीसरा मुकाबला था, उसने अपने तीनों ही मैच जीत लिए हैं. इस तरह वह प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर है.

पाकिस्तान ने जापान को 2-1 से हराया

मोकी (चीन)। अजेय पाकिस्तान ने बुधवार को मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर जापान को 2-1 से हराकर हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी पहली जीत दर्ज की. अहमद नदीम (10 मिनट) और सुफियान खान (21 मिनट) ने पाकिस्तान के लिए गोल किए, जबकि जापान के लिए एकमात्र गोल रायकी फुजीशिमा (28 मिनट) ने किया.

काउंटी में चहल का पंजा, लेकिन शॉ का निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी। लंदन

भारतीय लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल ने डर्बीशायर के खिलाफ पांच विकेट लेते हुए अपनी टीम नॉर्थम्पटनशायर को मैच में आगे कर दिया है. भारत के लिए 152 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले चहल ने 45 रन देकर पांच शिकार किए, चहल के प्रथम श्रेणी करियर का ये सिर्फ तीसरा पांच विकेट हॉल था. साथ ही साथ इस भारतीय लेग-स्पिनर ने प्रथम श्रेणी में 100 विकेट भी हासिल कर लिए. चहल के इस प्रदर्शन की बदौलत नॉर्थम्पटनशायर ने डर्बीशायर के आख़िरी छह विकेट केवल 15 रन पर झटके. स्पिन के लिए मददगार पिच पर चहल ने ज्यादातर ऑफ स्पिनर रॉब कियो के साथ गेंदबाज़ी की, कियो ने भी तीन विकेट अपने नाम किए. इसके बाद बल्ले से भी कियो ने अब तक अहम 46 रन बना लिए हैं और क्रीज पर मौजूद हैं. दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक नॉर्थम्पटनशायर को 232 रन की बढ़त हासिल हो गई है जबकि पांच विकेट शेष हैं. चहल की गेंदबाज़ी कितनी घातक थी इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने पांच ओवर के स्पेल में ही सभी पांच शिकार किए. चहल ने पारी के 52वें ओवर में ऐन्यूरिन डॉनल्ड के तौर पर अपना पहला शिकार किया, इसके बाद पारी के 56वें ओवर में उन्होंने दो विकेट झटके. पहले खतरनाक दिख रहे वेन मैडसन को क्लीन बोल्ड किया और फिर उसी ओवर की पांचवीं गेंद पर जैक चैपल को भी पवेलियन की राह दिखा दी. 62वें ओवर की लगातार दो गेंदों पर चहल ने दो और विकेट लेते हुए अपना पंजा खोला और साथ ही साथ डर्बीशायर की पहली पारी 165 रन पर समेट दी. चहल जब दूसरी पारी में गेंदबाजी आक्रमण पर आएंगे तो वह हैट्रिक पर होंगे क्योंकि पिछली दो गेंदों पर उनके नाम लगातार दो विकेट हैं.

जोधपुर में 20 सितंबर से शुरू हो रहा लीजेंड्स लीग क्रिकेट

30 देशों के 120 खिलाड़ी ऑक्शन से हुए सेलेक्ट

एजेंसी। जोधपुर

जोधपुर के बरकतुल्लाह खां स्टेडियम में जल्द ही लीजेंड्स लीग क्रिकेट के तीसरे सीजन की शुरुआत 20 सितंबर को होने जा रही है. लीग में कईं नेशनल और इंटरनेशनल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. इस बार 30 देश के 120 खिलाड़ियों को ऑक्शन में सेलेक्ट किया गया है. पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन, दिनेश कार्तिक और इरफान पठान भी लीग में खेल रहे हैं. इस बार श्रीलंका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इसुरू उडाना के लिए सबसे ज्यादा बोली लगी. उन्हें हैदराबाद टीम ने 61.9 लाख रुपये में खरीदा.

20 सितंबर से 16 अक्टूबर तक होंगे मैचः लीजेंड्स लीग की ओपनिंग सेरेमनी जोधपुर के बरकतुल्ला खां स्टेडियम में होगी. लीग 20 सितंबर से 16 अक्टूबर तक चलेगी. इस बार जोधपुर, सूरत, जम्मू-कश्मीर और श्रीनगर के बीच मैच खेले जाएंगे. समापन जम्मू-कश्मीर में होगा. इसको लेकर जोधपुर के बरकतुल्लाह खां स्टेडियम में भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. लीजेंड्स लीग क्रिकेट के को-ऑनर रमन रहेजा की मानें, तो भारतीय खिलाड़ियों सहित इंटरनेशनल खिलाड़ी रिटायरमेंट के बाद लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेल रहे हैं. इस लीग का यह तीसरा सीजन है. इस लीग की शुरुआत की थी, तब हम खिलाड़ियों को एप्रोच कर रहे थे. तीसरे सीजन तक यह बदलाव आ गया कि अब खिलाड़ी रिटायर होने से पहले ही अपनी रुचि इस लीग के लिए जता रहे हैं.

बरकतुल्ला खां स्टेडियम में लीग के छह मैच होंगे : करोड़ों रुपए की लागत से अपग्रेड हुए जोधपुर के बरकतुल्ला खां स्टेडियम में लीग के 6 मैच होंगे. 20 सितंबर को ओपनिंग सेरेमनी जोधपुर में ही होगी. इसके बाद लगातार 6 मैच 26 सितंबर तक होंगे. 24 तारीख (मंगलवार) को कोई मैच नहीं होगा. जोधपुर में इसुरू उडाना, धवल कुलकर्णी, इरफान पठान, यूसुफ पठान, सुरेश रैना, वेस्टइंडीज खिलाड़ी चेडविक वॉल्टन, ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर डैन क्रिश्चियन, न्यूजीलैंड का क्रिकेटर रॉस टेलर आदि खिलाड़ी खेलेंगे.

अर्जुन अवॉर्ड पाने वाले शिखर धवन लीग में खेलेंगे

साल 2022 में हुए पहले सीजन में जोधपुर से बहुत प्यार मिला. 20 साल बाद लोग अपने स्टेडियम में बड़े खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलते हुए देख रहे थे. ऐसे में इस बार इस लीग की शुरुआत ही जोधपुर से की जा रही है. रहेजा ने कहा कि सीजन-3 की शुरुआत रेगिस्तान से होगी, लेकिन समापन कश्मीर की वादियों में होगा. इस बार 30 देश से 600 प्लेयर ने रजिस्टर्ड किया था. लेकिन 120 खिलाड़ी ही ऑक्शन में सेलेक्ट हुए. भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और इंटरनेशनल खिलाड़ी रहे अर्जुन अवॉर्ड पाने वाले शिखर धवन लीग में खेलेंगे. उन्होंने हाल में इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लिया है. भारतीय टीम में विकेटकीपर रहे दिनेश कार्तिक भी लीग में खेलेंगे. जोधपुर वासियों में इसको लेकर उत्साह है.

लाला अमरनाथ डोनाल्ड ब्रैडमैन को भी पहली बार हिट विकेट आउट किया था

लाला की दूरदर्शिता ने भारतीय क्रिकेट में छोड़ा गहरा प्रभाव

एजेंसी। नयी दिल्ली

खास बातें

- लाला अमरनाथ का जन्म 11 सितंबर को हुआ था
- लाला अमरनाथ ने कुल 24 टेस्ट मैच खेले थे

लाला अमरनाथ आजाद भारत के पहले कप्तान थे. एक ऐसे क्रिकेटर जिन्होंने भारत के लिए पहला टेस्ट शतक लगाया, वह भी अपने डेब्यू मैच में. यह मुकाबला जिमखाना ग्राउंड पर साल 1933 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला गया था. इससे एक साल पहले ही भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच खेला था. क्रिकेट पर अभिजात्य वर्ग का प्रभुत्व था. एक साधारण बैकग्राउंड से आए लाला अमरनाथ क्रिकेट पर शाही वर्चस्व के खिलाफ आवाज उठाने वाले पहले क्रिकेटर भी थे. उन्होंने डोनाल्ड ब्रैडमैन को भी पहली बार हिट विकेट आउट किया था. भारतीय क्रिकेट में कई मायनों में पहले व्यक्ति लाला अमरनाथ का जन्म 11 सितंबर को कपूरथला (पंजाब) में हुआ था. उस दौर में लाला अमरनाथ ने 24 टेस्ट मैच खेले थे. औसत मात्र 24.38 की थी. इतनी साधारण औसत वाला खिलाड़ी असाधारण कैसे हुआ था? इस बात का जवाब उस दौर में लाला के प्रभाव से मिलता है. रणजीत सिंह जहां पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम में जगह बनाकर दुनिया को भारतीय प्रतिभा से परिचित कराया था, तो लाला अमरनाथ ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने आमजन तक क्रिकेट को पहुंचाने में बड़ी भूमिका अदा की थी. उनके तीन बेटों में दो भारतीय क्रिकेट के लिए खेले थे. 1983 की विश्व कप विजेता टीम के मोहिंदर अमरनाथ उनके ही प्रसिद्ध बेटे हैं. लाला अमरनाथ ने पक्के इरादे, तेज क्रिकेट दिमाग और जीवटता से क्रिकेट पर गहरा प्रभाव छोड़ा था. तब क्रिकेट राजनीति भी काफी हावी थी. अस्थिरता के इस दौर में अमरनाथ भारतीय क्रिकेट के मुख्य चेहरे के तौर पर खड़े रहे थे. क्रिकेट को लेकर समझ इतनी गहरी थी कि उनके रिटायरमेंट के बाद लिए गए फैसलों का भी बड़ा दूरगामी प्रभाव हुआ था. वह पहले भारतीय कप्तान थे जिसने लगातार 10 टेस्ट मैचों तक टीम को लीड किया था. 15 टेस्ट मैचों तक उनकी कप्तानी चली जिसमें भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की थी. 1952 में फिरोजशाह कोटला में खेला गया यह मुकाबला भारतीय प्रभुत्व की छाप छोड़ने वाला साबित हुआ था.

पाकिस्तान के खिलाफ 1952 में ही ईडन गार्डन्स में हुए टेस्ट मैच के बाद लाला ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया. उन्होंने संन्यास के बाद भारतीय क्रिकेट के चयनकर्ता, मैनेजर, कोच और प्रसारक के रूप में काम किया था. चयनकर्ता के अध्यक्ष के तौर पर 1959-60 का किस्सा बड़ा चर्चित है जब उन्होंने एक ऐसे ऑफ स्पिनर (जसु पटेल) की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एंट्री कराई थी जो दूर-दूर तक टीम का हिस्सा नहीं था.

टेस्ट रैंकिंग में भी श्रीलंकाई चमके

एजेंसी। दुबई

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में तीसरे टेस्ट में आठ विकेट से मिली शानदार जीत के बाद आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में छह श्रीलंकाई खिलाड़ियों को बंपर बढ़त मिली. श्रीलंका की इस जीत का श्रेय कप्तान धनंजय डी सिल्वा, ऑलराउंडर कामिन्दु मेंडिस और सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका को जाता है. टेस्ट की पहली पारी में श्रीलंका के लिए 69 रन की शानदार पारी खेलने वाले डि सिल्वा ने बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग लगाकर 13वें स्थान पर जगह बनाते हुए करियर की नई सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की है. मेंडिस छह पायदान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि निसंका ने इंग्लैंड के खिलाफ 64 और नाबाद 127 रन बनाने के बाद 42 पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं. गेंदबाजों में श्रीलंका के तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो ओवल में पांच विकेट लेने के बाद 13 पायदान की छलांग लगाकर 31वें स्थान पर पहुंच गए हैं. टीम के साथी लाहिरू कुमारा (10 पायदान ऊपर 32वें स्थान पर) और मिलन रत्नायके (26 पायदान ऊपर 84वें स्थान पर) ने भी बड़ी छलांग लगाई है. इंग्लिश बल्लेबाज जो रूट ओवल में सिर्फ 13 और 12 रन बनाने के बावजूद अपने शीर्ष स्थान पर काबिज हैं. उनके साथी हैरी ब्रूक उसी मैच में 19 और तीन रन बनाने के बाद सात पायदान नीचे 12वें स्थान पर आ गए हैं. कार्यवाहक कप्तान ओली पोप पहली पारी में शतक बनाने के बाद सात पायदान की बढ़त बनाते हुए 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि विकेटकीपर जेमी स्मिथ दूसरी पारी में तेज अर्धशतक बनाने के बाद छह पायदान की बढ़त के साथ 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं.

▼ **ब्रीफ खबरें**

बिजली करंट से युवक की मौत, मचा बवाल

नवादा । जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र के दलेलपुर गांव में बुधवार को करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई. मृतक सियाशरण यादव का 28 वर्षीय पुत्र रामप्रवेश कुमार बताया गया है. घटना के बाद घर परिवार में कोहराम मच गया. बताया जाता जाता है कि रामप्रवेश कुमार खेत में लगे धान की फसल को देखने के लिए गए थे. तभी बिजली प्रवाहित तार के सम्पर्क में आ गए. खबर मिलते ही परिजनों के अलावा आसपास के लोग पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए नारदीगंज लेकर पहुंचे. जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया.

बक्सर में सिपाही ने आत्महत्या कर ली

बक्सर । बक्सर जिले के डुमरांव में बुधवार को बीएमपी कैंपस में मौजूद शौचालय में एक सिपाही के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. इसकी जानकारी तब लगी जब शौचालय से दुर्गंध आना शुरू हुई. इसके बाद पूरे कैंपस में हड़कंप मच गया. इस घटना की सूचना सिपाहियों ने कैंप कमांडेंट अजय कुमार पांडे को दी. उन्होंने इसकी सूचना डुमरांव थाना अध्यक्ष को दी. इसके बाद डुमरांव थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतारा और मामले की जांच में जुट गई. मिली जानकारी के अनुसार मृतक सिपाही की पहचान सुपौल जिला के रहने वाला अजय कुमार राय के रूप में की गई है.

वैशाली मंडल कारा में बंद कैदी की मौत

वैशाली । वैशाली में जहां हाजीपुर मंडल कारा में बंद विचाराधीन बंदी की मौत हो गई. बंदी की मौत हो जाने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया. मृतक बंदी की पहचान राघोपुर थाना क्षेत्र के मलिकपुर गांव निवासी स्वर्गीय शंकर दास के 27 वर्षीय पुत्र संजय दास बताया गया है. राघोपुर थाने की पुलिस ने 1 साल पहले पत्नी की हत्या मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था. जेल जाने के दो-तीन महीने बाद बंदी की तबीयत बिगड़ गई. कारा अस्पताल से लेकर पटना पीएमसीएच तक इलाज कराया गया. पीएमसीएच से डिस्चार्ज होने के बाद उसे कारा में रखा गया था.

पटना हाईकोर्ट ने बुधवार को सुनाया बड़ा फैसला

पीएम की सभा में बम ब्लास्ट करने वाले दोषियों को उम्रकैद

संवाददाता । पटना

पटना हाई कोर्ट ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गांधी मैदान सभा में सिलसिलेवार बम ब्लास्ट के

दोषियों की फांसी की सजा को 30 साल कैद में बदल दिया है. साथ ही जिन लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी उनकी सजा को बरकरार रखा गया है. जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने इस मामले पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे बुधवार को सुनाया गया.

हाई कोर्ट ने इम्तियाज आलम, हैदर अली, नुमान अंसारी व मोजीबुल्लाह अंसारी की फांसी की सजा में बदलाव किया है. गांधी मैदान सीरियल ब्लास्ट मामला 27 अक्टूबर, 2013 का है. उस दिन नरेंद्र मोदी पटना में जनसभा को संबोधित करने आए थे. तभी

दोषियों की फांसी की सजा को पटना हाईकोर्ट ने 30 साल कैद में बदली

चारो आरोपी

सीरियल ब्लास्ट हुए थे. इसे लेकर पटना के गांधी मैदान थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. इसके बाद 31 अक्टूबर, 2013 को एनआईए ने केस संभाला था.

इस मामले में हैदर अली, नुमान अंसारी, मजीबुल्लाह, उमर सिद्दिकी, फिरोज असलम, इम्तियाज आलम सहित नौ को सजा सुनाई गई. इसमें चार दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी. हालांकि, अब पटना हाई कोर्ट ने इस मामले में चारों को उम्रकैद की सजा सुनाई है. एनआईए के स्पेशल जज गुरविंदर सिंह मल्होत्रा ने इस मामले में चार दोषियों हैदर अली, इम्तियाज अंसारी, मोजीबुल्लाह अंसारी और नुमान अंसारी को फांसी की सजा सुनाई थी.

उल्लेखनीय है कि गांधी मैदान में भाजपा की हुंकार रैली में हुए सीरियल बम ब्लास्ट के दौरान नरेंद्र मोदी मंच पर मौजूद थे. उस दौरान वे गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे. एनआईए अदालत ने इन सभी दोषियों को नम्बर 2021 में सजा सुनाई थी, जिसमें चार को फांसी के साथ ही आर्थिक जुर्माना भी लगाया था. कोर्ट ने इस मामले में इम्तियाज अंसारी पर 80 हजार रुपये और हैदर अली, मोजीबुल्लाह अंसारी और नुमान अंसारी पर 90 हजार रुपये आर्थिक जुर्माना लगाया था.

आठ दिन बाद तालाब से मिली महिला की लाश

सारण । पिछले तीन सितंबर से गायब महिला का शव गांव के तालाब से बरामद हुआ है. शव मिलने की सूचना गांव में आग की तरह फैल गई. देखते ही देखते शव को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी. स्थानीय पंचायत समिति सदस्य नीरज साह द्वारा स्थानीय मशरक थाने की पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया. पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों द्वारा तालाब से शव को बाहर निकाला गया. शव की पहचान मशरक थाना क्षेत्र के कर्ण कुदरिया गांव निवासी अवकाश प्राप्त शिक्षक स्व रामचन्द्र प्रसाद के 64 वर्षीय पत्नी शांति कुंवर के रूप में हुई. बताया जा रहा है कि सुबह में गांव के ग्रामीण शौच करने गए हुए थे.

तेजस्वी यादव का बड़ा ऐलान, कहा-

हमारी सरकार बनने पर मुफ्त में देंगे 200 यूनिट बिजली

संवाददाता । पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान किया है. उन्होंने कहा है कि अगर हमारी सरकार बनी तो हम बिहार वासियों को 200 यूनिट बिजली फ्री में देंगे. तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता बिजली के महंगे बल देते देते थक चुकी है. इसलिए हमलोगों ने यह तय किया है कि जनता को 200 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जाएगी ताकि उनको परेशानी का सामना न करना पड़े. समस्तीपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर

हमला बोला है.

उन्होंने कहा कि डबल इंजन भाजपा और एनडीए के दशकों के शासन के बावजूद देश में सबसे महंगी बिजली बिहार में मिलती है. बिहार की जनता महंगी बिजली बिल तथा स्मार्ट मीटर की गड़बड़ियों से त्रस्त है. हमारी सरकार आने पर 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी.

सुपौल में प्रेस-कांफ्रेंस के दौरान प्रशांत किशोर बोले-

बिहार को नीतीश-तेजस्वी ने बर्बाद किया

संवाददाता । सुपौल

सुपौल में प्रशांत किशोर ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला. उन्होंने कहा कि बिहार की मौजूदा स्थिति के लिए ये दोनों नेता पूरी तरह से जिम्मेदार हैं. किशोर ने तेजस्वी यादव की आभार यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि नवमी फेल नेता को बिहार की जनता का आभार व्यक्त करना चाहिए कि उन्हें सत्ता से बाहर करने के बावजूद जनता ने उग्र विरोध नहीं किया.

वहीं प्रशांत किशोर ने कहा, जिस जनता को उसके मां-बाप और सरकार ने बेरोजगार, निरक्षर और पलायन का अड्डा बना दिया है, वह जनता अगर आभार व्यक्त करने के बजाए उन्हें मार के भगाती, तो भी सही होता. उन्होंने यह भी कहा कि तेजस्वी यादव जैसे नेता बिहार की समस्याओं को और जटिल बना रहे हैं. वहीं अमेरिका में राहुल गांधी के भारत के चुनाव आयोग पर उठाए गए सवालों पर प्रशांत किशोर ने सहमति जताई. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग पर अपने हिसाब से काम करवाने का दबाव डालती है.

नवादा में सुसाइड नोट छोड़कर फॉरेस्टर लापता

नवादा । नवादा जिले के अकबरपुर प्रखंड मुख्यालय वन विभाग में कार्यरत फॉरेस्टर अरविंद रजक मंगलवार की देर रात अपने सरकारी आवास से रहस्यमय तरीके से गायब हैं. जाने से पहले उन्होंने अपने कमरे में एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उन्होंने पत्नी की प्रताड़ना से परेशान होकर कदम उठाने की बात कही है. उनके गायब होने की सूचना के बाद जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी को उनके सहयोगियों ने दी है. इसके बाद वन विभाग और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है. वन प्रमंडल पदाधिकारी ने फोटो के साथ अरविंद रजक के सुसाइड नोट छोड़ गायब होने की सूचना सोशल मीडिया पर साझा की है. छोड़े गए सुसाइड नोट में उन्होंने पत्नी की प्रताड़ना से तंग होने का आरोप लगाया है. बहरहाल रजक के सुसाइड नोट छोड़ गायब होने से विभाग के कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है.

आरा में ट्रिपल मर्डर, मचा हड़कंप

सनकी ने पत्नी व दो मासूमों के टुकड़े-टुकड़े कर डाले

संवाददाता । आरा

आरा में ट्रिपल मर्डर से पूरा समाज स्तब्ध है. भोजपुर जिले के अजीमाबाद थाना क्षेत्र के मिल्की गांव में एक सनकी पति ने पत्नी समेत दो बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी है. पड़ोसियों के अनुसार सनकी पति ने पत्नी से झगड़ा के बाद गुस्से में आकर खंती से अपनी पत्नी, बेटी और दुधमुंहे बेटे की हत्या कर दी. हत्या के दौरान सनकी व्यक्ति ने खंती से अपनी पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और फिर वहां से फरार हो गया. हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है. मृतकों में अजीमाबाद थाना क्षेत्र के मिल्की गांव निवासी लालू यादव की पत्नी सीमा देवी (35), बेटी सौम्या कुमारी (8) और एक दुधमुंहा बेटा दीदवंत कुमार (10 माह) शामिल है.

पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है : घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी. घटना की सूचना मिलते ही पीरो एसडीपीओ राहुल कुमार सिंह और अजीमाबाद थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए. पुलिस ने एफएसएल की टीम को भी बुलाया, जिसके बाद एफएसएल की टीम घटनास्थल पहुंच जांच में जुट गई. उसके बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भोजपुर सदर अस्पताल भेज दिया.

घर वालों को बंधक बना कर 12 लाख रु की लूट

कटिहार । कटिहार जिला अंतर्गत बरारी थाना क्षेत्र के सूजापुर पंचायत के बलुआ गांव वार्ड संख्या 2 निवासी खाद व्यापारी पंकज कुमार चौधरी के घर पर डकैतों ने लूटपाट की घटना को अंजाम दिया है. बताया जा रहा है कि मंगलवार की देर रात को डकैतों ने घर के लोगों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया है. वहीं, मिली जानकारी के अनुसार पांच लाख कैश सहित लगभग सात लाख के जेवरात की लूट हुई है. वहीं, मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटना की जांच में जुट गई है. इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए पीड़ित पंकज कुमार चौधरी ने बताया कि बीते रात लगभग 1:00 बजे हम लोग सोए हुए थे. इस बीच छह से सात की संख्या में डकैत हथियार के साथ उनके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए. उनकी मां और बच्चों के सिर पर हथियार तान कर जान से मार देने की धमकी देने लगे.

रहस्यमयी बीमारी से अब एक और बच्ची की गई जान

10 दिनों में पांच बच्चे की मौत

संवाददाता । अररिया

अररिया जिला के रानीगंज प्रखंड के मझुवा पूरव पंचायत में रहस्यमयी बीमारी से एक और ढाई साल की बच्ची मुस्कान ने जान गंवा दी है. उसकी मौत उपचार के दौरान देर रात पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में हो गई. बताया जा रहा है की दस दिन के अंदर ही पांच बच्चे की जान चली गई है. वही, सुबह बच्ची का शव गांव पहुंचते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए. स्वास्थ्य विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लागया.

बता दें कि पिछले शनिवार को गांव के मन्नू ऋषिदेव की आठ साल की बेटी गौरी कुमारी, अरविंद ऋषिदेव का चार साल का बेटा रौनक कुमार, लवकुश ऋषिदेव का डेढ़ महीने के बेटा अंकुश कुमार के बाद शनिवार को संतोष ऋषिदेव की छह साल की बच्ची आंचल कुमारी की मौत पहले

ही हो चुकी थी. जिसके बाद अब पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में 3 वर्षीय मुस्कान कुमारी की भी मौत हो गई है. वही, ग्रामीणों का यह आरोप है कि बच्चों का इलाज अच्छे तरीके से नहीं हो रहा है, जिसके कारण बच्चों की मौत हो रही.

वही, इसी गांव के 3 बीमार बच्चों को गांव में मौजूद मेडिकल टीम ने बेहतर इलाज के लिए अररिया सदर अस्पताल भेजा था, लेकिन अब परिजनों और ग्रामीणों की मांग है कि अररिया सदर अस्पताल में जो 3 बच्चे भर्ती हैं. उन्हें वहां से डिस्चार्ज कर वापस गांव भेजा जाए क्योंकि अब उन्हें सरकारी अस्पताल की व्यवस्था पर भरोसा नहीं है.

नालंदा में निजी मकान से अवैध शराब के साथ 14 जुआरी गिरफ्तार

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के बिहार थाना अंतर्गत अम्बेर चौक के पास स्थित एक निजी मकान में पुलिस ने छापेमारी कर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब और जुआ खेलते हुए 14 जुआड़ियों को हिरासत में लेकर न्यायिक जांच के लिए मंडल कारा भेज दिया हैं. आरक्षी उपाधीक्षक नुरुल हक ने बताया कि बिहार थानाध्यक्ष सम्राट दीपक को सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि अम्बेर चौक पर स्थित एक निजी मकान में जिसमें पहले एक स्कूल संचालित होता था. अवैध शराब का भंडारण किया गया है और शराबियों व जुआरियों का जमावड़ा लगा हुआ रहता है. मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी के दौरान कुछ लोग भागने लगे जिन्हें पुलिस ने पीछा कर पकड़ लिया. वहीं तलाशी लेने पर कमरे से 5 पेटी सीलबंद और 1 पेटी खुली हुई शराब मिली.

कारोबार

बायजू : याचिका पर 17 सितंबर को सुनवाई

नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट बायजू मामले में एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ अमेरिका स्थित ऋणदाता ग्लास ट्रस्ट की अपील पर 17 सितंबर को सुनवाई करेगा.बता दें कि एनसीएलएटी ने एड-टेक कंपनी बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और बीसीसीआई के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाये के निपटान को मंजूरी दे दी थी. मुख्य न्यायाधीश के अगुवाई में वकीलों के एक समूह ने आग्रह किया कि मामले में बाद के घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए याचिका पर तत्काल सुनवाई की जाए.

एचडीएफसी-एक्सिस पर 2.91 करोड़ जुर्माना

नयी दिल्ली । आरबीआई ने अनुपालन में विफल रहने पर एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक पर 2.91 करोड़ का जुर्माना लगाया है. इसमें से एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ और एचडीएफसी पर एक करोड़ रुपये का दंड लगा है. आरबीआई ने दोनों बैंकों ने केवाईसी, जमा पर ब्याज दर और कृषि से संबंधित कर्ज के गारंटी जैसे नियमों का पालन नहीं किया था. टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहनों) के दाम तीन लाख रुपये तक घटा दिए हैं. इसमें नेक्सॉन ईवी की कीमत सबसे अधिक तीन लाख कम हुई है.

तीन साल में सबसे सस्ता हुआ कच्चा तेल

नयी दिल्ली । विदेशी बाजार में कच्चे तेल के भाव में भारी गिरावट आई है. कच्चे तेल की कीमतों में आए इस बदलाव से भारत में आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद बढ़ रही है. कच्चा तेल के भाव कई सालों के निचले स्तर पर आने से पेट्रोल और डीजल के भाव में एक बार फिर से कटौती करने की संभावना बढ़ गई है. एएफपी की एक रिपोर्ट बताती है कि मंगलवार को ब्रेंट क्रूड का भाव 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया. दिसंबर 2021 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब कच्चे तेल का भाव 70 डॉलर से भी कम हुआ है. एएफपी के अनुसार, दुनिया भर में अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने की रफ्तार कम होने को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं.

ग्रेटर नोएडा में 'सेमीकॉन इंडिया 2024' इवेंट में पीएम मोदी बोले

भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए यह सबसे अच्छा समय : मोदी

नई दिल्ली । आईएएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बुधवार को कहा गया कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में निवेश के लिए यह भारत में सबसे अच्छा समय है, क्योंकि भारत में वैश्विक कंपनियों का मजबूत इकोसिस्टम मौजूद है. साथ ही बड़ी संख्या में स्किल्ड लोग भी हैं. दिल्ली के पास ग्रेटर नोएडा में 'सेमीकॉन इंडिया 2024' इवेंट में इंडस्ट्री के बड़े पक्षकारों की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में चिप में कभी मंदी नहीं होगी, आप हमारी ग्रोथ स्टोरी पर दांव लगा सकते हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत में आकर निवेश कर वैल्यू क्रिएट करें. हम आपको ग्रोथ के लिए एक इकोसिस्टम उपलब्ध कराएंगे. भारत के पास सेमीकंडक्टर डिजाइन में दुनिया के ग्लोबल टैलेंट का 20 प्रतिशत हिस्सा है. हम 85,000 की मजबूत सेमीकंडक्टर वर्कफोर्स बना रहे हैं. इसमें तकनीकी विशेषज्ञ, आरएंडडी एक्सपर्ट्स और डिजाइनर शामिल हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक

लाख करोड़ रुपये के 'अनुसंधान फंड' का उद्देश्य बेसिक रिसर्च और प्रोटोटाइप डेवलपमेंट को समर्थन देना है. इसमें सेमीकंडक्टर भी शामिल है. उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि भारत एक सुधारवादी सरकार प्रदान करता है, जो कि एक बढ़ता हुआ मैन्युफैक्चरिंग बेस और महत्वाकांक्षी तकनीक-उन्मुख बाजार भी है. हम सेमीकंडक्टर के लिए 85,000 इंजीनियर्स और टेक्निशियन का एक मजबूत टैलेंट पूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. इस उद्देश्य से 113 से ज्यादा यूनिवर्सिटिज, शैक्षणिक और आरएंडडी संस्थाएं जुड़ी हैं.

प्रधानमंत्री मोदी एग्जीबिशन में भी गए और कंपनियों से सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस को लेकर बातचीत की. इससे पहले मंगलवार को सेमीकंडक्टर कंपनियों के सीईओ ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की तारीफ की. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने केवल भारत को ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को प्रोत्साहित किया है. राष्ट्रीय राजधानी में बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियों के सीईओ ने प्रधानमंत्री मोदी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की थी. इसमें एसईएमआई, माइक्रोन, एनएक्सपी, पीएसएमसी, आईएमईसी, रेनेसा, टीईपीएल आदि शामिल थी.

आईफा अवार्ड्स

मुंबई : अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी मुंबई में आईफा अवाड्र्स के 24वें संस्करण के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए फोटो खिंचवाते हुए.

भारत का कोयला उत्पादन 6% से ज्यादा बढ़ा

नई दिल्ली । आईएएनएस

भारत में कुल कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त के बीच 6.36 प्रतिशत बढ़कर 384.07 मिलियन टन (एमटी) हो गया है. यह पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा 361.11 मिलियन टन था. कोयला मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि अगस्त 2024 में कुल कोयले का उत्पादन 7.51 प्रतिशत गिरकर 62.67 एमटी रह गया, जो कि अगस्त 2023 में 67.76 एमटी था. मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-अगस्त की अवधि में 412.69 एमटी कोयले की आपूर्ति की गई है इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 5.17 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है और यह पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा 392.40 एमटी था. अगस्त 2024 में कोयले की आपूर्ति घटकर 69.94 एमटी रह गई है, जो कि अगस्त 2023 में 75.19 एमटी थी. इसमें 6.98 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है. समीक्षा अवधि में पावर सेक्टर को 338.75 एमटी कोयले की आपूर्ति की गई है.

चालू वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीनों में एप्पल की उपलब्धि

भारत से किया 5 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात

- 2023-24 में 12.1 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात हुआ था

नई दिल्ली । आईएएनएस

प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम की मदद के कारण दिग्गज टेक कंपनी एप्पल का भारत से आईफोन निर्यात चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अगस्त की अवधि में बढ़कर 5 अरब डॉलर हो गया है. इंडस्ट्री डेटा के मुताबिक, समीक्षा अवधि में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 50 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है. इंडस्ट्री विश्लेषक की ओर से कहा गया कि भारत में एप्पल के एप्पल के आईफोन प्रो और आईफोन प्रो मैक्स मॉडल्स का उत्पादन शुरू होने वाला है. इससे आईफोन निर्यात की वैल्यू में आने वाले समय में इजाफा होने वाला है.

नई आईफोन 16 सीरीज देश में 20 सितंबर से उपलब्ध होगी. केंद्रीय रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव में कहा कि एप्पल आईफोन 16 का निर्माण भारतीय मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स में किया जा रहा है. सोशल मीडिया पोस्ट में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मंत्री के 'मेक इन इंडिया' की पहल के तहत दुनिया के लिए आईकॉनिक उत्पाद भारत में बन रहे हैं. मौजूदा समय में भारत से हर महीने कम से कम एक अरब डॉलर

के आईफोन का निर्यात हो रहा है. इसकी प्रमुख वजह देश में पीएलआई स्कीम का होना है. 2023-24 में 12.1 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात हुआ था. 2022-23 में 6.27 अरब डॉलर के आईफोन के निर्यात हुआ था.

वित्त वर्ष 2023-24 में एप्पल के भारत ऑपरेशनंस की वैल्यू 23.5 अरब डॉलर थी. 2024 में भारत में एप्पल की आय सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़ सकती है. नए आईफोन के लॉन्च से कंपनी की देश में स्थिति पहले के मुकाबले अधिक मजबूत होगी. बीते साल, एप्पल की ओर से भारत में एक करोड़ के करीब आईफोन की बिक्री की गई थी. इस साल यह बढ़कर 1.3 करोड़ पहुंचने की उम्मीद है. एप्पल का लक्ष्य भारत में हर साल 5 करोड़ से ज्यादा आईफोन का उत्पादन करना है.

बाजार

निवेशकों की मुनाफा वसूली के चलते सेंसेक्स 400 और निफ्टी 122 अंक गिरकर हुआ बंद

भारतीय शेयर बाजार में तेजी पर लग गयी ब्रेक

एजेंसी । मुंबई

दो दिनों की शानदार तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार की तेजी पर ब्रेक लग गया है. बुधवार के कारोबार सत्र में दोपहर बाद निवेशकों की बिकवाली के बाजार में बड़ी गिरावट आ गई. सेंसेक्स दिन के हाई से 700 और निफ्टी 230 अंक नीचे जा लुढ़का. एनर्जी, ऑयल एंड गैस और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली के चलते बाजार में ये गिरावट देखने को मिली है. बुधवार के कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 398 अंकों की गिरावट के साथ 81,523 अंकों पर बंद हुआ है. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 123 अंकों की गिरावट के साथ 24,918 अंकों पर बंद हुआ है.

निवेशकों को 2 लाख करोड़ से ज्यादा नुकसान

बाजार में मुनाफावसूली के चलते बुधवार के कारोबारी सत्र में निवेशकों को नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 463.49 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 461.23 करोड़ रुपये रहा था. बुधवार के ट्रेड में बाजार के मार्केट कैप में 2.26 लाख करोड़ रुपये की कमी देखने को मिली है. वहीं, सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 10 स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि 20 गिरकर बंद हुआ. निफ्टी के 50 शेयरों में केवल 13 तेजी के साथ जबकि 37 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में एशियन पेंट्स 2.18 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.57 फीसदी, सन फार्मा 0.88 फीसदी, एचयूएल 0.58 फीसदी, एचसीएल टेक 0.39 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.37 फीसदी, आईटीसी 0.19 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.08 फीसदी, भारती एयरटेल 0.05 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले शेयरों में एनटीपीसी 1.56 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.53 फीसदी, एल एंड टी 1.51 फीसदी, एसबीआई 1.45 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 1.42 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

टाटा मोटर्स की शेयर में भारी गिरावट देखी गयी

टाटा मोटर्स ने अपनी गाड़ियों और खासतौर से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और दूसरे पैसेंजर कारों पर डिस्काउंट का एलान क्या किया. बुधवार को कारोबारी सत्र में टाटा मोटर्स का स्टॉक छह फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 975 रुपये के लेवल तक जा लुढ़का है. यूबीएस ने अपने रिसर्च रिपोर्ट में निवेशकों को टाटा मोटर्स के स्टॉक को बेचने की सलाह दी है. ब्रोकरेज हाउस के मुताबिक स्टॉक घटकर 825 रुपये तक जा सकता है जो मौजूदा लेवल से भी करीब 16 फीसदी नीचे है. 30 जुलाई 2024 को टाटा मोटर्स के शेयर ने 1179 रुपये के हाई को छूआ था उस लेवल से स्टॉक 17 फीसदी नीचे आ चुका है. पिछले पांच सालों में स्टॉक ने 630 फीसदी तो 2 सालों में 120 फीसदी का रिटर्न दिया है. यूबीएस के मुताबिक आने वाले दिनों में रेंज रोवर स्पोर्ट पर डिस्काउंट बढ़ने के आसार हैं. जेएलआर ने हाल के वर्षों में उसके टेलेस्ट डिमांड की भारी मांग के चलते औसत सेलिंग प्राइस में मजबूती में सुधार देखने को मिला है.

न्यूज अपडेट

शिमला में मस्जिद को लेकर प्रदर्शन

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली में बुधवार को विवादास्पद मस्जिद के विरोध में दक्षिणपंथी संगठनों के प्रदर्शन से स्थिति तनावपूर्ण बन गई. सैकड़ों प्रदर्शनकारियों द्वारा विभिन्न रास्तों से मस्जिद के पास पहुंचने का प्रयास किया गया. प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया गया जिसको लेकर बताया जा रहा है कि पुलिस पर कुछ लोगों ने पथराव किया था. हालांकि प्रदर्शन जारी रहा और अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया.

अखिलेश का योगी सरकार पर निशाना

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में डकैती के आरोपी मंगेश यादव के एनकाउंटर को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर योगी सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि भाजपा में मुठभेड़ की झूठी कहानी बनाती है और फिर दुनिया को झूठी तस्वीरें दिखाती है. तथाकथित बड़े भाजपाई नेताओं से ऐसे गैरक़ानूनी एनकाउंटर को सही साबित करने के लिए तर्कहीन बयानबाज़ी भी कराती है. सपा प्रमुख के बयान पर भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने पलटवार किया है.

धार्मिक झंडे को लेकर दो पक्षों में झड़प

भरूच। सूरत के भरूच में दो समुदाय के बीच बीती रात विवाद हो गया. दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. हिंसक घटना भरूच बी डिवीजन पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले इलाके में हुई. बताया जा रहा है कि एक पक्ष द्वारा धार्मिक झंडा लगाने के चलते विवाद हुआ. पहले तो दोनों समुदायों के बीच मामूली कहासुनी हुई. इसके बाद धीरे-धीरे मामला तूल पकड़ता गया और बात हाथापाई तक जा पहुंची. देखते ही देखते इलाके में भारी भीड़ इकट्ठा हो गई.

मलाइका के पिता ने की आत्महत्या

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के पिता ने बुधवार को घर की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली है. उनके सुसाइड करने की वजहों का पता नहीं चल पाया है. जानकारी के अनुसार, मलाइका अरोड़ा के पिता ने बांद्रा में स्थित अपने घर की तीसरी मंजिल से कूदकर सुसाइड किया. उन्होंने बुधवार सुबह 9 बजे के करीब छत से कूदकर सुसाइड कर लिया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. इस बीच पिता की मौत की खबर मिलने के बाद मलाइका अरोड़ा पुणे से मुंबई के लिए रवाना हो गई हैं.

ईडी ने संदीप के पीए को किया तलब

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की मुश्किलें नहीं थम रही है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संदीप घोष के पीए को तलब किया है. ईडी के अधिकारी राज्य संचालित आरजी कर कॉलेज में वित्तीय अनियमितताओं के मामले की जांच कर रहे हैं. ईडी ने बुधवार को संदीप घोष के निजी सहायक (पीए) प्रसून चट्टोपाध्याय को पूछताछ के लिए बुलाया है. उन्होंने प्रसून चट्टोपाध्याय को ईडी के साल्ट लेक कार्यालय में रिपोर्ट करने के लिए कहा है.

शराब घोटाले में व्यवसायी को जमानत

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्र पिल्लई को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दे दी. पिल्लई इस घोटाले से जुड़े दक्षिण भारतीय व्यवसायियों के समूह में शामिल है, जिसमें कथित तौर पर भारत राष्ट्र समिति नेता के. कविता, अरबिंदो फार्मा के प्रवर्तक शरत रेड्डी, श्रीनिवासुलु रेड्डी वर उनके बेटे राघव मगुंटा और अन्य शामिल हैं. न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने पिछले साल अक्टूबर में पिल्लई की जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया था.

बुच मामले में बोला हिंडनबर्ग रिसर्च

नयी दिल्ली। शार्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोपों को लेकर माधबी पुरी बुच की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं. सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म एक्स पर शार्टसेलर ने लिखा, "जितने भी सवाल सामने आए हैं, उस पर हफ़्तों तक बुच ने चुप्पी साधे रखी है." हिंडनबर्ग के अनुसार, "नए आरोप सामने आए हैं कि निजी कंसल्टिंग फ़र्म में सेबी की चेयरपर्सन माधबी बुच की 99 प्रतिशत हिस्सेदारी है. इस फ़र्म ने सेबी में लिस्टेड कई कंपनियों से भुगतान प्राप्त किया, जबकि उस दौरान बुच सेबी की पूर्णकालिक सदस्य थीं.

अकुर्ली ब्रिज पर शुरू हुआ आवागमन

कांदिवली। कांदिवली अकुर्ली ब्रिज के उद्घाटन के बाद बुधवार सुबह से लोगों का आवागमन शुरू हो गया.केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार देर रात महाराष्ट्र ब्रिज का उद्घाटन किया था. कांदिवली वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे अब ट्रैफिक फ्री हो जाएगा. मंत्री ने कहा कि आज सिर्फ उत्तर नहीं बल्कि पूरे मुंबई के लिए एक शुभ दिन है. मैंने वादा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में हम तेज गति से पहले 100 दिनों में इस कार्य को पूरा करेंगे.

गाजा में हमला, नौ नागरिकों की मौत

गाजा। इजरायल ने गाजा पट्टी के जबालिया शहर में एयर स्ट्राइक की, जिसमें नौ फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं. इजरायल ने उत्तरी गाजा पट्टी के जबालिया शहर में एक घर को निशाना बनाकर हवाई हमला किया. इस हमले के दौरान घर में कई लोग मौजूद थे, जिनमें नौ फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए. गाजा में फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि इजरायल के फाइटर जेट ने अल-कुद्स ओपन यूनिवर्सिटी के डॉ. अकरम के घर को निशाना बनाया गया.

राष्ट्रपति चुनाव : दोनों उम्मीदवारों के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध, इसराइल-हमास जंग, सीमा समस्या, अप्रवासन व अबॉर्शन जैसे मुद्दों पर जमकर हुई तकरार

पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में डोनाल्ड ट्रंप पर भारी पड़ीं कमला हैरिस

एजेंसी। फिलाडेल्फिया

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के बीच मंगलवार को पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई. इस दौरान दोनों उम्मीदवारों के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध, इसराइल-हमास जंग, सीमा से जुड़ी समस्या, अप्रवासन, अर्थव्यवस्था, कैपिटल हिल दंगे और अबॉर्शन जैसे मुद्दों पर जमकर बहस हुई. दोनों की बहस चीन, रूस, इसराइल और ईरान कई बार आए.

पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया में एबीसी न्यूज द्वारा आयोजित लाइव बहस में दोनों के बीच तकरार दिखी. इस दौरान कई बार हैरिस ट्रंप को पछाड़ते नजर आईं, जबकि कई मुद्दों पर ट्रंप भारी दिखे. ट्रंप ने पिछली बहस में राष्ट्रपति जो बाइडन को अपनी बहस और तर्कों से चुप करा दिया था, जबकि इस बार हैरिस ने अपने तर्कों से ट्रंप के पसीने छुड़ा दिए. 1 घंटे 45 मिनट की बहस में कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति को कैपिटल हिल दंगा, गर्भपात कानून जैसे मुद्दों पर घेरा. वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने हैरिस को अप्रवासन, बॉर्डर और इजरायल को लेकर निशाने पर लिया. वहीं हैरिस इस बहस में मुद्रा स्फीति, इमिग्रेशन और अफगानिस्तान से वापसी जैसे मुद्दों पर कमजोर नजर आईं.

ट्रंप का आरोप- पालतू कुत्तों को खाते हैं प्रवासी : प्रेसिडेंशियल डिबेट में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों पर कुछ ऐसे आरोप लगाए, जिसको मॉडरेटर ने ही ग़लत बताया. प्रवासियों को लेकर ट्रंप ने बेतुके दावे किए कि वे 'पालतू जानवरों को खाते हैं.' ट्रंप ने कहा, "वे कुत्तों को खाते हैं. वे लोगों के पालतू जानवरों को खाते हैं." द एबीसी प्रेसिडेंशियल डिबेट के मॉडरेटर डेविड मुइर ने कहा कि 'स्प्रिंगफ़ील्ड के सिटी मैनेजर ने कहा है कि इस तरह का कोई सबूत नहीं है.' ट्रंप ने कहा, "मैंने टीवी पर ये कहते हुए लोगों को सुना कि मेरे कुत्ते को चुरा कर खा लिया गया." इस पर कमला हैरिस ने कहा कि ट्रंप 'बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बातें' करते हैं. स्प्रिंगफ़ील्ड के अधिकारियों ने बीबीसी वेरिफ़ाई को बताया कि इस तरह की कोई विश्वसनीय रिपोर्ट नहीं है कि ऐसा वाक़ई हुआ है.

> कमला हैरिस की नीतियों का कोई मतलब नहीं है. अगर नवंबर में कमला हैरिस चुनाव में जीत जाती हैं तो तीसरा विश्व युद्ध संभव है. **-डोनाल्ड ट्रंप**

> अमेरिका के भविष्य को लेकर मेरा और ट्रंप का नज़रिया बिल्कुल अलग है. मेरा ध्यान भविष्य पर है. ट्रंप अतीत में अटके हुए हैं. **-कमला हैरिस**

हैरिस का आत्मविश्वास भरा दृष्टिकोण

सीएनएन ने हैरिस द्वारा ट्रंप को दी गई सीधी चुनौती पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि हैरिस का आत्मविश्वास भरा दृष्टिकोण सबसे अलग था, जिससे ट्रंप को अपनी स्थिति फिर से हासिल करने में संघर्ष करना पड़ा. यहां तक कि फॉक्स न्यूज, जिसे अक्सर ट्रंप के प्रति अधिक सहानुभूति रखने वाला माना जाता है. उसने भी स्वीकार किया कि हैरिस ने बहस जीती. माडिया आउटलेट ने उल्लेख किया कि जैसे-जैसे बहस आगे बढ़ी, ट्रंप का रुख और विभाजनकारी होता गया, जबकि हैरिस का आत्मविश्वास बढ़ता गया, जिसे मॉडरेटर द्वारा ट्रंप के बयानों की तथ्य-जांच से बल मिला.

पोल में कमला हैरिस आगे

सीएनएन के एक पोल के अनुसार, कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच मंगलवार की बहस देखने वाले पंजीकृत मतदाताओं 63 प्रतिशत ने माना कि हैरिस ने अच्छा प्रदर्शन किया. वहीं, ट्रंप के प्रदर्शन को 37 प्रतिशत ने अच्छा बताया. बहस से पहले मतदाता दोनों के प्रदर्शन पर समान रूप से बंटे थे. 50 प्रतिशत ने हैरिस और 50 प्रतिशत ने ट्रंप के मजबूत प्रदर्शन की बात कही थी. पोल के नतीजे केवल उन मतदाताओं के विचारों को दर्शाते हैं जो इसे देख रहे थे. इससे पहले जून में हुई डिबेट ट्रंप और बाइडन के बीच बहस देखने वाले 67 प्रतिशत मतदाताओं ने माना था कि रिपब्लिकन ने अपने प्रतिद्वंद्वी से बेहतर प्रदर्शन किया. केवल 33 प्रतिशत ही बाइडन के प्रदर्शन को अच्छा माना था.

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की अमेरिका की चार दिनी अनौपचारिक यात्रा समाप्त

राहुल गांधी ने चीन को लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना

एजेंसी। वॉशिंगटन

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अमेरिका चार दिवसीय अनौपचारिक यात्रा समाप्त हो गई. इस दौरान मंगलवार की देर रात वाशिंगटन के नेशनल प्रेस क्लब में उन्होंने मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने एक बार फिर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि चीन ने लद्दाख में दिल्ली जितनी जमीन पर कब्जा कर लिया है और पीएम मोदी चीन को संभाल नहीं पा रहे हैं. वहीं पाकिस्तान और भारत के रिश्ते से पर उन्होंने कहा कि हमारे देश में पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को बढ़ावा देना दोनों देशों को पीछे धकेल रहा है. हम ये स्वीकार नहीं करेंगे कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे. राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र में अमेरिकी हस्तक्षेप करने को लेकर अपने विचार बताए.

राहुल गांधी से पूछा गया कि 'कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि अमेरिका को प्रधानमंत्री मोदी पर ज़्यादा दबाव डालना चाहिए, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि बाहरी दबाव से कोई फ़र्क नहीं पड़ता. आपको क्या लगता है कि भारत के प्रति अमेरिका का रुख़ कैसा होना चाहिए?' इस पर राहुल गांधी ने कहा, "भारत में लोकतंत्र की लड़ाई सिर्फ़ भारतीयों की लड़ाई है. इसका किसी और से कोई लेना-देना नहीं है. यह हमारा देश है और हम इसका ख़्याल रखेंगे, हम लड़ेंगे. हम सुनिश्चित करेंगे कि लोकतंत्र सुरक्षित रहे." "हालांकि यह समझना ज़रूरी है कि भारतीय लोकतंत्र अपने आकार के कारण किसी भी सामान्य लोकतंत्र से कहीं बढ़कर है." उन्होंने कहा, "अगर आप दुनिया के लोकतांत्रिक दृष्टिकोण की बात कर रहे हैं, तो भारतीय लोकतंत्र के पास इसके लिए बड़ी जगह है. इसलिए मुझे लगता है कि यह ज़रूरी है कि दुनिया भारतीय लोकतंत्र को सिर्फ़ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक पूंजी के रूप में देखे." उन्होंने कहा, "अमेरिका को यह सलाह देना कि उन्हें पीएम मोदी से कैसे निपटना चाहिए, यह मेरा काम नहीं है."

राहुल गांधी ने चीन मुद्दे पर क्या कहा? : राहुल गांधी से पूछा गया कि 'क्या आपको लगता है कि पीएम मोदी ने अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा को संभाल लिया है?' इस पर राहुल गांधी ने कहा, "अगर आप हमारे क्षेत्र के 4,000 वर्ग किलोमीटर में चीनी सैनिकों को रखने को किसी चीज़ से अच्छी तरह से निपटना कहते हैं, तो हो सकता है." उन्होंने कहा, "लद्दाख में दिल्ली के आकार की ज़मीन पर चीनी सैनिकों ने कब्ज़ा कर रखा है. मुझे लगता है कि यह एक आपदा है. मीडिया इसके बारे में बात नहीं करता." उन्होंने सवाल करते हुए कहा, "अगर कोई पड़ोसी आपके क्षेत्र के 4000 वर्ग किलोमीटर पर कब्ज़ा कर ले तो अमेरिका की क्या प्रतिक्रिया होगी? क्या कोई राष्ट्रपति यह कहकर बच निकल पाएगा कि उसने इसे अच्छी तरह से संभाला है?" "इसलिए मुझे नहीं लगता कि पीएम मोदी ने चीन को बिल्कुल भी अच्छी तरह से संभाला है. मुझे लगता है कि कोई कारण नहीं है कि चीनी सैनिक हमारे क्षेत्र में बैठे रहें." राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के दौरान दिए गए कई बयानों को लेकर भारत में विवाद देखा गया है. नरेंद्र मोदी और आरएसएस पर दिए गए बयानों की बीजेपी ने आलोचना की है. वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने जातिगत जनगणना और आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर राहुल गांधी पर निशाना साधा है.

वाशिंगटन के नेशनल प्रेस क्लब में मीडिया से कहा- संभाल नहीं पा रहे बीजिंग को

अमित शाह और राजनाथ सिंह के निशाने पर राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के अमेरिका में आरक्षण को लेकर दिए बयान (हम आरक्षण खत्म करने के बारे में तब सोचेंगे, जब भारत में निष्पक्षता होगी. इस तरह से यह एक समस्या है.)पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब तक भाजपा है, आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता और देश की एकता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता. शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'देशविरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है. चाहे जम्मू-कश्मीर में जेकेएनसी के देश और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है. इस पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा एकता और समानता के पक्षधर रहे हैं, जबकि भाजपा और उसके वैचारिक गुरुओं ने इसके विपरीत काम किया है. टैगोर ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रीय हित और आरक्षण के बारे में उपदेश देने वालों को सबसे पहले सामाजिक न्याय का विरोध करने के आरएसएस के अपने ट्रैक रिकॉर्ड को देखना चाहिए. राहुल गांधी हमेशा एकता और समानता के पक्षधर रहे हैं, जबकि भाजपा और उसके वैचारिक गुरुओं ने इसके विपरीत काम किया है, राष्ट्र को विभाजित करना और हाशिए पर पड़े समुदायों के साथ विश्वासघात किया जा रहा है.

मोहब्बत की दुकान चलाते-चलाते झूठ की दुकान खोल कर बैठ गए हैं राहुल गांधी

वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी के सिखों को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हु कहा है कि राहुल गांधी अपने विदेश दौरे के दौरान जिस तरह की भ्रामक, निराधार और तथ्यहीन बातें कर रहे हैं, वह बेहद शर्मनाक और भारत की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली हैं. सिंह ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि लगता है कि मोहब्बत की दुकान चलाते-चलाते राहुल गांधी झूठ की दुकान खोल कर बैठ गए हैं. वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस मामले में राहुल गांधी के बयान पर समर्थन व्यक्त करते हुए कहा, "राहुल गांधी ने अमेरिका में बयान दिया कि सिखों को पगड़ी पहनने की स्वतंत्रता बनी रहनी चाहिए, इसके लिए हम लड़ेंगे. क्या देश में सिखों को पगड़ी पहनने की स्वतंत्रता नहीं रहनी चाहिए? यह वही पार्टी है, जिसके नेता और देश के प्रधानमंत्री लोगों को कपड़ों से पहचानने की बात करते हैं. यह वही पार्टी है, जिसके नेता मुसलमानों को पीटने की बात करते हैं. रेलगाड़ी में एक बुजुर्ग मुसलमान को इसी तरह की मानसिकता के लोगों ने पीटा और मार दिया क्योंकि उसकी दाढ़ी थी. हरियाणा में एक नौजवान को इन लोगों ने मार दिया और मारने के बाद बोला कि हमें बड़ा अफसोस हुआ क्योंकि यह व्यक्ति मुसलमान नहीं था.'

राहुल गांधी अब बचकानी नहीं बल्कि शैतानी हरकतें कर रहे : सुधांशु

नयी दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने अमेरिकी यात्रा पर गए राहुल गांधी के बयानों की आलोचना करते हुए कटाक्ष किया कि सैम पित्रोदा ने सही कहा था कि राहुल गांधी अब समझदार हो गए हैं. क्योंकि राहुल गांधी अब बचकानी नहीं बल्कि खतरनाक और शैतानी हरकतें कर रहे हैं. हर चीज का आदर्श विदेशों में ढूंढने वाले लोग, हमेशा विदेश से ही प्रेरणा लेने वाले लोग आज विदेश में ही जाकर भारत के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रहे हैं, यह दुखद, निंदनीय और भर्त्सना योग्य है. भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो बात अंकल सैम ने कही है, वो उससे सहमत हैं. जो उनको संज्ञा दी जाती थी अब वह वो नहीं है. अब राहुल गांधी बचकानी हरकतें नहीं कर रहे हैं बल्कि अब वो खतरनाक और शैतानी हरकतें कर रहे हैं. अब वो हर उस ताकत के साथ हैं, जो भारत को कमजोर देखना चाहती है, जो भारत को झुका हुआ देखना चाहती है. एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत गर्व से, विकास और सांस्कृतिक स्वाभिमान के साथ ऊपर उठ रहा है दूसरी तरफ वह लोग हैं जो भारत को अपमानित कर रहे हैं.

उधमपुर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

- पाकिस्तान की गोलीबारी में बीएसएफ का एक जवान घायल

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बुधवार दोपहर सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई. अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके के खंडरा टॉप में हो रही थी. एक अधिकारी ने बताया, "स्थानीय पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने बसंतगढ़ के खंडरा टॉप में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया. जैसे ही सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम छिपे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंची, उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई." इससे पहले बुधवार को जम्मू जिले के अखनूर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से की गई गोलीबारी में बीएसएफ का एक जवान घायल हो गया था. पाकिस्तान द्वारा द्विपक्षीय संघर्ष विराम समझौते का यह उल्लंघन जम्मू-कश्मीर में 10 साल के अंतराल के बाद होने वाले विधानसभा चुनावों से कुछ दिन पहले हुआ है.

मणिपुर जल रहा है, पीएम व एचएम को चिंता नहीं : खड़गे

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को मणिपुर की मौजूदा स्थिति का ज़िक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इसकी कोई चिंता नहीं. खड़गे ने जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, "अपना घर जल रहा है, लेकिन इसे छोड़ दिया. मणिपुर में आग लग गई. घर लूटे जा रहे हैं और जल रहे हैं. गोली चल रही है और लोगों का मर्डर हो रहा है, लेकिन इसकी फ़िक्र कभी पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने नहीं की." खड़गे ने कहा, "हमारी विदेश नीति है और इसके तहत हम पहले भी चले हैं. आगे भी चलते हैं. हमारा ऐतराज़ ये है कि पहले अपना घर संभालो और मणिपुर संभालो." मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "लोगों को शांति से रखो. यहां शांति नहीं, लेकिन दूसरी जगह शांति स्थापित करने जा रहे हैं. मैं नहीं कह रहा कि मत जाओ, लेकिन पहले हमारा ठीक करके जाओ." मणिपुर सरकार ने मंगलवार को ही आदेश जारी कर राज्य में अस्थाई तौर पर अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवा पर रोक लगा दी है.

मणिपुर में युद्ध जैसे हालात : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल पूछा. संजय राउत ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, "देश के गृह मंत्री यहां-वहां घूम रहे हैं, लेकिन मणिपुर के जो हालात हैं, उससे सभी वाकिफ हैं."

जापान में भारी तबाही मचा सकता है तूफान 'बेबिनका'

- गंभीर मौसम की स्थिति पैदा होने की चेतावनी जारी हुई

एजेंसी। टोक्यो

जापान की मौसम एजेंसी ने बुधवार को तूफान बेबिनका को लेकर चेतावनी दी है. एजेंसी ने कहा है कि तूफान के जापान के द्वीपों के पास पहुंचने की संभावना है, जिसमें ओकिनावा और अमामी क्षेत्र शामिल हैं, जिसके कारण गंभीर मौसम की स्थिति पैदा हो सकती है. जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि इस साल का 13वां तूफान, जो मंगलवार रात मारियाना द्वीपों के पास बना, 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है.

स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 9 बजे, उष्णकटिबंधीय तूफान का केंद्रीय दबाव 990 एचपीए (हेक्टोपास्कल) था और अधिकतम हवा की रफ्तार 25 मीटर प्रति सेकंड थी. तूफान का मजबूत हवा वाला क्षेत्र, जहां हवा की गति कम से कम 15 मीटर प्रति सेकंड है, केंद्र से 220 किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है. शनिवार और रविवार के बीच तूफान के कारण प्रभावित क्षेत्रों में भारी बारिश, तेज हवाएं और ऊंची लहरें आ सकती हैं.

पहल ऑस्ट्रेलिया की सेना कर रही परीक्षण, जोखिम भरे इलाकों में होगी तैनाती

युद्ध के मैदान में सैनिकों की जगह लेंगे रोबोट

एजेंसी। कैनबरा

भविष्य में सैनिकों के स्थान पर रोबोट युद्ध लड़ते नजर आ सकते हैं. ऑस्ट्रेलियाई सेना ने इसे लेकर कोशिश भी शुरू कर दी है. सेना एक मानवरहित रोबोट का परीक्षण कर रही है, जिसे जीयूएस (ग्राउंड अनक्रूड सिस्टम) नाम दिया गया है. यह जोखिम भरे इलाकों में सैनिकों की जगह ले सकता है. ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि रोबोट का परीक्षण पिलबारा रेजिमेंट के सैनिक कर रहे हैं. यह रेजिमेंट ऑस्ट्रेलियाई सेना का रीजनल फोर्स सर्विलांस ग्रुप (आरएफएसजी) है.

मंत्रालय के अनुसार, यह निगरानी रोबोट ऑस्ट्रेलिया में ही विकसित किया गया है. इसमें कैमरे और सेंसर लगे हैं, जो बैटरी के जरिए लगातार 30 दिनों से अधिक समय तक निगरानी कर सकते हैं. बैटरी की क्षमता कम होने पर एक ऑन-बोर्ड तरल ईंधन जनरेटर इसे रिचार्ज करेगा. सेना के फ्यूचर लैंड वारफेयर के महानिदेशक ब्रिगेडियर जेम्स डेविस ने कहा कि रक्षा अधिकारी नई तकनीक का इस्तेमाल करने वाली क्षमताओं को विकसित करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं. मंत्रालय के मुताबिक, यह रोबोट गतिशील वस्तुओं का पता लगा सकता है और इस सूचना को रिमोट ऑपरेटर को भेज सकता है. जीयूएस में निगरानी क्षेत्र का विस्तार करने की क्षमता है. यह सैनिकों को मुश्किल मौसमी हालात से निकालने में भी सक्षम है. ऑस्ट्रेलियाई सेना और उसके औद्योगिक साझेदार ने मिलकर जीयूएस को विकसित किया है.

इसका रिसर्च और डेवलपमेंट विक्टोरियन शहर यिनार में चल रहा है. विक्टोरिया के सबसे बड़े शिक्षा संस्थान, फेडरेशन यूनिवर्सिटी के मेक्ट्रोनिक्स शोधकर्ताओं ने सबसे पहले जीयूएस को विकसित किया था. इसका इस्तेमाल अफ्रीका के विशाल राष्ट्रीय उद्यानों में सशस्त्र घुसपैठियों से रेंजर्स की रक्षा करने के लिए किया जाना था. हालांकि, आगे चलकर ऑस्ट्रेलियाई सेना ने इसमें दिचलस्पी दिखाई और वन्यजीव संरक्षण से हटाकर सैन्य दृष्टिकोण पर ध्यान लगाया.

पाक संसद में हुआ हंगामा पीटीआई सीनेटर निलंबित

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन सीनेट में मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ. स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की सीनेटर फलक नाज को दो दिन के लिए सत्र से निलंबित कर दिया गया. वरिष्ठ नेता फैसल वावदा के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में उनके खिलाफ कार्रवाई की गई. पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार दोनों नेताओं के बीच हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर गरमागरम बहस हुई. रिपोर्ट के मुताबिक टकराव तब शुरू हुआ जब सीनेटर वावदा ने पीटीआई नेतृत्व की तीखी आलोचना की. उन्होंने विशेष रूप से पार्टी के संस्थापक इमरान खान और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर पर निशाना साधा.

वियतनाम में यागी तूफ़ान से अब तक 127 लोगों की मौत

वियतनाम में यागी तूफ़ान से अब तक 127 लोगों की जान जा चुकी है, वहीं 54 लोग लापता हैं. शनिवार से ही तूफ़ान की वजह से भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति बनी हुई है. भूस्खलन के कारण हालात और बिगड़ गए हैं. उत्तरी वियतनाम में हज़ारों की तादाद में लोग घरों की छतों पर फँसे हुए हैं. कई लोगों ने सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाई है. यागी तूफ़ान वियतनाम में बीते 30 सालों का सबसे शक्तिशाली तूफ़ान है, जिसने देश के उत्तरी भाग में तबाही मचाई है. फू थो प्रोंत में फोंग चाऊ ब्रिज ढह गया, जिसके बाद कई गाड़ियां पानी में डूब गईं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)